आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026

आधी आबादी के 'हक' पर संसद में जंग

ये तीन विधेयक पेश

- संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026
- परिसीमन विधेयक, 2026
- संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026

मोदी की गारंटी- किसी राज्य के साथ नहीं होगा भेदभाव, प्रियंका बोलीं- बहकावे में न आएं

केंद्र सरकार ने साल 2029 तक महिला आरक्षण को लागू करने और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने के लिए तीन विधेयकों को गुरुवार को लोकसभा में पेश किया। संसद में विपक्ष के विरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महिला को मिलने वाले अधिकार का जिस-जिस ने विरोध किया, महिलाओं ने उन्हें माफ नहीं किया। बिलों पर चर्चा के लिए 16 और 17 अप्रैल को 15 घंटे का समय तय किया गया है। शुक्रवार शाम 4 बजे वोटिंग की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया। 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' पेश करने के प्रस्ताव के पक्ष में 251 वोट और विरोध में 185 वोट पड़े। इससे पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने विधेयकों को 'असंवैधानिक' करार देते हुए इन्हें पेश करने के समय पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस के के.सी. वेणुगोपाल ने तीनों विधेयकों को भारत के संघीय ढांचे पर हमला बताते हुए कहा कि वास्तव में विधेयक इस समय लाने का क्या मकसद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण अधिनियम संबंधी ▶▶ शेष पेज 8 पर

- महिला आरक्षण समेत तीन बिल लोकसभा में पेश, आज शाम 4 बजे वोटिंग

महिला आरक्षण समेत तीन बिल लोकसभा में पेश, आज शाम 4 बजे वोटिंग

क्या है महिला आरक्षण बिल?

प्रस्तावित महिला आरक्षण संशोधन विधेयक यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (106वां संविधान संशोधन) और परिसीमन विधेयक-2026 दोनों बिल लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का अधिकार देता है।

ये क्यों इतना जरूरी हैं?

आजादी को 79 साल होने वाले हैं, लेकिन देश की आधी आबदी का संसद अभी प्रतिनिधित्व मात्र 14 प्रतिशत के आसपास ही है। महिलाओं के नीति निर्धारण में करने में पुरुषों का ही बहुमत रहता है। ऐसे में जरूरी है कि नीति निर्धारण में लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रियंका बोलीं

महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे प्रधानमंत्री

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन को सत्ता बनाए रखने के लिए बहाने के तौर पर उपयोग करने और महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि यदि विधेयक पारित हो गया तो देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को लोकसभा के वर्तमान संख्याबल 543 के आधार पर महिला आरक्षण को लागू करना चाहिए और जाति जनगणना के बिना परिसीमन नहीं होना चाहिए। प्रियंका ने गृह मंत्री अमित शाह पर राजनीतिक कुटिलता का आरोप भी लगाया और तंज कसते हुए कहा, यदि आज चाणक्य जिंदा होते तो आपकी कुटिलता से चौंक जाते। उनका कहना था कि सच्चाई यह ▶▶ शेष पेज 8 पर

राहुल ने पूछा, 850 सीटों का गणित

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन और लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने की योजना पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने इस पूरी प्रक्रिया को सत्ता हथियाने की कोशिश और हिस्सा चोरी करार दिया। उनका आरोप है कि यह कदम महिला सशक्तिकरण के नाम पर असल में ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों के राजनीतिक अधिकारों को छीनने की एक बड़ी साजिश है। राहुल गांधी का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण और गेरीमैंडरिंग के जरिए राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस और विपक्ष जातिगत जनगणना के बिना किसी भी ऐसे बदलाव को स्वीकार नहीं करेंगे जो पिछड़ों की भागीदारी को सीमित करता हो। राहुल ने इसे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ बताते हुए सरकार की मंशा पर बड़े सवाल खड़े किए हैं।

शाह ने समझाया कैसे आया 850 का आंकड़ा

अमित शाह ने कहा, सरकार जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती। यह भी झूठ है। जनगणना दो हिस्सों में होती है पहले मकानों को इंगित किया जाता है। फिर रहवासियों से पूछा जाता है। अभी मकानों की कोई जातीय व्यवस्था नहीं है, इसलिए नहीं होती। 850 का आंकड़ा कहां से आया, मैं समझाता हूं। मानों 100 सीटें हैं जिसमें 33% आरक्षण देना है तो उसमें 50 सीटें बढ़ाते है तो सीटें 150 होती हैं। 850 राउंड ऑफ फिगर है। बिल जो सदन के सामने और कर्नाटक 28 सीटें हैं, यानि 5.15 प्रतिशत, बिल पारित होने के बाद, कर्नाटक में 28 से बढ़कर 42 सीटें हो जाएगी। आंध्र प्रदेश 4.6 प्रतिशत, 4.65 प्रतिशत हो जाएगी। तेलंगाना- 17 सीटें हैं, जो कि 3.13 प्रतिशत है, बढ़कर 26 सीटें, 3.18 प्रतिशत। तमिलनाडु- 39 सांसद हैं, जो 7.18 प्रतिशत, जो कि अब 59 और 7.23 प्रतिशत होगा।

आज फिर वहीं मुद्दा देशभर में गरमाया है

छत्तीसगढ़ में 28 साल पहले थिंक टैंक ने उठाई थी महिला आरक्षण की आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि तत्काल

इस समय देश की सियासत में महिला आरक्षण का मुद्दा जबरदस्त गरमाया है, लेकिन ये बात भी कम चौंकाने वाली नहीं है कि अब से 28 साल पहले यानि राज्य गठन के दो साल पहले राज्य के प्रबुद्ध जनों के थिंक टैंक ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिला आरक्षण की मांग रखी थी। इन लोगों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, समेत सोनिया गांधी, उमा भारती और राबड़ी देवी के समक्ष भी यही मुद्दा उठाया था। इस थिंक टैंक से जुड़े सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अवधराम चंद्राकर का कहना है कि 28 साल पहले उठाई गई मांग आज भी प्रासंगिक है। एसटी,एससी के साथ ओबीसी महिलाओं को भी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण मिलना ही चाहिए।

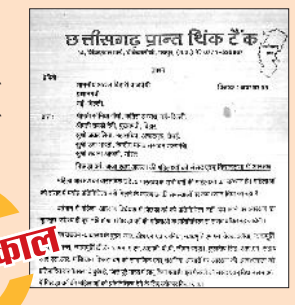

1998 में संगठित पहल

छत्तीसगढ़ प्रान्त थिंक टैंक द्वारा 1 नवम्बर 1998 को तत्कालीन प्रधानमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में आरक्षण देने की मांग की गई थी। ज्ञापन में विशेष रूप से पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया गया था। उस समय यह चिंता जताई गई थी कि यदि महिला आरक्षण में सामाजिक वर्गों का संतुलन नहीं रखा गया, तो इसका वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाएगा और केवल सीमित वर्ग की महिलाओं को ही लाभ मिलेगा।

सामाजिक संतुलन की थी मुख्य चिंता

ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया था कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित होना ▶▶ शेष पेज 8 पर

तब की आशंकाएं आज भी प्रासंगिक

ज्ञापन में यह भी उल्लेख था कि यदि आरक्षण में संतुलन नहीं रखा गया, तो सत्ता का केंद्रीकरण एक विशेष वर्ग में हो सकता है और इससे भ्रष्टाचार व असमानता बढ़ने की आशंका रहेगी। आज, जब महिला आरक्षण को लेकर नई बहस चल रही है, वही सवाल फिर उठ रहे हैं—क्या आरक्षण में सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर मिलेगा?नया कानून, पुरानी बहसहाल के वर्षों में महिला आरक्षण को लेकर संसद में कानून पारित होने के बाद यह मुद्दा फिर चर्चा में है। हालांकि, इसके क्रियान्वयन को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिसके कारण इसे लागू होने में समय लग सकता है। छत्तीसगढ़ सहित देश के कई हिस्सों में अब यह मांग उठ रही है कि महिला आरक्षण में ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान किया जाए, ताकि सामाजिक संतुलन बना रहे।

थिंक टैंक में शामिल थे ये

छत्तीसगढ़ प्रांत थिंक टैक में राज्य के प्रबुद्ध लोग शामिल थे, इनमें प्रोफेसर रामकुमार कश्यप पूर्व कुलपति रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर, प्रोफेसर बलराम प्रधान प्रोफेसर इंजीनियरिंग कालेज रायपुर, कु.ऋतु वर्मा, अंतरराष्ट्रीय पंडवानी कलाकार, डा.पीएस चंद्राकर पूर्व अस्थिरोग विशेषज्ञ, भिलाई स्टील प्लांट, नारायण राव अंबिलकर, रामधार चंद्रवंशी दोनो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रोफेसर चंद्रशेखर सिंगरौल, शिव प्रसाद कोष्ठा पूर्व कुलपति दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, प्रोफेसर रमेश चंद्र मेहरोत्रा, भाषाविद, आरडीएस कश्यप पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

मंत्री पहुंचे प्लांट कांग्रेस की टीम भी पहुंची

बॉयलर विस्फोट में वेदांता के 19 पर केस, जांच में खुल रही लापरवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चाम्पा

सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट के बॉयलर हादसे के मामले में पुलिस ने वेदांता प्रबंधन से जुड़े 19 लोगों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो चुकी है,वहीं 16 लोग घायल हैं, जिनमें से आधे से अधिक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

गौरतलब है कि मंगलवार 14 अप्रैल को डभरा ब्लॉक के सिंघीतराई स्थित वेदांता थर्मल पावर प्लांट में बॉयलर फटने की घटना हुई थी। इस भीषण हादसे में तीन दर्जन से अधिक श्रमिक बुरी तरह से ▶▶ शेष पेज 8 पर

प्रारंभिक जांच में उजागर हुई लापरवाही

घटनास्थल पर मौजूद बायलर मुख्य निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक तकनीकी रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि बायलर फर्नेस के भीतर अत्यधिक मात्रा में ईंधन के जमा हो जाने के कारण तेज दबाव उत्पन्न हुआ, जिससे बायलर में विस्फोट हुआ। उत्पन्न दबाव के कारण बायलर का निचला पाइप अपनी निर्धारित स्थिति से हट गया, जिसके परिणामस्वरूप यह गंभीर दुर्घटना हुई। इसी प्रकार एफएसएल सक्ती द्वारा प्रदान की गई रिपोर्ट में भी यह पुष्टि की गई है कि अत्यधिक ईंधन संचय और उससे उत्पन्न अतिरिक्त दबाव ही विस्फोट की मुख्य वजह रहे। जाँच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वेदांता कंपनी तथा एन.जी.एस.एल. द्वारा मशीनरी एवं ▶▶ शेष पेज 8 पर

उद्योग मंत्री पहुंचे वेदांता

कलेक्टर-एसपी और कंपनी प्रबंधन के साथ की समीक्षा बैठक

बायलर ब्लास्ट के बाद उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने 16 अप्रैल को सक्ती जिले के डभरा ब्लॉक के ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।प्रशासन और प्लांट प्रबंधन के अधिकारियों के साथ उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मृत श्रमिकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंत्री देवांगन ने सिंघीतराई में ही कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर और वेदांता प्रबंधन के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने श्रम कानूनों के अनुरूप घटना के तकनीकी पहलुओं की गहराई से जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

पत्नी का भरण-पोषण करना पति का कर्तव्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को कहा कि पति का अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने का दायित्व एक प्राथमिक और निरंतर कर्तव्य है। इसे इस तरह से निभाया जाना चाहिए जिससे पत्नी गरिमापूर्ण जीवन जी सके। कोर्ट ने ये टिप्पणियां एक महिला के गुजारा भत्ता की राशि को 15,000 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रतिमाह करते हुए कीं। मामले के अनुसार, महिला का विवाह सात मई, 2023 को नयी दिल्ली में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। महिला के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच संबंध सौहार्द्रपूर्ण नहीं रहे और ससुराल में रहने के दौरान उसे उपेक्षा और शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। इन परिस्थितियों में, पत्नी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 144 के तहत टनकपुर, जिला चंपावत स्थित सक्षम न्यायालय में कार्यवाही शुरू की और 50,000 रुपए प्रति माह के गुजारा भत्ता की मांग की। चंपावत स्थित पारिवारिक अदालत ने पत्नी को 8,000 रुपये प्रतिमाह का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। इस राशि से असंतुष्ट होकर पत्नी ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय में अपील की, जिसने इस राशि को बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति माह कर दिया था।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
- Computer Science and Engineering (AI and ML)
- Computer Science and Engineering (Cyber Security)
- Computer Science and Engineering (Data Science)
- Computer Science and Engineering (Internet of Things)
APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes
NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 15th Best in University Category
- 22nd Best in Engineering Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

10th ANNIVERSARY
सोने का सच्चा भाव*
कल भी, आज भी और कल भी®
मार्केट रेट* = ₹142600/-
22 kt. कैरेट
Corporate Rate as per their website Date 16/04/2026 - Time 08:21 PM
आनंद का सच्चा भाव = ₹126900/-
22 kt. कैरेट
आपका फायदा ही फायदा = ₹15700/-
22 kt. कैरेट
22 kt. कैरेट (91.60%) BIS HUID Hallmark Jewellery
aNaND® Jewels
Pandri, Raipur
*शर्तें लागू, जीएसटी और मेकिंग एक्स्ट्रा

इस बार की लड़ाई हो गई है दिलचस्प, भाजपा से मिल रही टीएमसी को कड़ी टक्कर

कोलकाता-11 जिसका, बंगाल की सत्ता की चाबी उसी के हाथ

बंगाल की राजधानी कोलकाता की 11 विधानसभा सीटों का रुख ही पूरे राज्य की सत्ता का भविष्य तय करने जा रहा है। इतिहास की विरासत और वर्तमान की सीधी टक्कर में सिटी ऑफ जॉय इस समय बंगाल का सबसे बड़ा रणक्षेत्र बन गया है। फुटबॉल और क्रिकेट के दीवाने इस शहर में 11 की संख्या का अपना एक रोमांच है। जैसे मैदान पर 11 खिलाड़ी हार-जीत का फैसला करते हैं, ठीक वैसे ही कोलकाता की 11 सीटें तय करेंगी कि नबन्ना यानी सचिवालय पर किसका परचम लहराएगा। फिलहाल सभी सीटों पर तृणमूल का कब्जा है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शहर में घुसते ही हवा का रुख कुछ बदला-बदला नजर आ रहा है। कमल भी जोर दिखा रहा है। मुकाबला सीधा है।..तृणमूल की दो पत्तियां बनाम भाजपा का कमल। लोगों का मानना है कि मौजूदा में माहौल में कुछ सीटों पर कमल का खिलना तय है। कांग्रेस और वामपंथ के लिए यहां कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बंगाल में अगर परिवर्तन की सुनामी आती है, तो उसका केंद्र कोलकाता ही होगा। अगर ममता हवा का रुख थामने में कामयाब रहीं, तो भाजपा के लिए सत्ता तक पहुंचना कठिन हो जाएगा। कोलकाता की गलियों में इस बार चुनावी सरगर्मी का मिजाज बदला हुआ है। दमदम हवाई अड्डे से शहर में दाखिल होते ही राजनीति की चर्चाएं तीखी हो जाती हैं। टैक्सी चालक सूरज मंडल के शब्दों में कहें तो लड़ाई इस बार बराबर की है। भाजपा ने घेराबंदी मजबूत की है, तो दीदी ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

पिछले रुझान बताते हैं कि कोलकाता उत्तर में दरक रहा है तृणमूल का किला

आरजी कर की घटना को लेकर आक्रोश

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं ने जनता के सब्र का बांध तोड़ दिया है। सड़कों पर उतरा जनसैलाब और विशेषकर महिलाओं की स्वत:स्फूर्त भागीदारी यह बताती है कि यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि एक सामाजिक उबाल है। भ्रष्टाचार और विकास की सुस्त रफ्तार जैसे मुद्दे अब घर-घर की चर्चा बन चुके हैं। आमतौर पर चुनावी चर्चाओं से दूर रहने वाले कोलकाता में ऐसी टिप्पणियां चौंकाती हैं और परिवर्तन की आहट का संकेत देती हैं। न्यू टाउन के भद्रलोक इलाकों में जाने पर भी यही असंतोष सुनाई देता है। सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त दिगंत बनर्जी भ्रष्टाचार और आरजी कर अस्पताल जैसी हालिया दुखद घटनाओं का उल्लेख करते हुए मानते हैं कि इस बार सत्ता विरोधी लहर का झटका कोलकाता में भी महसूस होगा।

छलांग लंबी, मगर फासला बरकरार

भाजपा के पिछले प्रदर्शन ने राजनीति के पंडितों को हैरान किया है, लेकिन मंजिल तक पहुंचने के लिए उसे अभी पहाड़ चढ़ना बाकी है। 2016 में मात्र 3 सीटों वाली भाजपा 2021 में 77 तक पहुंची। 148 के जादुई आंकड़े के लिए उसे अपनी मौजूदा ताकत को लगभग दोगुना करना होगा। तृणमूल और भाजपा के बीच लगभग 10 प्रतिशत मतों का वह अंतर है, जो पिछले चुनाव में हार-जीत की सबसे बड़ी दीवार बना था।

टीएमसी की पकड़ हो रही है कमजोर

पिछले लोकसभा चुनाव के रुझान बताते हैं कि कोलकाता उत्तर में तृणमूल का किला दरक रहा है। उत्तर कोलकाता : जोरासांको (7,401 अंतर), श्यामपुकुर (8,401 अंतर) और काशीपुर-बेलगछिया (7,268 अंतर) जैसी सीटों पर मार्जिन इतना कम है कि भाजपा यहां कभी भी पासा पलट सकती है। दक्षिण कोलकाता : यहां तृणमूल की पकड़ अब भी फौलादी नजर आती है। बालीगंज, कसबा और पोर्ट जैसी सीटों पर 40 हजार से 60 हजार तक की बढ़त भाजपा के लिए एक कठिन चुनौती है।

सत्ता का फाइनल राउंड

बंगाल की सत्ता का संघर्ष अब पूरे राज्य से सिमटकर कोलकाता की इन 11 सीटों पर केंद्रित हो गया है। भवानीपुर जैसे हाई-प्रोफाइल गढ़ में भाजपा की घेराबंदी और उत्तर कोलकाता की सीटों पर तृणमूल की रक्षात्मक मुद्रा ने मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया है। संदेश साफ है कि जिसके पास कोलकाता-11 उसी के हाथ में बंगाल की सत्ता की चाबी होगी।

तमिलनाडु चुनाव : टीवीके का घोषणा पत्र जारी

महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये हर परिवार को 6 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

फिल्म स्टार व टीवीके प्रमुख विजय ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने महिलाओं, किसानों और सरकारी कर्मचारियों के लिए कई बड़े वादे किए। टीवीके प्रमुख विजय ने घोषणा की है कि 60 साल से कम उम्र की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही हर परिवार को साल में 6 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी वादा किया गया है। गरीब परिवारों की महिलाओं की शादी के लिए पार्टी ने 8 ग्राम सोना और अच्छी क्वालिटी की सिल्क साड़ी देने की भी बात कही है। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहारा देना बताया गया है। 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने बेहतर शिक्षा व्यवस्था देने का भी वादा किया है। साथ ही 'पट्टा नियमितीकरण' और हर घर तक 100 प्रतिशत पाइप से पीने का पानी पहुंचाने की बात कही गई है।

किसानों के लिए भी वादे

घोषणा पत्र में सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बड़े वादे किए गए हैं। विजय ने कहा है कि पुरानी पेंशन योजना को लागू करने पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा ठेके पर काम कर रहे कर्मचारियों, जिनमें नर्सें भी शामिल हैं, उन्हें नियमित करने का भरोसा दिया गया है। किसानों के लिए भी राहत का ऐलान किया गया है। पार्टी ने कहा है कि 5 एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के कृषि सहकारी फसल ऋण को पूरी तरह माफ किया जाएगा। इन सभी वादों के जरिए टीवीके प्रमुख विजय ने चुनाव में आम जनता को साधने की कोशिश की है।

टीवीके की दुविधा और संकट

एक्टर विजय और उनकी पार्टी टीवीके तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पहली बार ताकत आजमा रही है और उनका चुनाव चिन्ह व्हिसल या सीटी ही है। विजय की चुनावी रैलियों में भी युवा और महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। फैन फॉलोइंग के दम पर एक्टर विजय कमाल कर सकते हैं, मगर उनकी पार्टी गजब की संकट से जूझ रही है। बूथों पर कार्यकर्ताओं की कमी और चुनावी अनुभव नहीं होना टीवीके को परेशान कर सकता है। हालात कुछ इस तरह हैं कि टीवीके उम्मीदवार प्रचार के दौरान उन घरों का दरवाजा खटखटा रहे हैं, जो वोटर नहीं है। वे दूसरे राज्यों से आकर तमिलनाडु में काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, टीवीके का मुकाबला घाघ पार्टियों डीएमके और एआईडीएमके से है, जो चुनाव लड़ने का तौर-तरीका दशकों से आजमा रही है। उनके पास राज्य के हर कोने में कार्यकर्ताओं की फौज है जो हर बूथ पर वोटरों के रग-रग से वाकिफ हैं।

बंगाल सीएम व टीएमसी प्रमुख ने केंद्र पर साधा निशाना

महिला आरक्षण में दूसरे विधेयक जोड़ना एक साजिश : ममता

एजेंसी ▶▶| माथाभंगा (प.बंगाल)

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से संबंधित विधेयकों को कथित तौर पर आपस में जोड़ना मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की 'साजिश' है। बनर्जी ने कूच बिहार जिले के माथाभंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। बनर्जी ने कहा, 'महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को आपस में जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। इन विधेयकों को आपस में जोड़ना मतदाताओं के नाम हटाने और एनआरसी को लागू करने की साजिश है।'

कार्यान्वयन में देरी क्यों हुई

सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किया। बनर्जी ने कहा, 'महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक तो बहुत पहले ही पारित हो चुका था, फिर इसके कार्यान्वयन में देरी क्यों हुई?'

मतदाताओं को पैसे से किया जा रहा प्रभावित : अलीपुरद्वार में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया, 'उत्तर प्रदेश, राजस्थान और असम के लोग भारी धनराशि लेकर होटलों और अतिथि गृहों में ठहरे हुए हैं ताकि बंगाल में मतदाताओं को प्रभावित कर सकें।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों 23 और 29 अप्रैल को होगा जबकि मतगणना चार मई को होगी।

बंगाल में दो 23 व 29 अप्रैल को दो चरण में होना है मतदान

घुसपैठियों का स्वागत करती हैं ममता : हिमंता

एजेंसी ▶▶| कालचिनी/कूचबिहार (प.बंगाल)

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि जहां उनके राज्य और त्रिपुरा में भाजपा सरकारें बांग्लादेश से घुसपैठ की अनुमति नहीं देती हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी बंगाल में उनका 'स्वागत' करती हैं। असम की सीमा से लगे अलीपुरद्वार जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, शर्मा ने यह भी दावा किया कि तृणमूल सरकार पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देती है। उन्होंने आरोप लगाया, 'असम और त्रिपुरा में भाजपा सरकारें बांग्लादेश से घुसपैठ की अनुमति नहीं देती हैं, लेकिन (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी बंगाल में उनका स्वागत करती हैं।'

गुंडे-माफिया लगाएंगे सड़क पर झाड़ू : योगी

बराबारी। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी का आक्रामक चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। बीजेपी की तरफ से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बीजेपी प्रत्याशियों के लिए रैली और रोड शो कर रहे हैं। गुरुवार को सीएम योगी ने बराबारी विधानसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी अरिजीत रॉय के समर्थन में प्रचार किया और वादा किया राज्य में बीजेपी की सरकार बनने के बाद राज्य में गुंडे माफिया सड़क पर झाड़ू लगाते हुए नजर आएंगे।

काली शर्ट पहनकर चुनाव प्रचार में उतरे उदयनिधि

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मदुरै पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। वे यहां डीएमके उम्मीदवार और मंत्री पी मूर्ति के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे थे। इस दौरान उदयनिधि स्टालिन काले रंग की शर्ट पहनकर आए थे। उन्होंने बताया कि वे केंद्र सरकार के परिसीमन विधेयक का विरोध कर रहे हैं। उदयनिधि ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस बिल के जरिए तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय इस बिल को लाकर सरकार लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

आपस में टकराए दो विमानों के विंग, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टैक्सींग (जहाज को पार्क करना) के दौरान स्पाइसजेट का एक विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया। इस घटना में स्पाइसजेट विमान के दाहिने विंगलेट को नुकसान पहुंचा है, जिसके बाद विमान को ग्राउंड कर दिया गया है। दोनों एयरलाइन कंपनियों ने घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट डीजीसीए को भेज दी है। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत, चीफ सेफ्टी इंजीनियर ने प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार कर डीजीसीए को सूचित कर दिया है। डीजीसीए अधिकारियों ने आईजीआई एयरपोर्ट पर इस ग्राउंड इंसिडेंट में शामिल विमानों का निरीक्षण किया है।

यह कहा डीजीसीए ने

डीजीसीए ने इस घटना पर कहा, 'स्पाइसजेट के बी-737-700 विमान (वीटी-एसएलबी) का विंगलेट, लेह से दिल्ली (फ्लाइट एसजी-124) की उड़ान पूरी करने के बाद टर्मिनल-1 पर निर्धारित पार्किंग बे में टैक्सी कर रहा था, अकासा एयर के B-737 विमान के हॉरिजॉन्टल टेल सरफेस (एचटीएस) से टकरा गया। अकासा का विमान दिल्ली-हैदराबाद की उड़ान के लिए पुशबैक के बाद एप्रन पर खड़ा था। इस टक्कर के कारण स्पाइसजेट विमान के राइट हैंड (आरएच) विंगलेट और अकासा विमान के टेल हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर (टीएचएस) को नुकसान पहुंचा है।'

एयरपोर्ट पर ही ग्राउंड किया गया विमान

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने इस संबंध में जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, 'एहतियात के तौर पर स्पाइसजेट के इस विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही ग्राउंड कर दिया गया है।' अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा, 'सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया। एयरलाइन के ग्राउंड स्टाफ ने यात्रियों को जल्द से जल्द हैदराबाद पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की।'

कांग्रेस ने लिया बड़ा एक्शन

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले 5 विधायक सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा राज्यसभा चुनाव में भाजपा कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग करने वाले कांग्रेस के पांच विधायकों शैली चौधरी (नारायणगढ़), रेनू बाला (साढ़ौरा), मोहम्मद इलियास (पुन्हाना), मोहम्मद इजराइल (हथीन) और जरनैल सिंह (रतिया) को निलंबित कर दिया गया है। 16 मार्च को हुए इस चुनाव में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार कर्मवीर सिंह बौद्ध एक वोट से भी कम अंतर से जीत पाए थे। हरियाणा कांग्रेस की डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी (डीएसी) ने इसकी रिपोर्ट बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी थी। इसमें पांचों विधायकों को निलंबित करने की सिफारिश की गई थी। इस रिपोर्ट को केंद्रीय नेतृत्व ने स्वीकार कर लिया गया। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठनात्मक अनुशासन के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा के पांच विधायकों को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है।

मुझे सुना तक नहीं गया, यह एकतरफा कार्रवाई

उधर, इस मामले में विधायक शैली चौधरी और जरनैल सिंह का बयान सामने आया। शैली ने कहा कि निलंबन की जानकारी नहीं है, जबकि जरनैल सिंह का कहना है कि एकतरफा कार्रवाई हुई है, मुझे सुना तक नहीं गया। अभी तक विधायक इलियास और इजराइल ने इस सस्पेंशन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, विधायक रेनू बाला का मोबाइल फोन फिलहाल स्विच ऑफ है। उनके निजी सहायक (पीए) रवि ने बताया कि मैडम आज एक पारिवारिक कार्यक्रम में व्यस्त हैं। स्पष्ट किया कि सस्पेंशन संबंधित कोई पत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

आंध्र प्रदेश : सड़क दुर्घटना में 8 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी ▶▶| चिलकलदोना (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के मंत्रालयम में बृहस्पतिवार को एक वाहन की टैंकर से टक्कर हो जाने पर पांच महिलाओं समेत कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे को बेहद पीड़ादायक बताया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैं उन लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।' अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब श्रद्धालु श्री राघवेंद्र स्वामी मठ में दर्शन करने के लिए वाहन से मंत्रालयम जा रहे थे।

नहीं मिली सुप्रीम कोर्ट से राहत

अनिल को एक और झटका 'बैंक फ्रॉड' में याचिका खारिज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने अंबानी की बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को गुरुवार को खारिज कर दिया। बंबई उच्च न्यायालय ने तीन बैंकों द्वारा उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खातों को 'फर्जी' घोषित करने के लिए शुरू की गई कार्यवाही को जारी रखने की अनुमति दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने साथ ही अंबानी को बैंकों के कारण बताओ नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष अपनी याचिका जारी रखने की अनुमति दी। पीठ ने एकल पीठ से अनुरोध किया कि वह इन बैंक द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के खिलाफ अंबानी की याचिका पर शीघ्र निर्णय करे।

तीन याचिकाओं की सुनवाई

कोर्ट ने यह आदेश अंबानी द्वारा दायर तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जिनमें उन्होंने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 23 फरवरी के आदेश को चुनौती दी थी। खंडपीठ ने एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खिलाफ खातों को 'फर्जी' घोषित करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी।

हाफिज सईद के राइट हैंड को बनाया गया निशाना

लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हमजा को पाक में मारी गोली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक सदस्यों में से एक आमिर हमजा को लाहौर में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी है। उसे फिलहाल एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

हमजा ने 1985 और 1986 के बीच आतंकी हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर की स्थापना की थी। उसका नाम भारत और दुनिया भर में कई आतंकी गतिविधियों से जुड़ा रहा है। सईद के बाद उसे लश्कर का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण नेता माना जाता है और अमेरिका ने भी एक आतंकी घोषित किया हुआ है। जानकारी के अनुसार, लाहौर में एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर कुछ अज्ञात हमलावरों ने उस पर गोलीबारी की।

2018 में लश्कर से खुद को कर लिया था अलग

2018 में पाकिस्तानी सरकार द्वारा जमात-उद-दावा और फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन जैसे चैरिटी संगठनों के जरिए एलईटी के फंडिंग चैनलों पर की गई सख्त कार्रवाई के बाद हमजा ने कथित तौर पर खुद को लश्कर से अलग कर लिया था। बाद में उसने 'जैश-ए-मनकफा' नाम से एक अलग गुट बनाया और एलईटी के लिए फंड जुटाना जारी रखा। इस पैसे का इस्तेमाल उसने जम्मू और कश्मीर सहित अन्य जगहों पर आतंकी गतिविधियों को फंड करने के लिए किया।

कौन है हमजा?

1959 में जन्मा हमजा एक बड़ा आतंकी है। एलईटी के एक शीर्ष विचारक के तौर पर वह एक जोशीले वक्ता और लेखक के रूप में जाना जाता है। एक समय उसने इस आतंकी समूह के आधिकारिक प्रकाशन का संपादन भी किया था। उसने कई किताबें भी लिखीं, जिनमें 2022 में प्रकाशित 'काफिला दावत और शहादत' (प्रचार और शहादत का कारवां) भी शामिल है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुकमा जिले में डीआरजी में पदस्थ जांबाज राजेन्द्र कुमार नाग ने महज पांच साल में अपनी टीम के साथ कई मुठभेड़ में शामिल रहकर 61 नक्सलियों को मार गिराया। लेकिन करेंगुट्टा हिल्स में सबसे लंबे समय लगभग 22 दिन तक नक्सलियों के खिलाफ चले ऑपरेशन के दौरान वे आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए और उन्हें अपना दाहिना पैर घुटने के नीचे से खोना पड़ा। घायल जवानों की कहानी उन्हीं की जुबानी के सातवें भाग में हम राजेन्द्र कुमार नाग की वीरता, त्याग और अटूट संकल्प की कहानी बताने जा रहे हैं, जो देश सेवा के लिए पुलिस में भर्ती हुए। अब जिंदगी भर देश सेवा करने का उनका सपना अधूरा रह गया, जिसका उन्हें दुख है लेकिन नक्सलवाद के खात्मे से वे काफी खुश हैं।

61 नक्सलियों को मारने के बाद जवान ने गंवाया पैर और जीवन भर सेवा की हसरत अधूरी रह गई, पर अब खुश

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

राजेन्द्र कुमार नाग अपनी टीम के साथ 27 अप्रैल को तर्रेम, सिलगेर, आवापल्ली होते हुए पुजारी कांकेर होते हुए सुबह करेंगुट्टा हिल्स के नीचे पहुंचे। हिल्स के ऊपर चढ़ने के दौरान जगह-जगह नक्सलियों ने आईईडी प्लांट कर रखा था। दर्जनों आईईडी बरामद कर ⏭शेष पेज 8 पर

पहली बार करेंगुट्टा हिल्स में उतरा वायुसेना का हेलीकाप्टर

दोनों घायल जवानों को लेने के लिए पहली बार करेंगुट्टा हिल्स के ऊपर वायुसेना के हेलीकाप्टर को उतारा गया और दोनों घायल जवानों को गलगाम स्थित सीआरपीएफ कैम्प ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को एक अन्य चौपर से रायपुर ले जाया गया। रायपुर के श्री नारायणा अस्पताल में राजेन्द्र कुमार को तथा संतोष को रामकृष्ण अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। राजेन्द्र 5 जून को अस्पताल से डिस्चार्ज हुए और वापस सुकमा लौटे। वर्तमान में वे पुलिस लाइन सुकमा में अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

हौसला कभी नहीं खोया लेकिन नक्सलवाद खत्म होने की खुशी

विनोद ने बताया कि घायल होने के बाद पुलिस विभाग का पूरा सहयोग मिल रहा है। अभी भी वे हर माह उपचार के लिए विभाग के सहयोग से रायपुर जाते हैं। पैर गंवाने व दाएं कान में कम सुनाई देने के बाद भी उनका हौसला बरकरार है। हालांकि घायल होने के बाद देश के लिए अंतिम दम तक कुछ करने की तमन्ना अधूरी रह गई। लेकिन अब भी विभाग में रहते हुए वे बस्तर की शांति व देश के लिए कुछ करते रहना चाहते हैं।

जवानों ने अदम्य साहस कर्तव्यनिष्ठा व सर्वोच्च बलिदान

बस्तर रेंज में शांति सुरक्षा और विकास की स्थापना का संघर्ष दशकों से जारी रहा है। माओवादी हिंसा से प्रभावित इस क्षेत्र में कानून का शासन स्थापित करने के लिए सुरक्षाबलों ने विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। इन प्रयासों के दौरान अनेक जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी।

- सुंदरराज पट्टलिंगम
आईजी बस्तर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

दुर्ग आने वाली ट्रेन में 'ब्रेक बाइंडिंग'

चाईबासा। झारखंड में गुरुवार को दक्षिण पूर्वी रेलवे के चक्रधरपुर संभाग में आरा-दुर्ग दक्षिण बिहार एक्सप्रेस के कई डिब्बों से धुआं निकलने लगा। यह घटना 'ब्रेक बाइंडिंग' की समस्या के कारण हुई। ट्रेन में 'ब्रेक बाइंडिंग' की समस्या आई जिसके कारण चक्रधरपुर संभाग में दो स्थानों पर ट्रेन के डिब्बों से धुआं निकलने लगा। रेलवे कर्मचारियों ने इसे देखा और ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया। ब्रेक संबंधी दिक्कत ठीक की गयी। यह घटना दो स्थानों पर हुई।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ और पंजाब के बरनाला में गुरुवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिले। गहन जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। बम की धमकियों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और एम्बुलेंस व दमकल विभाग सहित अन्य दलों को तुरंत स्कूलों में भेजा गया। बरनाला के छह स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले थे। धमकियों की सूचना मिलते ही विस्फोटक एवं सुरक्षा जांच दलों और संबंधित थाना पुलिस सहित सभी अधिकारियों को सक्रिय कर दिया गया।

बस पलटी, तीन यात्रियों की मौत, 20 घायल

कोटा। कोटा में स्लीपर बस के एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में 20 से ज्यादा पैसेंजर्स घायल हैं। यात्रियों का दावा कि बस के फ्रंट मिरर पर किसी ने पत्थर मारा था, इसलिए ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। अनियंत्रित होने के कारण बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में घुसकर पलट गई। पलटने के कारण टूटे कांच वाले हिस्से से पैसेंजर्स बाहर सड़क पर गिर गए।

जांच में आय से ज्यादा खर्च होने का दावा, 38.8 लाख की संपत्ति 10 साल में हुई 3.32 करोड़

शराब घोटाले में अब आय से अधिक संपत्ति का केस, पूर्व विशेष सचिव और पत्नी पर एफआईआर

राज्य के चर्चित तीन हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के शराब घोटाले में सीबीआई ने पहली बार आबकारी विभाग के तत्कालीन विशेष सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएस) के पूर्व प्रबंध संचालक अरुणपति त्रिपाठी तथा उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का अपराध दर्ज किया है। सीबीआई ने एफआईआर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीआई जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उसके अनुसार वर्ष 2013 में एपी त्रिपाठी की कुल संपत्ति 38.08 लाख रुपए थी, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 3.32 करोड़ रुपए हो गई। सीबीआई जांच में सामने आया है कि एपी त्रिपाठी ने इन 10 वर्षों में अपनी पत्नी मंजुला त्रिपाठी के साथ मिलकर वैध आय से करीब 4.91 करोड़ रुपए से अधिक संपत्ति अर्जित की, जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 54.53 प्रतिशत ज्यादा है।

सीबीआई जांच में खुलासा हुआ है कि जांच अवधि (1 फरवरी 2013 से 22 दिसंबर 2023) के दौरान दंपत्ति की कुल आय करीब नौ करोड़ रुपए रही, जबकि उनका खर्च 10.97 करोड़ रुपए से अधिक पाया गया। इस खर्च में विदेशी लेन-देन, म्यूचुअल फंड निवेश, कार्पोरेट निवेश और अन्य निजी व्यय शामिल हैं, जो घोषित आय से मेल नहीं खाते। पूछताछ में त्रिपाठी इन विसंगतियों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

दो साल बाद अपराध दर्ज

शराब घोटाले की जांच ईडी के बाद सीबीआई को 21 दिसंबर 2024 को ट्रांसफर की गयी। केस ट्रांसफर होने के दो साल बाद सीबीआई ने एपी त्रिपाठी तथा उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का अपराध दर्ज किया है। शराब घोटाला प्रकरण में सीबीआई के अफसर आबकारी विभाग के अफसरों से पूछताछ कर सकते हैं।

कई शहरों में चल-अचल संपत्ति

जांच एजेंसियों के दावों के मुताबिक एपी त्रिपाठी का रायपुर के लाभांडी क्षेत्र में फ्लैट, नया रायपुर के प्रीमियम गोल्फ कोर्स इलाके में संपत्ति, दुर्ग जिले में जमीन, भिलाई में मकान, आभूषण और बैंक बैलेंस समेत कई चल अचल संपत्तियां हैं।

सिंडिकेट के मास्टरमाइंड

इंडियन टेलिकॉम सर्विस से प्रतिनियुक्ति पर छत्तीसगढ़ आए अरुणपति त्रिपाठी पर आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2019 से 2023 के बीच सरकारी शराब दुकानों के माध्यम से अवैध शराब बिक्री को बढ़ावा दिया और पूरे सिंडिकेट के संचालन में अहम भूमिका निभाई। शराब खरीदी करने से लेकर शराब आपूर्ति करने तथा बिक्री करने में एपी त्रिपाठी की प्रमुख भूमिका रही है।

तीन दर्जन से अधिक अधिकारी जांच के दायरे में

इस कार्रवाई के बाद तीन दर्जन से अधिक अधिकारी जांच के दायरे में हैं। इससे पहले ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच में पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड, पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा, निरंजन दास समेत करीब 70 लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है। इनमें से कई अधिकारियों पर छापेमारी, पूछताछ और गिरफ्तारी की कार्रवाई भी हो चुकी है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

भीषण गर्मी ने लगवाए स्कूलों में ताले, 20 से ग्रीष्मकालीन अवकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के विद्यालयों में निर्धारित समय से पूर्व ही ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी गई है। पिछले वर्ष जारी किए गए अवकाश के शेड्युल के मुताबिक, प्रदेश के विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से 15 जून तक घोषित किया गया था। बढ़ती गर्मी को देखते हुए 20 अप्रैल से ही स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां लग जाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। शासकीय विद्यालयों के साथ निजी स्कूलों और अनुदान प्राप्त शालाओं में भी यह लागू रहेगा। यदि निजी स्कूलों द्वारा इन तिथियों में भी संस्थान खुले रखे जाते हैं, ⏭शेष पेज 8 पर

शिक्षकों के लिए लागू नहीं

आदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने कहा है, वर्तमान में प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी व लू के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए, राज्य शासन एतद् द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त, अशासकीय शालाओं के लिए घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए 20 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करता है। यह आदेश शिक्षकों के लिए लागू नहीं होगा। सीबीएसई विद्यालयों में नवीन सत्र एक अप्रैल से लागू हो जाता है।

34 साल बाद आमने-सामने बातचीत

इजराइल और लेबनान 10 दिनों के संघर्ष विराम पर सहमत : ट्रंप

काहिरा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि इजराइल और लेबनान 10 दिनों के संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। यह घोषणा वाशिंगटन में दशकों बाद दोनों देशों के बीच पहली सीधी राजनयिक वार्ता के दो दिन बाद हुई है। ट्रंप ने कहा कि यह संघर्षविराम पूर्वी समयानुसार आज शाम पांच बजे से शुरू होगा। यह संघर्षविराम लेबनान में इजराइल और ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिज्बुल्ला के बीच एक महीने से अधिक समय से जारी लड़ाई के बाद हुआ है। लेबनान ने इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच लड़ाई रोकने के लिए आगे की बातचीत से पहले संघर्षविराम ⏭शेष पेज 8 पर

मोदी और मैक्रों ने पश्चिम एशिया पर की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता को तत्काल बहाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया। मोदी ने मैक्रों के साथ हुई बातचीत के बारे में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपना घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे। इससे पहले, मोदी और मैक्रों ने पांच मार्च को फोन पर बात ⏭शेष पेज 8 पर

16 राज्यसभा सदस्यों में से आठ भाजपा के सांसद

नितिन नबीन समेत नवनिर्वाचित सदस्यों ने रास की सदस्यता की ली शपथ

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, छत्तीसगढ़ से भाजपा की लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस की फूलो देवी नेताम सहित 16 नवनिर्वाचित/पुनर्निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों ने गुरुवार को पद की शपथ ली। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने बिहार, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करने वाले इन सदस्यों को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। इन 16 सांसदों में से आठ भाजपा के हैं, जबकि उसके सहयोगी ⏭शेष पेज 8 पर

भाजपा अध्यक्ष ने हिंदी में ली शपथ

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा से इस्तीफा देकर उच्च सदन का रुख किया है। उन्होंने हिंदी में शपथ ली। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। नवीन उच्च सदन में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभापति सी पी राधाकृष्णन ने उन्हें और शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों को बधाई दी। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने भी शपथ ली, जो बिहार से पुनर्निर्वाचित हुए हैं।

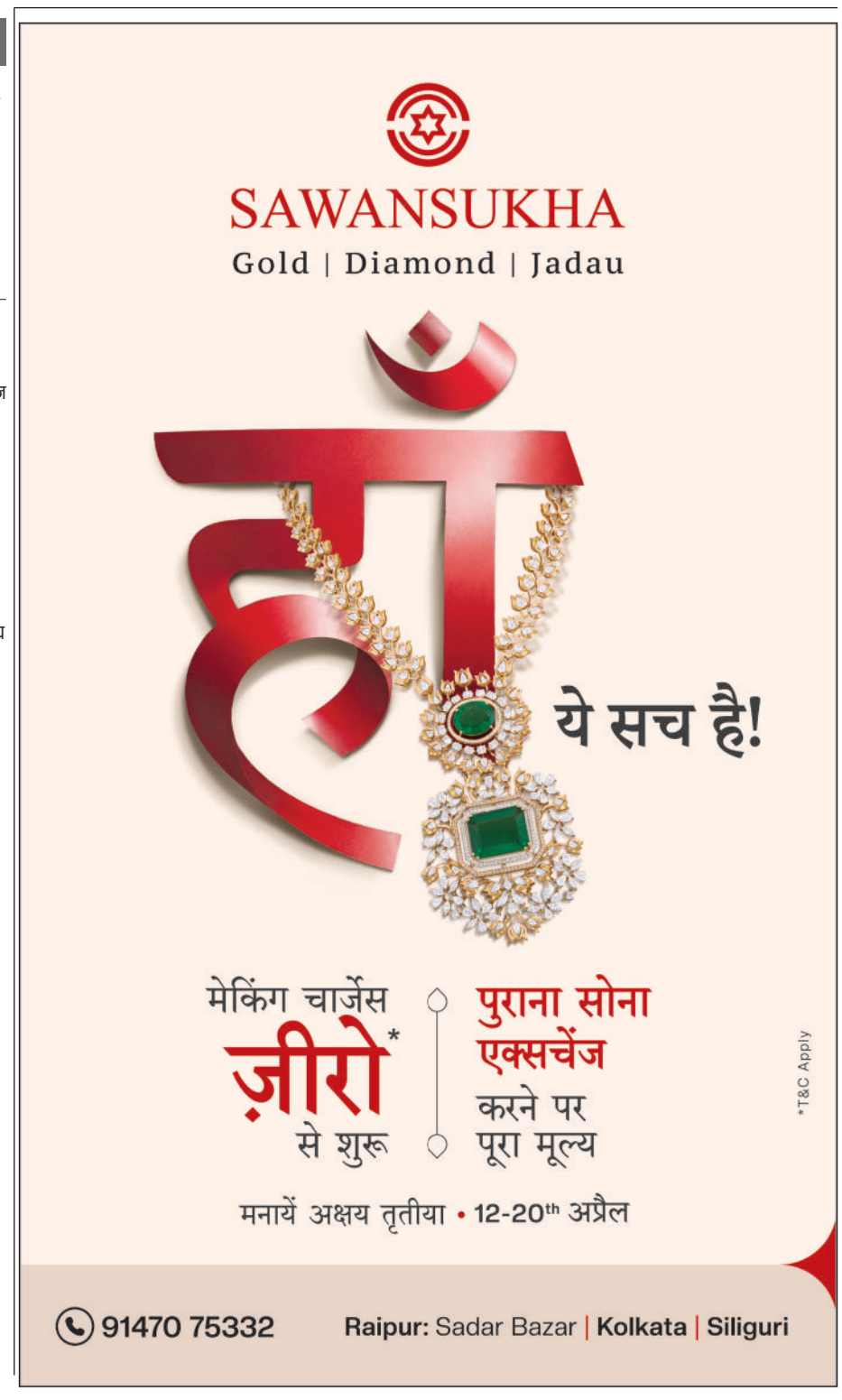

दो होनहारों ने 99 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल कर टॉप का पाया तमगा

छत्तीसगढ़ में टॉप पर डीपीएस दुर्ग जुनवानी सभी बच्चे पास, इनमें 90 प्लस वाले 45

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में डीपीएस दुर्ग जुनवानी का राज्य में दबदबा रहा है। यहां सभी बच्चे अच्छे नंबरों से पास हुए हैं। खास बात यह है कि 45 बच्चों ने 90 प्लस हासिल किए हैं। दो होनहारों ने 99 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल कर टॉप का तमगा पाया है। जुनवानी स्थित डीपीएस दुर्ग के दो होनहार छात्र अथर्व और दिव्या वशिष्ठ ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर स्कूल का नाम राज्य में रोशन किया है। अथर्व ने 99.4 प्रतिशत और दिव्या वशिष्ठ ने 99.2 प्रतिशत ⏭शेष पेज 8 पर

डॉक्टर बनना चाहती हैं दिव्या

स्कूल की दूसरी टॉपर दिव्या वशिष्ठ ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, स्कूल के टीचर, अपने माता पिता, अनुशासन और समय प्रबंधन को दिया। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि आगे चलकर वो बड़ी डॉक्टर बने।

बड़ा वकील या बिजनेसमैन बनने का सपना

विद्यालय के टॉपर अथर्व ने हरिभूमि को बताया कि वो अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को देना चाहते हैं। उन्होंने हमेशा अपना लक्ष्य को स्पष्ट रखा और नियमित पढ़ाई पर फोकस किया। अथर्व 11वीं में कॉमर्स विषय लेकर पढ़ाई करना चाहते हैं और भविष्य में बड़ा वकील या बिजनेसमैन बनना चाहते हैं। अथर्व के माता-पिता ने भी बेटे की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने बताया कि अथर्व ने हमेशा पढ़ाई को प्राथमिकता दी और अधिकतर समय सेल्फ स्टडी के जरिए तैयारी की।

चिंतन

महिला हित में राजनीति से ऊपर उठें सभी दल

भारतीय लोकतंत्र में लंबे इंतजार के बाद महिला आरक्षण को लेकर आया "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। दशकों से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का रास्ता खोलता है। ऐसे समय में जब संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित रही है, यह पहल लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। ऐसे में सभी विपक्षी दलों को चाहिए कि वे महिला हित में राजनीति से ऊपर उठें और इस बिल का समर्थन करें। हालांकि तेलंगाना, तमिलनाडु समेत दक्षिण के कुछ राज्य इसके विरोध में हैं, लेकिन इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक कड़वी सच्चाई भी सामने आई है। वह विपक्षी दलों में श्रेय लेने की होड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से यह कहकर कि "आप श्रेय ले लीजिए, लेकिन महिला हित में समर्थन दीजिए", एक तरह से उस राजनीतिक मानसिकता को उजागर किया है, जहां मुद्दे से ज्यादा महत्व श्रेय को दिया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की आधी आबादी के अधिकार भी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की भेंट चढ़ेंगे? यह विधेयक केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं है। आज संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 14-15 प्रतिशत के आसपास है, जो लोकतांत्रिक संतुलन के लिहाज से अपर्याप्त है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाएगा और निर्णयों को अधिक संवेदनशील तथा समावेशी बनाएगा। यह 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला-नेतृत्व विकास' की दिशा में एक वैचारिक बदलाव भी है। फिर भी, इस पहल के साथ कुछ गंभीर सवाल जुड़े हुए हैं। सबसे बड़ी चिंता इसका कार्यान्वयन है, जिसे परिसीमन और जनगणना से जोड़ दिया गया है। इसका सीधा अर्थ है कि यह कानून 2029 तक ही प्रभावी हो पाएगा। क्या यह देरी अनिवार्य है या राजनीतिक सुविधा का परिणाम? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि कई बार अच्छे कानून भी लागू होने में वर्षों की देरी के कारण अपना प्रभाव खो देते हैं। इसके अलावा, सीटों के रोटेशन की व्यवस्था भी एक जटिल मुद्दा है। लगातार बदलती सीटें महिला प्रतिनिधियों के लिए स्थिर राजनीतिक आधार तैयार करने में बाधा बन सकती हैं। लोकतंत्र में निरंतरता और अनुभव का महत्व कम नहीं आंका जा सकता, इसलिए इस व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार आवश्यक है। विपक्ष द्वारा उठाया गया एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है ओबीसी महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का अभाव। यदि महिला आरक्षण का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचता, तो यह सशक्तिकरण अधूरा रह जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि इस कानून के क्रियान्वयन में सामाजिक न्याय के व्यापक पहलुओं को भी ध्यान में रखा जाए। आज जरूरत इस बात की है कि सभी दल इस मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठें। यह केवल सत्ता या विपक्ष का सवाल नहीं, बल्कि समाज के संतुलित विकास का प्रश्न है। महिला सशक्तिकरण को यदि सच में राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना है, तो इसे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अलग रखना होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक अवसर है भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संतुलित और संवेदनशील बनाने का, लेकिन यह अवसर तभी सार्थक होगा, जब इसे ईमानदारी से लागू किया जाए और राजनीतिक दल इसके पीछे छिपे व्यापक उद्देश्य को समझें।

संसद सत्र
डॉ. सतीश पूनिया

महिला आरक्षण: नारी शक्ति से राष्ट्र शक्ति

यह भारतीय जनता पार्टी की देश की आधी आबादी को उनका वांछित अधिकार दिलाने की मंशा और इच्छाशक्ति का भी सत्र है। गुरुवार को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र-शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। इसके माध्यम से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने का प्रस्ताव है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पिछले एक दशक में देश और दुनिया ने यह अनुभव किया है कि भारत में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तौर पर सशक्त किया गया है।

संसद का यह विशेष सत्र भारतीय संसद के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। यह भारतीय जनता पार्टी की देश की आधी आबादी को उनका वांछित अधिकार दिलाने की मंशा और इच्छाशक्ति का भी सत्र है। गुरुवार को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र-शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। इसके माध्यम से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने का प्रस्ताव है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश और दुनिया ने यह अनुभव किया है कि भारत में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तौर पर सशक्त किया गया है।

इसके लिए महिला आधारित अनेक योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। महिलाओं को राजनीतिक तौर पर सशक्त करने की उसी मंशा के अनुरूप मोदी सरकार विधानसभा और संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से महिला आरक्षण के प्रावधान को शीघ्र लागू करने की दिशा में पहल की है। भारत पुरातन प्रवाह का राष्ट्र है। एक विशिष्ट इतिहास, संस्कृति और विरासत के कारण विश्व में एक पहचान वाला राष्ट्र है। जहां भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक भिन्नताएं होते हुए भी 'अनेकता में एकता' ऐसा दृश्य परिलक्षित होता है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत आधुनिक युग में लोकतांत्रिक व्यवस्था की अक्षुण्णता के लिए भी माना जाता है। आज विश्व के मानचित्र पर भारत की एक आत्मनिर्भर स्वाभिमानी राष्ट्र की पहचान है। भारत के लोकतंत्र को दृढ़ता भारत के संविधान ने दी है जो एक वैशिष्ट्य लिए हुए है, जिसमें नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों में बखूबी उल्लेख किया गया है। भारत के संविधान में प्रदत समानता के अधिकारों ने इसे और पुष्ट किया है, इसलिए लैंगिक समानता के अवसर सुनिश्चित करने के लिए यह उत्कंठा हमेशा रही है कि गार्गी, मैत्रेयी के पुरातन परंपरा के देश में महिलाओं यानि आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले ताकि शासन में, निर्णयों में भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही नारी के उत्थान और उत्कर्ष में पूर्वक अपना योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिलाओं को उनका वांछित अधिकार दिलाने का निर्णय भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उसके नेतृत्व की महिलाओं के प्रति संवेदनशील नीति का ही आईना है। भारतीय जनसंघ और भाजपा के वैचारिक स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत में समाज को एक जीवंत इकाई के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, समाज के प्रत्येक अंग का सशक्त होना आवश्यक है और नारी इसमें केंद्रीय भूमिका निभाती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुरुष और स्त्री परस्पर पूरक हैं। किसी एक की उपेक्षा राष्ट्र को कमजोर बना देती है। यह दर्शन आज मोदी सरकार की नीतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां महिला सशक्तिकरण को केवल सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान का आधार माना गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की

भागीदारी को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक लाने का साहसिक प्रयास किया, भले ही वह उस समय राजनीतिक बाधाओं के कारण सफल नहीं हो सका। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना शुरू हुई तो देश की 32 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खुले। आज देश की बेटियां नए-नए बिजनेस में अपनी पहचान बना रही हैं। मुद्रा योजना में 60% से ज्यादा लोन महिलाओं ने लिए हैं। देश की स्टार्टअप क्रांति को भी महिलाएं लीड कर रही हैं। आज 42% से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर है। यह हमारे लिए, देश के लिए और देश की आधी आबादी के लिए गौरव की बात है कि इस समय हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाएं ही संभाल रही हैं। उन्होंने देश की गरिमा और गौरव, दोनों को बढ़ाया है। साल 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम आया था, तब भी सभी दलों ने सर्वसम्मति से इसे पास कराया था। तब एक सुर में ये बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए। खासकर, हमारे विपक्ष के सभी साथियों ने मुखर होकर इस बात पर जोर डाला था कि 2029 में ये लागू हो जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने उसी संकल्प को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिला सशक्तिकरण को लेकर जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उन्होंने समाज की संरचना को बदलने का कार्य किया है। फिर चाहे वह सम्मानजनक जीवन जीने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण की बात हो, या फिर 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने का प्रयास हो। यह योजनाएं केवल सुविधाएं नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी बनाने के साधन हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के मोर्चे पर भी मोदी सरकार लगातार महिलाओं के लिए कार्य कर रही हैं। जन-धन खातों, स्वयं सहायता समूहों और मुद्रा योजनाओं ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। आज ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएं उद्यमिता की ओर अग्रसर हैं। लखपति दीदी के माध्यम से मोदी सरकार ने महिलाओं को उद्यमिता में आगे बढ़ाने का काम किया है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान के माध्यम से महिलाओं के प्रति समाज की सोच में क्रांतिकारी बदलाव लाने में मोदी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया। इस अभियान से निश्चित रूप से सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन आया है। इसका परिणाम भी हमें पिछले दस-ग्यारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिला है। खेल, विज्ञान, शिक्षा, राजनीति और आर्थिक क्षेत्र में देश की महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 73वें और 74वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण तो मिला, लेकिन लंबे समय तक 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इस व्यवस्था को कमजोर करती रहीं।

मोदी सरकार ने 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के माध्यम से इस प्रवृत्ति को चुनौती दी है। सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान जैसी महत्वपूर्ण पहल से पूरे देश में पंचायती राज संस्थाओं की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को सशक्त किया गया। 4 मार्च 2025 को नई दिल्ली में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' का शुभारंभ किया गया। वर्षों की जड़ता और संघर्ष तथा विमर्श के बाद मोदी सरकार में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक उल्लेखनीय, ऐतिहासिक एवं स्तुत्य कदम है। 2029 तक संसद और विधानसभाओं में में 33% महिला प्रतिनिधित्व का लक्ष्य भारत को न केवल एक आर्थिक शक्ति, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी लोकतंत्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक भाजपा हरियाणा प्रभारी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आधी दुनिया

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का भविष्य

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, लेकिन प्रतिनिधित्व के स्तर पर यह लंबे समय तक आधा अधूरा रहा है क्योंकि जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा होने के बावजूद महिलाएं राजनीतिक संस्थाओं में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं हो पाई हैं। इसी ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से 2023 में पारित संविधान का संशोधन अधिनियम, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आया। यह अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी उप आरक्षण शामिल है। यह कानून लगभग 27 वर्षों से चल रही बहस और राजनीतिक प्रयासों का परिणाम है। 19 सितंबर 2023 को इसे लोकसभा में प्रस्तुत किया गया और 20 तथा 21 सितंबर को दोनों सदनों से पारित कर दिया गया। 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह संविधान का हिस्सा बन गया। इस अधिनियम का उद्देश्य स्पष्ट है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। आज लोकसभा की 543 सीटों में से केवल 74 सीटों पर महिलाएं हैं, जो लगभग 13.6 प्रतिशत है। यह संख्या 2019 के 78 से थोड़ी कम है। वहीं देशभर में कुल 4666 सांसदों और विधायकों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत के आसपास है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 8360 उम्मीदवारों में केवल 797 महिलाएं थीं, यानी लगभग 9.6 प्रतिशत, और लगभग 28 प्रतिशत सीटों पर कोई महिला प्रत्याशी ही नहीं था। यह आंकड़े इस बात को स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अभी भी संरचनात्मक बाधाओं से घिरी हुई है। इसके विपरीत यदि पंचायती राज संस्थाओं को देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां महिलाओं की भागीदारी लगभग 46.6 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और कई राज्यों में यह 50 प्रतिशत से भी अधिक है। यह अनुभव इस बात का प्रमाण है कि जब आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाता है तो महिलाएं न केवल प्रतिनिधित्व प्राप्त करती हैं बल्कि प्रभावी नेतृत्व भी प्रस्तुत करती हैं। वैश्विक तुलना में भी भारत पीछे है। रवांडा में संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 64 प्रतिशत है, क्यूबा में 53 प्रतिशत, निकारागुआ में 52 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत। इस परिप्रेक्ष्य में भारत का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाता है कि केवल लोकतांत्रिक ढांचा पर्याप्त नहीं है, बल्कि समावेशी नीतियों की भी आवश्यकता होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस कमी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी शर्तें इसे जटिल बना देती हैं। अधिनियम में जोड़ा गया अनुच्छेद 334ए यह स्पष्ट करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण तब तक लागू नहीं होगा, जब तक अगली जनगणना के आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इसका अर्थ यह है कि कानून पारित होने के बावजूद इसका प्रभाव तुरंत नहीं दिखेगा। यही बिंदु इस अधिनियम की सबसे बड़ी आलोचना का कारण भी बना हुआ है। 2021 की जनगणना पहले ही टल चुकी है और अब यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई जनगणना 2026 के बाद होगी। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया भी समय लेगी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महिलाओं का आरक्षण 2029 या उससे भी बाद के चुनावों में लागू हो सकता है। इस देरी को कई विशेषज्ञ न्याय में विलंब के रूप में देखते हैं। हालांकि सरकार और कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों का तर्क है कि बिना अद्यतन जनसंख्या आंकड़ों के सीटों का पुनर्वितरण करना उचित नहीं होगा। संविधान के अनुसार परिसीमन एक आवश्यक प्रक्रिया है ताकि प्रतिनिधित्व समान और संतुलित रहे। इस प्रकार यह बहस केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक भी है। इस प्रकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐसा कानून है जो सिद्धांत रूप में अत्यंत प्रगतिशील है, लेकिन व्यवहार में कई जटिलताओं से घिरा हुआ है। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी शीघ्रता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाता है। यदि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रियाओं को समय पर पूरा कर लिया जाता है तो यह अधिनियम भारत के लोकतंत्र को अधिक समावेशी और संतुलित बना सकता है। अन्यथा यह केवल एक अधूरी संभावना बनकर रह सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संघर्ष से आती है जीवंतता

संकलित
दर्शन

साधना संसार में है, जंगल में तो साधना का सवाल ही नहीं है। साधना यहां है, जहां प्रतिपल कांटे हैं। कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच तो चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। जंगल जाने की जरूरत भी क्या है। यहीं भीड़ में जंगल हो गया है, अगर तुम्हारे भीतर प्रौढ़ता आ जाए, तो प्रज्ञा का जन्म हो। प्रज्ञा का जन्म संघर्षण से होता है। प्रतिपल जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने से होता है। हारने, गिरने, उठने से होता है। हजार बार गाली दी जाएगी, तुम क्रोधित हो जाओगे। हजार बार के अनुभव से तुम्हें समझ में आ जाएगा कि अपने को जलाना व्यर्थ है। गाली कोई दूसरा दे रहा है, दंड अपने को देना व्यर्थ है। एक दिन तो ऐसा आएगा कि कोई दूसरा गाली देगा और तुम्हारे भीतर क्रोध न आएगा। उसी दिन तुम्हारे भीतर एक कांटा फूल बन गया। उस दिन तुम्हें जो शांति मिलेगी, कोई जंगल नहीं दे सकता। जंगल की शांति मुर्दा है। अगर यहां गालियों के बीच तुम शांत हो गए, तो तुम्हारी शांति में एक जीवंतता होगी। जंगल की शांति में सन्नाटा है, क्योंकि वहां कोई है ही नहीं। वह नकारात्मक है। संसार में अगर तुम शांत हो जाओ तो सकारात्मक है। जंगल की शांति मरने जैसी है, संसार की शांति बड़ी जीवंत है। परमात्मा को पाना है, तो भागना मत। भगोड़ों से परमात्मा का कभी कोई संबंध नहीं जुड़ता। कायरों से संबंध जुड़ भी कैसे सकता है? चुनौती स्वीकार करने वाला साहस चाहिए।

कोयला और चंदन

संकलित
प्रेरणा

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा-देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकडी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों की परीक्षाएं और क्रिकेट का उन्माद

हद होती है हर चीज की। लगभग चौबीस घंटे, बारह महीने क्रिकेट ही क्रिकेट का असहनीय शोर-शराबा। सबको मालूम है न कि भारत में मार्च-अप्रैल महीने विद्यार्थियों के लिए कितने ही अधिक महत्वपूर्ण हैं! आईपीएल तो हर साल ही होता है, और इस बार ये 'टी-20 वर्ल्ड कप' का हल्ला-गुल्ला भी निरंतर चलता रहा है। इन्हीं दो महीनों में लगभग सारे भारत के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रकार की बहुत सारी परीक्षाएं और एंट्रेंस टेस्ट होते हैं। ऐसे में देश के हर शहर, कालोनी, नुक्कड़, गली-मोहल्ले, गांव-देहात में घर-बाहर क्रिकेट का ये सर्वथा गैर-जरूरी शोर, हो-हल्ला तथा अवांछित चर्चाएं गंभीर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी चुनौती बने रहते हैं। *- प्रवीण जोशी, भाटापारा*

ट्रेंड

उत्तर प्रदेश में अब शांति

आज उत्तर प्रदेश में कोई अशांति नहीं है, सड़कों पर नमाज़ नहीं पढ़ी जा रही है, मस्जिदों से माइक्रोफोन की आवाज़ नहीं आ रही है, कोई गोहत्या नहीं हो रही है, न ही लव जिहाद की कोई घटना घट रही है।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

टीएमसी की धारणा

असम में दस साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन वहां के लोग मांसाहारी भोजन खाते हैं। तो फिर टीएमसी बंगाल में यह गलत धारणा क्यों फैला रही है कि भाजपा बंगाल में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगा देगी ?
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

परिसीमन पर छल

हम महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन इस सरकार द्वारा इसे पेश करने का तरीका राजनीतिक रूप से प्रेरित है। हमारी मांग है कि इस संशोधन को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय इसे लागू करें। दूसरा, सरकार परिसीमन पर छल कर रही है।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

कच्चे तेल की कीमतें

आरबीआई के पूर्वानुमानों के आधार पर, लगता है कि कच्चे तेल की कीमतों में आए अचानक उछाल के शांत होने के बाद ही ब्याज दरों में वृद्धि शुरू होगी। हालांकि, चिंता की बात यह है कि तब तक, जीएसटी युक्तिकरण के माध्यम से हासिल किया गया मूल्य सुधार बेअसर हो सकता है।
- स्वामीनाथन पद्मनाभन, उद्यमी

करंट अफेयर

लंदन में भारतीय उच्चायोग ने आंबेडकर की जयंती मनाई

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने पुष्पांजलि अर्पित कर 'भारत रत्न' डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई और समानता के बाबासाहेब के संदेश पर विचार साझा किया। बुधवार शाम को 'इंडिया हाउस' के आंबेडकर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 'फेडरेशन ऑफ अंबेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन्स' (एफएबीओ) ब्रिटेन के सदस्यों, छात्रों और समुदाय के नेताओं द्वारा भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के दूरगामी सामाजिक-आर्थिक योगदान की प्रशंसा में काव्यात्मक प्रस्तुतियों से माहौल जीवंत हो उठा। इस मौके पर आंबेडकर के जीवन और करियर की कई प्रमुख घटनाओं को शामिल करते हुए एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें लंदन में विधि छात्र के रूप में बिताये गए उनके समय को भी प्रदर्शित किया गया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर का यह संदेश कि लोकतंत्र का सार इस विचार में निहित है कि हम सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करें, एक आधुनिक राष्ट्र के लिए काफी महत्व रखता है।' उन्होंने कहा, और बेशक, यह एक ऐसी यात्रा है जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अब भी जारी है। हम लगातार असमानता और लैंगिक एवं सामाजिक आधार पर हिंसा के दौर में जी रहे हैं।

ऑफ बीट

भोजन और दवाएं बदल सकती हैं त्वचा का रंग

जब हांगकांग में 84 वर्षीय एक व्यक्ति बढ़े हुए प्रोस्टेट के साथ अस्पताल गया, तो डॉक्टर यह देखकर चौंक गए कि उसकी त्वचा - और यहाx तक कि उसकी आँखों का सफेद भाग भी धूसर रंग का हो गया था। ये मामले आर्गिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आर्गिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से साफ नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टैटू पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशिष्ट भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विरंजन विकसित हुआ, जो आर्गिरिया की तरह, आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

छह सौ करोड़ का सीजीएमएससी घोटाला, चार के खिलाफ कोर्ट में पूरक चालान पेश

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

जिनके खिलाफ चालान पेश किया गया, उनमें शशांक चोपड़ा के जीजा भी शामिल

छह सौ करोड़ रुपए से ज्यादा के रीएजेंट घोटाला में ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम ने विशेष न्यायालय में घोटाला में शामिल चार आरोपियों के खिलाफ करीब साढ़े तीन हजार पन्नों का पूरक चालान पेश किया है। जिनके खिलाफ पूरक चालान पेश किया गया है, उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 409, 120 बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज है।

जांच एजेंसी ने हरियाणा, पंचकुला स्थित रिकार्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अभिषेक कौशल, रायपुर स्थित श्री शारदा इंडस्ट्रीज के प्रोप्राईटर राकेश जैन, रिकार्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्रायवेट लिमिटेड के लाइजनर तथा शशांक चोपड़ा के जीजा प्रिंस जैन, नवी मुंबई स्थित डायसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा के खिलाफ पूरक चालान पेश किया है। जांच एजेंसी सीजीएमएससी घोटाला में शामिल अब तक 10 लोगों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है।

राज्य के आम जनता को निःशुल्क डायग्नोस्टिक जांच उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पतालों, एफआरयू, सीएचसी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में "हमर लैब" योजना अंतर्गत क्रय किए जाने वाले मेडिकल उपकरण एवं रीएजेंट्स की निविदा प्रक्रिया में पूल टेंडरिंग के माध्यम से मोक्षित कॉर्पोरेशन पर निविदा हासिल करने का आरोप है। विवेचना में यह तथ्य सामने आया है कि शशांक चोपड़ा का जीजा प्रिंस रिकार्ड एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के लिये लाइजनिंग का काम करता था।

रिकार्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स, श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने भविष्य में सीजीएमएससी में अपनी सप्लाई चैन मजबूत करने के उद्देश्य से मोक्षित कॉर्पोरेशन को सहयोग किया। तीनों फर्मों के द्वारा अपनी अर्हता सुनिश्चित करने के लिये टेंडर की शर्तों के अनुसार वास्तविक क्षमता से पृथक उत्पादक क्षमता, सर्विस, मेंटेनेन्स एवं इंस्टॉलेशन के फर्जी दस्तावेजों को तैयार कर निविदा में उपयोग किया गया, जिसके लिये प्रिंस कोचर द्वारा समन्वय कार्य किया गया।

प्रतिस्पर्धी कंपनियों को साथ जोड़ा

जांच में सामने आया है कि निविदा प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने के उद्देश्य से कुछ फर्मों द्वारा आपसी समन्वय और कार्टेलाइजेशन किया गया। इस वजह से टेंडर में यही तीन फर्में शॉर्टलिस्ट हुई थीं, जिनकी वित्तीय दर खोली गई। तीनों पात्र फर्मों द्वारा भरे गए टेंडर में उत्पाद, पैक-साइज, रीएजेंट और कंज्यूमेबल्स का विवरण समान पैटर्न में भरा गया। जिन उत्पादों का नाम निविदा दस्तावेज में स्पष्ट रूप से अंकित नहीं था, उन्हें भी तीनों फर्मों द्वारा समान रूप से दर्शाया गया। दर भी समान पैटर्न में कोड किए गए, जिसमें सबसे कम दर मोक्षित द्वारा, उसके बाद आरएमएस तथा श्री शारदा इंडस्ट्रीज द्वारा कोड किया गया।

सौर सुजला योजना बंद, 50 हजार आवेदन पेंडिंग, अब पीएम कुसुम योजना में ही लगेंगे सोलर कृषि पंप

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश के किसानों को कृषि के लिए सोलर पंप भी लगाने की भाजपा सरकार में 2016 में प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना अब बंद हो गई है। इसके स्थान पर अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में किसानों को सोलर पंप लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए क्रेडा ने प्रदेश सरकार के माध्यम से नए सत्र के लिए केंद्र सरकार के पास प्रदेश के किसानों के खेतों में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 25 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा है। वहां से प्रस्ताव की मंजूरी के बाद क्रेडा खेतों में पंप लगाने का काम प्रारंभ करेगा। प्रदेश में अब तक एक लाख साठ हजार सोलर पंप लग चुके हैं। अंतिम साल में योजना को बंद करने के कारण महज सात हजार पंप लग पाए हैं। इस समय क्रेडा के पास करीब 50 हजार आवेदन पेंडिंग है। इन आवेदनों का निराकरण केंद्र सरकार से मंजूरी के बाद ही होगा।

प्रदेश में किसान खेती के लिए कृषि पंप लगाने का काम करते हैं। ज्यादातर कृषि पंप तो बिजली से चलने वाले लगाए जाते हैं। लेकिन प्रदेश में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर बिजली की सुविधा न होने पर या किसानों के खेतों के पास बिजली के ट्रांसफार्मर और खंभे न होने के कारण कृषि पंप लगाने के लिए करीब दस साल पहले प्रदेश में भाजपा की रमन सरकार के समय सौर सुजला योजना राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर 2016 को प्रारंभ की गई थी। तब सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर कृषि पंप लगाने का काम किया गया। उसी समय प्रदेश में बहुत ज्यादा सोलर कृषि पंप लगाए गए।

हर साल लगे 20 हजार पंप

राज्य सरकार ने चूंकि इस योजना का प्रारंभ एक नवंबर 2016 को किया था, इसलिए पहले साल 2016-17 में महज 12 हजार सोलर पंप किसानों के खेतों में लगाए गए। इसके बाद से हर साल प्रदेश सरकार ने 20 हजार के आस-पास सोलर पंप लगाने का काम किया। 2025-26 के लिए भी वैसे तो 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस बीच फैसला किया गया कि अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में ही कृषि के लिए सोलर पंप लगाने का काम होगा, इसलिए राज्य सरकार की योजना में महज सात हजार पंप ही लग पाए हैं।

अब केंद्र सरकार की योजना में लगेंगे

अब किसानों को सोलर पंप केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार के पास 25 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर पंप लगाए जाएंगे। इस योजना में भी किसानों को सब्सिडी मिलेगी। लेकिन अभी तय नहीं है कि इसमें सब्सिडी कितनी मिलेगी। राज्य सरकार की योजना में महज 10 से 20 हजार में पंप लग जाते थे। क्रेडा के अधिकारियों के मुताबिक अब तो सोलर पंप लगाने की लागत कम हो गई है। इस समय तीन एचपी के लिए करीब ढाई लाख और पांच एचपी के लिए तीन लाख दस हजार में लगते हैं। टेंडर के बाद यह लागत और कम हो सकती है।

प्रस्ताव भेजा है

केंद्र सरकार को पीएम कुसुम योजना में प्रदेश में 25 हजार सोलर कृषि पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर नए सत्र में पंप लगाने का काम प्रारंभ होगा।

- भूपेंद्र सवन्नी, अध्यक्ष, क्रेडा

नए सत्र में प्रदेश में 25 हजार पंप लगाने का केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

जमीन के उपयोग का ब्योरा अब सीजी जियो पोर्टल पर होगा, परियोजनाओं की प्रक्रिया होगी अधिक पारदर्शी

राज्य शासन ने जारी किया आदेश, प्री-एप्रेज़ल प्रक्रिया में आएगी तेजी

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि राज्य में भूमि से संबंधित जानकारी को सीजी जियो पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट करना अनिवार्य होगा। इस पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभागों को भूमि की वास्तविक स्थिति, उपयोग और उपलब्धता की सटीक जानकारी मिल सकेगी। इससे परियोजनाओं की योजना बनाते समय जमीन से जुड़े विवादों और भ्रम की स्थिति कम होगी।

राज्य में भूमि उपयोग और विभिन्न परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए सीजी जियो पोर्टल के उपयोग को अनिवार्य करने की दिशा में नए निर्देश जारी किए गए हैं। इससे न केवल प्री-एप्रेजल प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि विभिन्न विभागों के बीच समन्वय भी बेहतर हो सकेगा।

नई व्यवस्था के तहत किसी भी औद्योगिक या अन्य परियोजना के प्रस्ताव से पहले 'प्री-एप्रेज़ल' प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। जीआईएस आधारित इस प्रणाली से परियोजना क्षेत्र का प्रारंभिक मूल्यांकन तेजी से किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को पहले ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि प्रस्तावित भूमि परियोजना के लिए उपयुक्त है या नहीं। विभागों के बीच बेहतर समन्वयनिर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित विभाग,जैसे उद्योग, राजस्व, और आईटी—को पोर्टल के उपयोग में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर डेटा अपडेट करने और उसे साझा करने की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में देरी न हो।

डिजिटल आईडी और ट्रैकिंग सिस्टम लागू

सीजी जियो पोर्टल पर प्रत्येक परियोजना और भूमि से संबंधित जानकारी को एक यूनिक आईडी के माध्यम से दर्ज किया जाएगा। इससे संबंधित प्रस्तावों की ट्रैकिंग आसान होगी और किसी भी स्तर पर लंबित मामलों की स्थिति तुरंत देखी जा सकेगी।यह व्यवस्था पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित करेगी।निवेश को बढ़ावा देने की पहलराज्य सरकार का उद्देश्य इस डिजिटल व्यवस्था के जरिए निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। भूमि से जुड़ी जटिलताओं और अनुमोदन में देरी अक्सर निवेश में बाधा बनती रही है, लेकिन इस पोर्टल के प्रभावी उपयोग से इन समस्याओं को काफी हद तक कम करने की कोशिश की जा रही है।

मादक पदार्थ तस्करी में पुलिस के साथ कोर्ट सख्त, तस्कर को 20 साल कैद के साथ पांच लाख जुर्माना

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों को अब कोर्ट लंबी सुनवाई की तारीख देने के बजाय उनकी सुनवाई जल्द पूरी कर सजा सुना रही है। इसके साथ ही पुलिस भी तस्करों के खिलाफ नकेल कसने उनकी धर पकड़ करने के साथ ही कोर्ट द्वारा जारी चालान तामिल कराने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने एक एसीपी को नोडल अफसर नियुक्त किया है। गंज थाना क्षेत्र में साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रतिबंधित नींद की गोली तथा कफ सिरप के साथ गिरफ्तार युवक को विशेष न्यायाधीश किरण थवाईत की कोर्ट ने 20 वर्ष कैद के साथ पांच लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक भुवन लाल साहू के अनुसार कोर्ट ने टिकरापारा, ताजनगर निवासी शेख सरफराज खान उर्फ सोनू को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। गंज थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पिछले वर्ष 28 जून को घेराबंदी कर प्रतिबंधित टेबलेट के साथ कफ सिरप जब्त किया था। शेख सरफराज ने किसी दूसरे शहर से प्रतिबंधित टेबलेट के साथ कफ सिरप ट्रेन के रास्ते खरीदकर रायपुर बेचने के लिए लाया था।

नारी शक्ति वंदन विधेयक से देश में खुशी : बजाज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, इस विधेयक के पेश होने से देशभर में खुशी का माहौल है। श्री बजाज ने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि बिना किंतु परंतु के इस बिल का समर्थन करें। नारी शक्ति वंदन विधेयक सर्वसम्मति से पारित होना नए भारत की ऐतिहासिक घटना होगी तथा इससे संसद का गौरव बढ़ेगा। उन्होंने कहा, नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को मिलने वाला 33% आरक्षण केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिला नेतृत्व के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है।

कांग्रेस का जनहित के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं : नलिनीश ठोकने

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा, छत्तीसगढ़ की जनता के हितों से पूरी तरह कट चुकी कांग्रेस अब केवल कागजों और सोशल मीडिया पर अपनी प्रासंगिकता खोजने की असफल कोशिश कर रही है। श्री ठोकने ने कहा, छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छात्र-छात्राओं के हित में दोपहर 2:40 बजे अपने आधिकारिक हैंडल से स्कूलों में 20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी थी, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इसके करीब डेढ़ घंटे बाद, शाम 4:05 बजे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज उसी भीषण गर्मी का हवाला देते हुए स्कूलों में छुट्टी की मांग कर रहे है

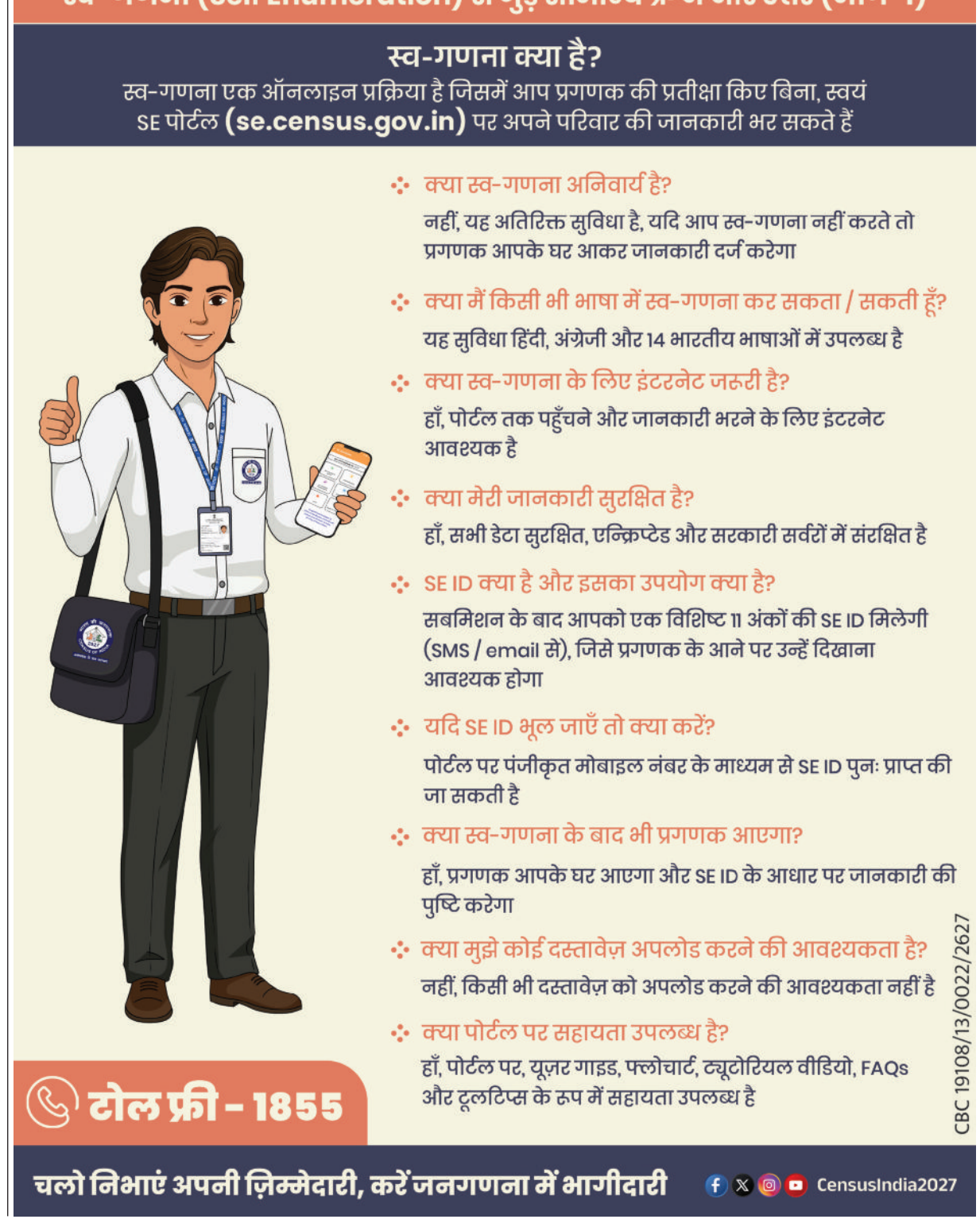

विशेष : पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

अपनी पृथ्वी को बनाएं स्वच्छ-सुरक्षित और सुंदर

हमारी पृथ्वी स्वच्छ, सुरक्षित रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारा पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र स्वच्छ, संतुलित और सुरक्षित रहे। बच्चो, कुछ छोटे-छोटे कदम उठाकर तुम भी हमारी पृथ्वी के संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हो।

अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

बच्चो, इस पृथ्वी पर मनुष्य, पेड़-पौधे, जीव-जंतु, हम सभी रहते हैं। पृथ्वी हमारे घर की तरह है। पृथ्वी की रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को 'अर्थ डे' यानी 'पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। इसे 'इंटरनेशनल मदर अर्थ-डे' के नाम से भी जाना जाता है। साल 2026 के लिए पृथ्वी दिवस की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' निर्धारित की गई है। इसका मतलब है, हम सब पृथ्वीवासी के रूप में अपनी शक्तियों और सूझबूझ का प्रयोग करें और अपनी पृथ्वी को एक बेहतर ग्रह बनाएं।

हम बच्चे क्या कर सकते हैं

तुम्हारे मन में सवाल उठ सकता है कि इतनी बड़ी पृथ्वी की सुरक्षा हम बच्चे भला कैसे कर सकते हैं? यहां यह समझना होगा, तुम्हें अकेले पूरी पृथ्वी की रक्षा नहीं करनी है। बस अपने हिस्से का काम करना है। जब सभी लोग अपने-अपने हिस्से का काम करेंगे तो पृथ्वी को प्रदूषणमुक्त, स्वच्छ और हरी-भरी रखने की दिशा में बड़े बदलाव होने लगेंगे। हमारी पृथ्वी हरी-भरी, स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त हो जाएगी।

खूब लगाओ पेड़-पौधे

बच्चो, पेड़-पौधे, घने जंगल और वनस्पतियों को पृथ्वी का फेफड़ा कहा जाता है। यह तो तुम जानते ही हो कि हम सांस के द्वारा ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं और कार्बन डाईऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसके विपरीत कार्बन डाईऑक्साइड ग्रहण कर हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए भी पेड़-पौधे और जंगल बहुत जरूरी हैं। तो आज ही ठान लो कि तुम पेड़-पौधों से सच्ची दोस्ती करोगे और इसे निभाओगे। तुम खूब पेड़-पौधे लगाओगे, उसकी देखभाल करोगे। यह हमारी पृथ्वी और हमारे लिए बहुत जरूरी है।

प्लास्टिक को कहो बाय-बाय

आज के समय में प्लास्टिक हमारी पृथ्वी और पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा बनती जा रही है। धरती को स्वच्छ-सुरक्षित बनाने की दिशा में हमारा मुकाबला 'प्लास्टिक दानव' से भी है। हमारी कोशिश हो कि कम से कम प्लास्टिक इस्तेमाल हो ताकि हमारी धरती, समुद्र की मछलियां, घरेलू और जंगली जानवरों के साथ-साथ पेड़-पौधे और हम इंसान भी इसके दुष्प्रभावों से बचें।

कचरे का सही डिब्बा चुनो

यहां-वहां कचरा फेंकने और इसका सही निस्तारण न करने से प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक होने के साथ-साथ हमारी पृथ्वी के लिए भी काफी नुकसानदायक है। इसलिए हमें समझदारी से कचरे का निस्तारण करना चाहिए। नीला डस्टबिन सूखे कचरे के लिए और हरा डस्टबिन गीले कचरे के लिए यूज करना चाहिए। अगर हम कचरा सही जगह डालेंगे, तो हमारी धरती साफ-सुथरी बनी रहेगी।

ऊर्जा का करो संरक्षण

ऊर्जा सीमित संसाधन है। इसका बेतहाशा इस्तेमाल हमारी पृथ्वी और पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंचा सकता है। बिजली की बचत कर हम अपनी पृथ्वी को बहुत राहत पहुंचा सकते हैं। इसलिए कमरे से बाहर जाते समय या जब जरूरत न हो, लाइट, पंखे और बिजली के अन्य उपकरण बंद करने की आदत डालें।

पशु-पक्षियों का सहारा बनो

पशु-पक्षी हों या कीट-पतंगे या फिर कोई भी अन्य जीव, सभी पृथ्वी के लिए आवश्यक हैं। ये हमारे ईको सिस्टम को बैलेंस्ड रखने में सहायक हैं। हमें इनका ध्यान रखना चाहिए। पृथ्वी को खुशहाल रखने के लिए भी इन्हें सुरक्षा देना जरूरी है। गर्मी के दिनों में अपनी छत या बालकनी में मिट्टी के बर्तन में पानी और दाना जरूर रखो। *

मत करो पानी की बर्बादी

'जल ही जीवन है' ये स्लोगन तो तुमने सुना होगा। दुनिया के कई हिस्सों में लोगों को अपने दैनिक उपयोग के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। पानी बहुत ही अनमोल है, इसकी बर्बादी रोकना जरूरी है। हमें कभी भी पानी वेस्ट नहीं करना चाहिए। ब्रश करते समय नल बंद रखना और नहाने के लिए शॉवर के बजाय बाल्टी-मग का इस्तेमाल करना, ऐसी छोटी-छोटी आदतें अगर हम सभी अपनाएं, तो बहुत सारा पानी बचाया जा सकेगा।

इंस्पायरिंग / अंजू जैन

बच्चों को स्टोरी या नॉलेज से जुड़ी किताबें पढ़ना बहुत पसंद होता है। लेकिन कुछ ऐसे बच्चे भी हैं, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में किताब लिखकर, सबको चौंकाया, देश-दुनिया में प्रसिद्ध हुए। हम तुम्हें ऐसे ही कुछ प्रतिभावान बच्चों और उनकी प्रकाशित किताबों के बारे में बता रहे हैं।

टैलेंटेड-क्रिएटिव ये नन्हे राइटर

भारत में कई ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे हैं, जिन्होंने किताबें पढ़ने की उम्र में खुद ही एक से बढ़कर एक शानदार किताबें लिख डालीं। छोटी उम्र में ही किताबें लिखकर इन बच्चों ने सभी को हैरान कर दिया है। वर्ल्ड बुक डे (23 अप्रैल) के मौके पर जानो, ऐसे ही कुछ टैलेंटेड नन्हे राइटर्स के बारे में।

वाणी रावल

हरियाणा की वाणी रावल ने 10 साल की उम्र में 'कैथी' 23 डेज ऑफ क्रिसमस' और 'कैथी इज कॉलिंगः फाइव एलिमेंट्स ऑफ क्रिसमस' नामक किताबें लिखीं। किताबों की ये सीरीज लिखकर वाणी ने दुनिया की सबसे कम उम्र की 'सीरीज राइटर' होने का गौरव हासिल किया। वाणी का नाम 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड', 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड', 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स', 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'ब्रावो इंटरनेशनल वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज है। *

अभिजिता गुप्ता

उत्तर प्रदेश की अभिजिता गुप्ता ने 7 साल की उम्र में अपनी पहली किताब 'हैप्पीनेस ऑल अराउंड' लिखी। वह 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा दुनिया की सबसे कम उम्र की लेखिका मानी गई है। वह अब तक 3 किताबें लिख चुकी है। 2020 में अभिजिता ने कहानी और कविता की पुस्तक की सबसे कम उम्र की लेखिका होने का रिकॉर्ड बनाया, जिसे 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा प्रमाणित किया गया है। अभिजिता की कुछ प्रमुख किताबें हैं- 'स्योरली सस्टेन', 'टू बिगिन विद द लिटिल थिंग्स', 'मार्क ऑफ द कोपरः वेल ऑफ लाइट'। अभिजिता को 'ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवॉर्ड 2022' से भी सम्मानित किया जा चुका है। यहां यह भी जानो कि अभिजिता हिंदी साहित्य की महान विभूति राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की परपोती है। *

अयान गोगोई गोहेन

असम के अयान गोगोई गोहेन ने मात्र 4 साल की उम्र में अपनी पहली किताब 'हनीकॉम्ब' लिखी थी। उसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा भारत का सबसे कम उम्र का लेखक घोषित किया गया है। अयान दुनिया के सबसे कम उम्र के लेखकों में से एक है। वर्ष 2020 में ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवार्ड विजेता अयान ने 'बंबलबी' और 'लाइफ लेसंस फ्रॉम द फोर-लेग्ड मॉक' जैसी किताबें भी लिखी हैं। अयान दुनिया के शीर्ष 100 बाल प्रतिभाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है।

तुम्हारे लिए किताब / नीलम राकेश

पर्यावरण संरक्षण की कहानियां

बच्चो, स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है धरती का पर्यावरण शुद्ध रहे। पर्यावरण तभी शुद्ध रहेगा, जब हम सभी मिलकर इसको संरक्षित करेंगे। इस बात को ध्यान में रखकर बाल साहित्यकार डॉ. नागेश पांडेय 'संजय' ने तुम्हारे लिए विशेष रूप से कथाओं का संकलन 'पर्यावरण संरक्षण की कहानियां' तैयार किया है। इस किताब में देश के जाने-माने 15 बाल साहित्यकारों की कहानियां संकलित की गई हैं। बच्चो, इस किताब की कहानियों में तुम्हें प्रकृति के नए-नए रंग देखने को मिलेंगे, जो तुम्हारे भीतर पर्यावरण के प्रति प्रेम जगाएंगे। इस संकलन की कहानियों में कहीं देव नदी गंगा अपनी मदद के लिए पुकार रही है, तो कहीं पर 'अलईतारा' के रूप में श्रमदान का महत्व बताया गया है। इस संकलन की एक कहानी 'बिन मौसम' तुम्हें झूमते हुए वृक्षों की छांव में ले जाएगी। कहानी 'पानी नहीं' बताती है पानी की फिजूल खर्ची से कितनी दिक्कतें आ सकती हैं? किताब की हर कहानी कोई ना कोई संदेश देती है, तुम्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है। कहानियों के साथ छपे सुंदर चित्र इस किताब के आकर्षण को बढ़ाते हैं। किताब का आवरण बहुत ही मोहक है। एक खास बात यह है कि इसमें बने चित्रों में तुम्हें रंग भरने का मौका मिलेगा। *

किताबः पर्यावरण संरक्षण की कहानियां, **संपादकः** डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'
मूल्यः 230 रुपए, **प्रकाशकः** बुनियादी साहित्य प्रकाशन, लखनऊ

कल्पना करो धरती, सौरमंडल में तीसरी कक्षा से दूर चौथी कक्षा में आ जाए तो क्या होगा? यही होगा, सारे प्राणियों का जीवन घोर संकट में आ जाएगा। इसलिए जरूरी है, हम अपनी आदतें सुधारें, पर्यावरण संरक्षित करें। बच्चो, यह कहानी सौरमंडल में धरती के निश्चित स्थान की महत्ता बताती है।

जब धरती ने जगह बदलने की ठानी

एआई इमेज

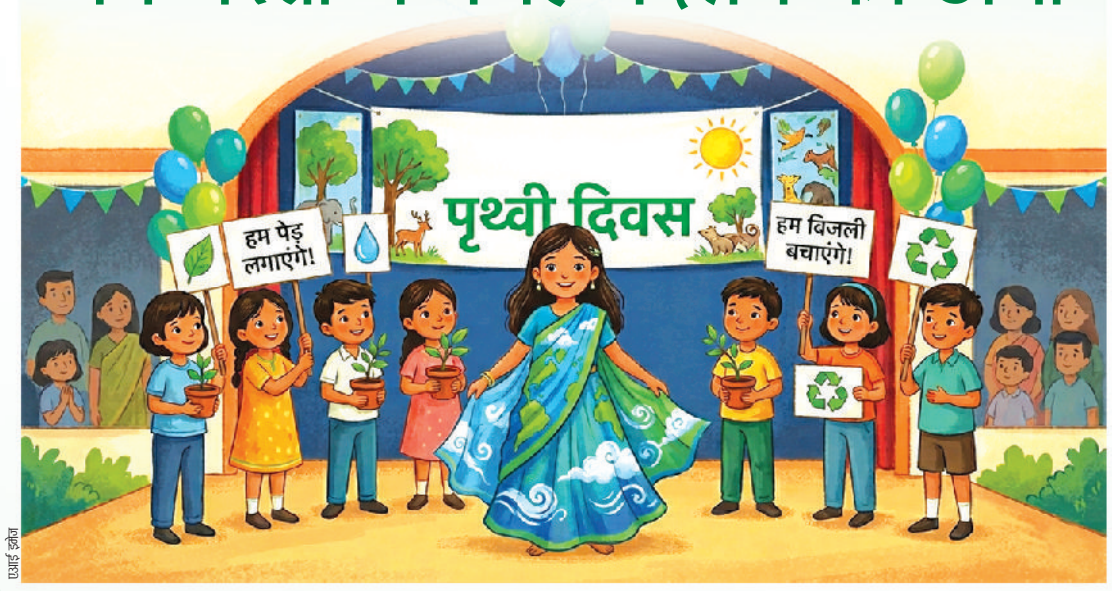

कहानी

कुसुम अग्रवाल

आज विद्यालय में विशेष चहल-पहल थी। स्कूल का प्रांगण हरे और नीले गुब्बारों से सजा था। मंच पर लगे एक बैनर पर बड़े अक्षरों में लिखा था-पृथ्वी दिवस। प्रधानाचार्य जी ने मंच पर आकर माइक से घोषणा की, 'आज कक्षा सात के विद्यार्थी एक विशेष नाटक प्रस्तुत करेंगे-जब धरती ने जगह बदलने की ठानी।'

तभी मंच पर परदा खुला। मंच के बीचों-बीच नीले-हरे वस्त्र पहने एक बच्ची खड़ी थी। वह धरती बनी थी। उसके चारों ओर रुई से बने बादल और चमकीले तारे सजे थे। धरती उदास स्वर में बोली, 'मैं बहुत ज्यादा तंग आ चुकी हूं। धुआं, प्रदूषण, बढ़ते तापमान से। मैं सौरमंडल में सूरज से दूरी के हिसाब से तीसरे स्थान पर यानी तीसरी कक्षा में हूं। क्यों न मैं चौथी कक्षा में आ जाऊं। वहां कुछ ठंडक मिलेगी।'

पास में मौजूद चंद्रमा घबराए स्वर में बोला, 'ऐसा मत करो धरती बहन! इससे सौरमंडल का संतुलन बिगड़ जाएगा।'

तभी अलग-अलग वेशभूषा में कुछ बच्चे मंच पर आए। एक बच्चा पेंग्विन बना था। उसने घबराते हुए कहा, 'धरती मां, अगर आप दूर चली गईं तो यहां बहुत ज्यादा ठंडक बढ़ जाएगी। समुद्र जम सकते हैं। हमें भोजन कहां मिलेगा?'

हाथी बना हुआ बच्चा बोला, 'जंगलों में धूप कम हुई तो पेड़-पौधे कैसे उगेंगे, बढ़ेंगे? हम क्या खाएंगे?'

एक बच्ची जो किसान बनी थी, बोली, 'हमारी फसलें नष्ट हो जाएंगी।'

समुद्री नीले वस्त्रों में एक बच्चा, जो व्हेल बना था, बोला, 'पृथ्वी बहन तुम्हारे दूर जाने से समुद्र में आने वाले ज्वार-भाटे का रूप बदल जाएगा।'

तभी एक बाल वैज्ञानिक मंच पर आया। उसने चार्ट दिखाते हुए कहा, 'धरती का सूर्य से निश्चित दूरी पर तीसरी कक्षा में होना ही, इस पर जीवन के लिए आदर्श स्थिति है। यदि पृथ्वी चौथी कक्षा में चली गई तो यह अत्यधिक ठंडी और बंजर हो सकती है, जैसे मंगल ग्रह। और यदि धरती सूरज के पास यानी दूसरी कक्षा में आ जाए तो तपने लगेगी, जैसे शुक्र ग्रह।'

सामने बैठे दर्शक छात्र, ध्यान से सभी बातें सुन रहे थे। धरती ने दुःखी स्वर में कहा, 'पर मेरा बुखार कौन समझेगा? ग्लोबल वार्मिंग मुझे बीमार कर रही है।'

तभी छोटे-छोटे बच्चे पौधे लेकर मंच पर आ गए। एक ने कहा, 'गलती हमारी है। धरती मां, आप अपनी जगह मत बदलें। हम बदलेंगे अपने आपको।'

दूसरे ने कहा, 'हम पेड़ लगाएंगे!'

तीसरे ने कहा, 'हम बिजली बचाएंगे।'

चौथे ने कहा, 'हम प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे।'

पांचवें ने कहा, 'हम हर दिन पृथ्वी दिवस मनाएंगे!'

धरती बनी बच्ची कुछ क्षण चुप रही फिर मुस्कुराते हुए बोली, 'यदि तुम सचमुच अपना व्यवहार बदलोगे, तो मुझे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।'

अंतिम दृश्य में सभी बच्चे हाथों में हाथ डालकर बोले, 'धरती हमारी है, हम इसके रखवाले हैं! हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे।'

परदा गिरा। नाटक खत्म हो गया। पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रधानाचार्य जी मंच पर आकर बोले, 'बच्चो, अभी जो तुमने देखा, यह केवल नाटक नहीं है। यह सच्चाई है। धरती अपनी कक्षा नहीं बदल सकती, पर हम अपनी आदतें बदल सकते हैं।' आज स्कूल में पृथ्वी दिवस पर केवल एक कार्यक्रम नहीं हुआ था, यहां संकल्प लिया गया था, पृथ्वी को बचाने का। *

कविता

राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

पृथ्वी कितनी प्यारी है!

पृथ्वी कितनी प्यारी है!
सभी ग्रहों से न्यारी है।
हम सबकी जीवनदायी,
हितकारी उपकारी है।
खेत और खलिहान यहां,
वन-उपवन, मैदान यहां।
नदियां ताल समंदर हैं,
खनिजों की हैं खान यहां।
तितली भौंरे सुमन यहां,
पंछी पर्वत पवन यहां।
जल, थल, बादल, नील गगन,
जीवन, भोजन, वसन यहां।
लेकिन वन कटते जाते,
नए शहर बसते जाते।
मिट्टी रेत खनिज पानी,
दिन-प्रतिदिन घटते जाते।
अब हम लें जिम्मेदारी,
और न दोहन हो भारी।
हम सब मिलकर यत्न करें,
बची रहे पृथ्वी प्यारी।

बूझो तो जानें

1
नीला पानी, हरी है घास,
सबके लिए हूं मैं तो खास।
इंसान, पशु और पक्षी सारे,
रहते हैं मेरे ही सहारे।

2
सिर पर ऊपर नीला अंबर,
पैरों के नीचे मिट्टी सुंदर।
पहाड़, नदी और जंगल घने,
सब कुछ हैं मुझसे ही बने।

-शिवानी छाया

उत्तर : पृथ्वी

जीके क्विज-201

1. साइकिल से एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला का क्या नाम है?
2. हाल में ही बिहार के नए मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. रूपा बायर किस खेल से संबंधित हैं?
4. आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज कौन बन गए हैं?
5. श्रमिक दिवस कब मनाया जाता है?
6. तेनालीरामा किस राजा के दरबारी विद्वान थे?
7. विश्व की सबसे गहरी झील कौन-सी है?
8. भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा में कितने सदस्य मनोनीत करते हैं?
9. भूकंप की तीव्रता किस यंत्र से मापी जाती है?
10. किस नदी को दक्षिण भारत की गंगा कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-201 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-200 का उत्तर : 1. रोपड़ (पंजाब), 2. भारत, 3. अकबर और हेमू, 4. मिथुन मन्हास, 5. विशाखदत्त, 6. हेग(नीदरलैंड), 7. बुध, 8. विटामिन ए, 9. बी.आर. आंबेडकर, 10. राजस्थान

जीके क्विज-200 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, अनन्या-राजनांदगांव, कविश-रायपुर, सौम्या-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, तमन्ना-कोरबा, अक्षित-बिलासपुर, सुमित-रोहतक, हर्ष-बालोद

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पार्क में पिकनिक मना रहे भालू और खरगोश के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में सात अंतर हैं। तुम पांच मिनट में सभी सात अंतर ढूंढ कर बताओ।

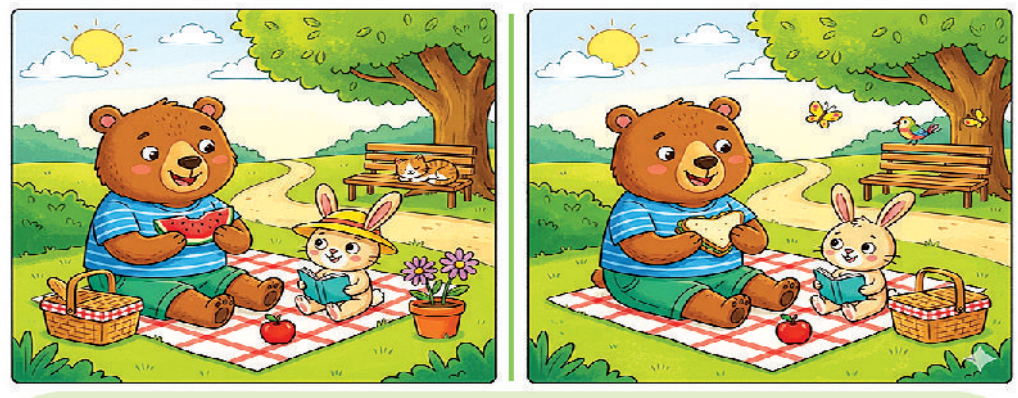

उत्तर: 1.भालू तरबूज के बजाय सैंडविच खा रहा है। 2.खरगोश ने टोपी नहीं पहनी है। 3.बेंच पर बिल्ली के बजाय एक पक्षी बैठा हुआ दिख रहा है। 4.पेड़ के नीचे दो तितलियां उड़ रही हैं। 5.भालू के बगल में रखा बास्केट गायब है। 6.भालू की छोटी-सी पूंछ दिख रही है। 7.फूलों वाले गमले की जगह पर बास्केट रखा हुआ है।

लेफ्ट-राइट बताओ

बच्चो, यहां दी गई तस्वीर में कुछ क्लाउन फिश लेफ्ट की तरफ घूमी हुई हैं, तो कुछ राइट की तरफ। तुम्हें गिनकर दिए गए बॉक्स में लिखना है कि कितनी क्लाउन फिश लेफ्ट की तरफ घूमी हुई हैं, कितनी राइट की तरफ?

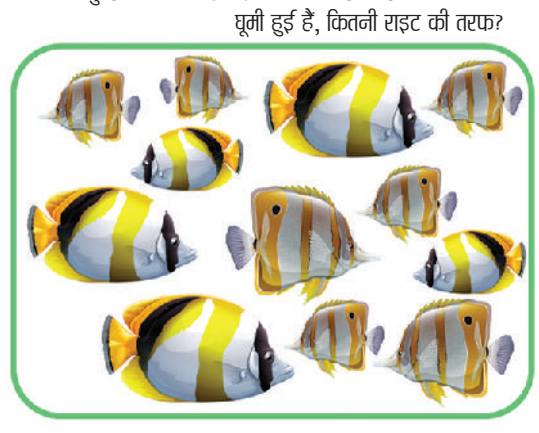

LEFT

RIGHT

उत्तर : ??????????????

इस हफ्ते से संपर्क क्रांति और अमरकंटक में घर से नहीं लाना होगा चादर-कंबल, 70 रुपए में मिलेगा बेडरोल

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

स्लीपर कोच में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब घर से चादर और कंबल लेकर सफर करने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे प्रशासन अब एसी कोच की तर्ज पर स्लीपर में भी बेडरोल की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसे लेकर रायपुर मंडल ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं और उम्मीद है कि इसी हफ्ते से यह सुविधा यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगी। खास बात यह है कि स्लीपर कोच में दिए जाने वाले चादर, तकिया और कंबल बेहद अच्छी गुणवत्ता के होंगे। इनका रंग थर्ड एसी में मिलने वाले बेडरोल से अलग रखा गया है, ताकि चोरी होने या दोनों कोच के बेडरोल आपस में मिलने की आशंका न रहे। रेलवे ने इस सुविधा का संचालन करने के लिए एक एजेंसी के साथ 4 से 6 लाख रुपये में अनुबंध किया है। हरिभूमि की टीम ने रेलवे की इस नई सुविधा और तैयारियों का जायजा भी लिया। बता दें कि शुरुआती चरण में यह सुविधा रायपुर मंडल की दो प्रमुख ट्रेनों संपर्क क्रांति और अमरकंटक एक्सप्रेस में शुरू की जा रही है।

अच्छी गुणवत्ता के होंगे चादर-तकिया, थर्ड एसी से अलग होगा रंग ताकि न हो मिक्सिंग की समस्या

रेलवे प्रशासन ने तय किया है कि एजेंसी को कोच के अंदर बेडरोल रखने के लिए दो सीटें आवंटित की जाएंगी और इन दोनों सीटों का खर्च एजेंसी ही वहन करेगी। एजेंसी ने इसके लिए कोच क्रमांक एस-4 या 3 की डिमांड की है।

हालांकि, कोच में बेडरोल रखने को लेकर फिलहाल एक तकनीकी समस्या बनी हुई है। रायपुर से ट्रेन के प्रस्थान के समय तो एजेंसी को बेडरोल रखने के लिए आसानी से दो सीटें मिल जा रही हैं, लेकिन वापसी के दौरान दिल्ली से संपर्क क्रांति और भोपाल से अमरकंटक के लौटते समय बेडरोल के लिए आरक्षित सीटें मिलने में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन इस समस्या का समाधान करने में जुटा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि इसी हफ्ते इस तकनीकी समस्या को सुलझा लिया जाएगा और यात्रियों के लिए यह सुविधाजनक सेवा विधिवत शुरू कर दी जाएगी।इस सुविधा से स्लीपर कोच से दो सीट कम हो जाएगी, लेकिन बेडरोल की सुविधा आसान हो जाएगी।

रेलवे प्रशासन मंडल की ट्रेनों में इस सुविधा को लागू करेगा। पहले दो ट्रेनों में शुरू करने के बाद इसे 10 अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों में इसे लागू किया जाएगा।इसमें दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्क क्रांति, दुर्ग-उधमपुर, निजामुद्दीन-दुर्ग, उधमपुर-दुर्ग, दुर्ग- उधमपुर, दुर्ग- अजमेर, अजमेर- दुर्ग, दुर्ग-अजमेर, अजमेर-दुर्ग, दुर्ग-भोपाल अमरकंटक, भोपाल-दुर्ग अमरकंटक, दुर्ग नौतनवा, नौतनवा- दुर्ग, दुर्ग-बेतवा, बेतवा-दुर्ग एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, दुर्ग-अंबिकापुर, अंबिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। इस नई सुविधा से स्लीपर कोच में लंबी दूरी तक सफर करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। बेडरोल देने से पहले एजेंसी यात्री का पीएनआर और बर्थ क्रमांक नोट करेगी, उसके बाद बेडरोल देगी। बेडरोल रखने के लिए रेलवे, ठेका एजेंसी को प्रत्येक ट्रेन में दो बर्थ देगा।

इस हफ्ते शुरू कर सकते हैं

स्लीपर कोच में बेडरोल के लिए कंपनी से अनुबंध हो चुका है। सबसे पहले दुर्ग-अंबिकापुर और संपर्क क्रांति में लागू किया गया है। तैयारी पूरी है। हम इस हफ्ते यह सुविधा यात्रियों के लिए शुरू कर सकते हैं।

– **अवधेश कुमार त्रिवेदी,** सीनियर डीसीएम रायपुर\

एमपी से छत्तीसगढ़ को मिले 2000 करोड़, हकदार बनकर सामने आए पेंशनर

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के बीच लंबित लगभग साढ़े 10 हजार करोड़ रुपये की वसूली राशि को लेकर पेंशनरों ने अपनी मांग तेज कर दी है। भारतीय राज्य पेंशनर्स म हा सं घ , छत्तीसगढ़ ने कहा, यह राशि मूलतः पेंशनरों के अधिकार की है। अतः इसका उपयोग प्राथमिकता के आधार पर करते हुए 88 माह से लंबित महंगाई राहत एरियर्स का भुगतान किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश से वसूली में प्राप्त 2000 करोड़ की राशि को राज्य में डीआर एरियर के रूप में पेंशनरों को तुरंत अंतरिम राहत देकर भुगतान करने की मांग की है।

- 88 माह का डीआर एरियर्स भुगतान कर अंतरिम राहत दे सरकार

महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव एवं प्रदेश महामंत्री प्रवीण कुमार त्रिवेदी ने जारी बयान में कहा, बढ़ती महंगाई के इस दौर में पेंशनरों की आर्थिक स्थिति लगातार प्रभावित हो रही है। ऐसे में वर्षों से लंबित डीआर एरियर का भुगतान न होना अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि मध्यप्रदेश से वसूली की जा रही बड़ी राशि का उपयोग पेंशनरों के हित में किया जाए, तो लाखों वरिष्ठ नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें वास्तविक राहत मिल सकेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मध्यप्रदेश से प्राप्त होने वाली राशि की शीघ्र वसूली सुनिश्चित कर उसे पेंशनरों के लंबित 88 माह के डीआर एरियर भुगतान में उपयोग किया जाए, ताकि उन्हें उनका वास्तविक हक मिल सके और महंगाई के इस कठिन समय में राहत प्रदान की जा सके।

जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाए

महासंघ ने यह भी आरोप लगाया कि इतनी बड़ी वित्तीय चूक के बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। केवल बैंक को जिम्मेदार ठहराना इस गंभीर मामले से ध्यान भटकाने का प्रयास प्रतीत होता है। संगठन ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए। पदाधिकारियों ने कहा कि महासंघ वर्ष 2018-19 से लगातार शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करता रहा है, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सोलर से रोशन गांवों में भी बिजली की लाइन पहुंचाने की तैयारी

एमडी भीम सिंह कंवर ने किया कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश क्षेत्र के वनांचल के गांवों में जहां अब तक सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई थी, अब शीघ्र ही मुख्य बिजली लाइन (ग्रिड) से जोड़ा जाएगा। इससे इन गांवों को अस्थाई सोलर व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी और नियमित, स्थाई बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसका जायजा लेने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

श्री कंवर ने बिलासपुर के कोटा वनांचल क्षेत्र के चार गांवों का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का आकलन किया तथा आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित बिजली अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते कोटा वनांचल में स्थित सरगोड़, छुइहया, चिचवा डबरी एवं परसापानी गांवों में पहले सोलर प्लांट के जरिए बिजली पहुंचाई गई थी। किंतु अब बिजली विभाग ने इन गांवों को मुख्य ग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने गांवों में पहुंचकर सर्वे एवं तकनीकी निरीक्षण किया। इस दौरान एमडी श्री कंवर ने कहा, सोलर व्यवस्था एक अस्थाई समाधान था, लेकिन अब इन गांवों को मुख्य बिजली लाइन से जोड़कर स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, अब उन्हें सीमित सोलर बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और वे पंखा, टीवी, मोटर जैसे उपकरणों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। चूंकि ये गांव घने जंगलों से घिरे हुए हैं, अतः वहां तक बिजली लाइन खींचने के लिए फॉरेस्ट क्लीयरेंस की भी आवश्यकता होगी। इस संबंध में अधिकारियों ने श्री कंवर को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने वन विभाग से क्लीयरेंस प्राप्त करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि चारों गांवों के विद्युतीकरण में किसी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान विद्युत कंपनी के अधीक्षण अभियंता एसके जांगड़े, ईई प्रोजेक्ट मिलिंद पाण्डेय, कोटा ईई राजेन्द्र गोंड सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL) AU & PC, CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2576320 & 0771-2576324, website :www.cspc.co.in E-mail:- cecivil.aupc@gmail.com

No. 03-15/W/56 Raipur, date 10.04.2026

SHORT TERM E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned below and having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only for the following work :-

Sl. No.	Tender Specification No.	Description	NIT value i/c GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	Rfx No.
1	CEC/AU&PC /HTPS-KW/ W/2025/146	Ash Utilization by disposal of ash in eco-friendly manner from Ash Dyke Dindolbhata of 1x500 MW Extn., HTPS, CSPGCL Korba West for land development of Bilaspur Municipal Corporation land parcels at Bilaspur Sendri for Proposed CBG Plant and MRF sites (PART-I).	488.21 Lacs	4,88,300/-	03 Months	81000 50632
2	CEC/AU&PC /HTPS-KW/ W/2025/147	Ash Utilization by disposal of ash in eco-friendly manner from Ash Dyke Jhabu of 4x210 MW, HTPS, CSPGCL Korba West for land development of Bilaspur Municipal Corporation land parcels at Bilaspur Sendri for Proposed CBG Plant and MRF sites (PART-II).	438.24 Lacs	4,38,300/-	03 Months	81000 50640

Cost of tender form is Rs. 1180/- (Rs.1000/- + 18% GST). The due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 06.05.2026 (up to 15:00 Hrs) and bid opening date (Techno commercial bids) is 08.05.2026 (up to 16:00) Hrs respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in: 50724/ irj /portal.
Note:- (i) The L-1 bidder shall be decided on overall cost to company basis including GST.(ii) In case, the rate quoted by the bidder is on abnormally lower side, a performance guarantee @5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the bidder.(iii) Maintenance period for the work shall be 12 (Twelve) Months.(iv) Subletting of contract will not be allowed.

//Save Electricity// Chief Engineer (Civil) AU & PC, CSPGCL, Raipur

रजिस्ट्री सं० डी०एल० 33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-08042026-271634
CG-DL-E-08042026-271634
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड-3 उप-खण्ड (ii)
PART-II Section-3 Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1714] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 8, 2026/चैत्र 18, 1948
No. 1714] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 8, 2026/CHAITRA 18, 1948

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2026

का.आ. 1782(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ 642(अ) तारीख 06 फरवरी 2026, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित की गई थी, द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले के गाँव–सेंदरी, गतौरी, तालुक–बिलासपुर मे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 111 (नया रा.रा. 130) के कि.मी. 0.000 से कि.मी. 53.300 तक के भूखण्ड के निर्माण (चौड़ा करने/चार लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के लिए उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3क की उपधारा (3) के अधीन तारीख **"13.02.2026"** को **''हरिभूमि''** और **''द सेन्ट्रल क्रॉनिकल''** दोनों में प्रकाशित किया गया था;

जबकि सक्षम प्राधिकारी को धारा 3-ग के तहत दायर आपत्ति प्राप्त हुई है, जिस पर विचार किया गया है और उसका उचित रूप से निपटान किया गया;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपार्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जन किया जाना चाहिए;

और अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3घ की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले के गांव-सेंदरी, गतौरी, तालुक-बिलासपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 111 (नया रा.रा.130) के कि.मी. 0.000 मे कि.मी. 53.300 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

2507 GI/2026

जिला : बिलासपुर फाइल नंबर: NHAI/LA/14012/01/Notif.-CG/Bilaspur/3D
https://egazette.gov.in शेख अमीन खान, निदेशक
प्रकाशन तिथि: 08/04/2026
https://egazette.gov.in
http://10.192.209.35

नोट : इस अधिसूचना की वास्तविक प्रति सीएएलए/पीआईयू/पीएमयू/आरओ/ईडी के कार्यालय में भी उपलब्ध है और भूमि मालिक वहां भी अधिसूचना देख सकते हैं।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD.No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी. अ.-11042026-271738
CG-CG-E-11042026-271738
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3- उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं.1770] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 10, 2026/चैत्र 20, 1948
No.1770] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 10, 2026/CHAITRA 20, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 10 अप्रैल, 2026
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20 (ड.) के अंतर्गत सूचना

का.आ. 1839 (अ). - केन्द्रीय सरकार ने, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) जिसें इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उपधारा (4) के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (II) में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय की अधिसूचना संख्याँक का. आ. 939 (अ) 20 फरवरी 2026 (जिसें इसमें इसके पश्चात उक्त अधिसूचना कहा गया है) द्वारा उक्त अधिसूचना से उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को, छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में विशेष रेल परियोजना, अर्थात् भालूमुड़ा से गारेपेलमा नई स्पर लाईन परियोजना (17 किमी) के निष्पादन के लिए अर्जित करने के अपने आशय की घोषणा की थी;
और उक्त अधिनियम की धारा 20 क की उपधारा (4) के अधीन उक्त अधिसूचना संख्याँक का. आ. 939 (अ) 20 फरवरी 2026 का सार दैनिक समाचार पत्र, इस्पात टाइम्स (हिन्दी), रायगढ़ संस्करण, 27.02.2026 एवं दैनिक भास्कर (हिन्दी), बिलासपुर संस्करण, 27.02.2026 में प्रकाशित किया गया था;
और निर्धारित समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। सक्षम अधिकारी द्वारा उक्त अधिनियम की धरा 20 (घ) के अनुसार उन पर विचार किया गया और उनका निराकरण किया गया;
और उक्त अधिनियम की धारा 20 ङ की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत कर दी हैं;
अतः अब केंद्रीय सरकार सक्षम अधिकारी से उक्त रिपोर्ट प्राप्त होने पर और रेल अधिनियम 1989 कि धारा 20 (ड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसंलग्न अनुसूची में लिखित भूमि अधिग्रहित की जाती है;
और यह कि केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त अधिनियम कि धारा 20 (ड.) के अनुसरण में यह घोषणा करती है इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपबध्द अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लग्नो से मुक्त होकर केंद्रीय सरकार में आत्यांतिक रूप से निहित हो जाएगी।

ग्राम का नाम :- मिलूपारा, तहसील - तमनार, जिला रायगढ़ (छ. ग.)

क्र. सं.	खसरा नं.	अर्जित रकबे का क्षेत्र (हे.) में	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि स्वामी का नाम
1	108/2 244 308/1 345/1 347/1	0.209 0.065 0.050 0.344 0.110	निजी	कृषि	परसलाल पिता जनकराम, धनसिंह पिता रघुनाथ, शिवकुमार पिता रघुनाथ, दीपमाला पति नीलमणि, प्रेमा पिता नीलमणि, ना बा हंशा पिता नीलमणि, ना बा हर्ष पिता नीलमणि, सेवती पिता रघुनाथ डोलकुंवर पिता रघुनाथ, सुखमती पिता जीवनलाल हारावती पिता जीवनलाल जाति- अघरिया नि. ग्राम भूमिस्वामी
2	246/3	0.045	निजी	कृषि	अशोक वो माधुरी वो तारा पिता मोहितराम केवरावती बेवा मोहितराम पिता चैतराम पिता जीवर्धन जाति- अघरिया सा देह भूमिस्वामी
3	143/2	0.028	निजी	कृषि	धरम सिंह पिता मुनू जाति-रावत सा देह भूमिस्वामी
4	153/7	0.101	निजी	कृषि	हरिशचंद्र पिता तिलकराम जाति-कलंगा सा देह भूमिस्वामी
5	146/7	0.045	निजी	कृषि	बोधन पिता चमार सिंह जाति-कलंगा सा देह वन अधिकार पत्रकधारी

कुल योग :- 0.977 हे.
[फा. सं. सी.ए.ओ./सि/ बी.एस.पी / ईस्ट रेल कॉरीडोर/20E]
मुदित भटनागर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण

MINISTRY OF RAILWAYS
(South East Central Railway)
NOTIFICATION
Bilaspur, the 10th April, 2026
NOTIFICATION UNDER SECTION 20E of THE RAILWAY ACT 1989

S.O. 1839(E). - Whereas by the notification of the Government of India, In the Ministry of Railways (Railway Board) number S.O. 939 (E), dated the **20.02.2026,** published in the Gazette of India (Extra-Ordinary) Part-II section 3 sub section (ii), hereinafter referred toas the said notification) under subsection (1) of 20A of the railway act, 1989 (24 of 1989) (hereinafter referred to as the said Act), the central Government declared its intention to acquire the land specified in the schedule annexed to the said notification for execution of Special Railway Project, namely **BHALUMUDA to GAREPELMA (17 km.)** in the state of Chattisgarh.
And, whereas the substance of the said notification No. 939 (E) was published in the daily Newspapers, **Ispat Times** (Hindi) Raigarh Edition on **27.02.2026** and **Dainik Bhaskar** (Hindi) Bilaspur Edition on **27.02.2026.**
And whereas. **No objections were received within the set time period** and disposed of by the Competent Authority under section 20D of the said act;
And, whereas, in pursuance of subsection (1) of section 20E of the said act, the Competent Authority has submitted his report to the central Government:
Now, therefore, upon receipt of the said report of the Competent Authority, and in exercise of the powers conferred by substation (1) of the section 20E of the said act 1989, the central Government hereby declares that the lands specified in the schedule annexed hereto shall be acquired for the aforesaid purpose;
And, further, in pursuance of subsection (2) of section 20E of the said Act, the Central Government hereby declares that on publication of this notification in the official Gazette, the land specified in the Schedule annexed here to shall vest absolutely in the Central Government free from all Encumbrances.

Name of Village: - Milupara, Tahsil:- Tamnar, Dist:- Raigarh

Sl. No.	Khasra No.	Area of Acquired Land	Type of Land	Nature of Land	Name of Land Owner
1.	108/2 244 308/1 345/1 347/1	0.209 0.065 0.050 0.344 0.110	Pvt.	Agri.	Paraslal father Janakram. Dhansingh father Raghunath, Shivkumar father Raghunath, Deepmala husband Neelmadi. Prema father Neelmadi. Na. Ba. Hansha father Neeelmadi. Na. Ba. Harsh father Neelmadi, Sevti father Raghunath, Indu father Raghunath, Dolkunwar father Raghunath, Sukhmati father Jeevanlal, Harawati father Jeevanlal. Cast- aghariya ni. village bhoomiswami.
2.	246/3	0.045	Pvt.	Agri.	Ashok wo Madhuri wo Tara father Mohitram, Kevrawati bawa Mohitram father Chaitram father Jeevwardhan. Cast- Aghariya sa deh bhoomiswami.
3.	143/2	0.028	Pvt.	Agri.	Dharam singh father munu cast- Rawat sa deh bhoomiswami.
4.	153/7	0.101	Pvt.	Agri.	Harischandra father Tilakram cast- Kalanga sa deh bhoomiswami
5.	146/7	0.045	Pvt.	Agri.	Bodhan father Chamar singh cast- Kalanga sa deh van adhikar patrakdhari.

Total 0-977 Hectare

[F. No. CAO/C/BSP/East Rail Corridor/20E]
MUDIT BHATNAGAR, Chief Administrative Officer (Con.)

एक दिन में 230 वाला शेयर हुआ 1,840 रुपए का, कंपनी की पलटी किस्मत

अमेरिकी शेयर बाजार में हुआ यह अजूबा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

स्टॉक मार्केट में अक्सर चमत्कार होते हैं। ऐसा ही अमेरिकी शेयर बाजार में बुधवार को हुआ। घाटे की वजह से दिवालिया होने की कगार पर खड़ी ऊन के जूते बनाने वाली कंपनी ऑलबड्र्स के शेयर अचानक रॉकेट बन गए। लेकिन फिर एक ऐसा ऐलान हुआ जिसने न केवल कंपनी का नाम बदल दिया, बल्कि इसके गिरते हुए शेयरों को 'रॉकेट' बना दिया। कंपनी का शेयर महज 2.49 डॉलर (करीब 230 रुपए) पर खुला लेकिन शाम को बंद 16.99 डॉलर (करीब 1,840 रुपए) पर हुआ। यानी एक दिन में ही 582 प्रतिशत का उछाल। कंपनी की डूबती नैया को 'एआई' ने ऐसी रफ्तार दी कि रातों-रात निवेशकों की चांदी हो गई और कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी 22 मिलियन डॉलर से उछलकर 150 मिलियन डॉलर हो गया।

■ दिवालिया होने की कगार पर खड़ी थी कंपनी

क्या टिक पाएगी तेजी

बाजार के विशेषज्ञ इस बदलाव को 'अवसरवादिता' मान रहे हैं। स्वतंत्र रिटेल कंसल्टेंट ब्रूस विंडर का मानना है कि यह केवल एआई की मौजूदा 'हाइप' का फायदा उठाने की कोशिश है। जब भी कोई नई तकनीक आती है, डूबती कंपनियां उसका नाम ओढ़कर निवेशकों को रिझाने की कोशिश करती हैं। डॉट-कॉम दौर में कंपनियों ने नाम के पीछे '.com' लगाया था। क्रिप्टो लहर में 'लॉन्ग आइलैंड आइस्ड टी' ने अपना नाम 'लॉन्ग ब्लॉकचेन' कर लिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऑलबड्र्स के पास फिलहाल एआई के क्षेत्र में कोई ठोस अनुभव या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, केवल एक योजना और नया नाम है।

कंपनी की वैल्यूएशन पहले 4 अरब डॉलर थी

ऑलबड्र्स की वैल्यूएशन कभी 4 अरब डॉलर से अधिक हुआ करती थी। लेकिन खराब मांग और घाटे के कारण यह कंपनी महज 22 मिलियन डॉलर की रह गई थी। इसके स्टोर बंद हो रहे थे और भविष्य अंधकारमय लगने लगा था। ऐसे में कंपनी ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया। ऑलबड्र्स ने घोषणा की है कि वह अब जूते नहीं बनाएगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की दुनिया में कदम रखेगी। बस इसी ऐलान ने निवेशकों में जोश भर दिया। ऑलबड्र्स 2021 में बाजार में लिस्ट हुई थी। तब से हर साल इसके शेयर गिरते रहे हैं।

न्यूबर्ड एआई का जन्म

ऑलबड्र्स अब खुद को पूरी तरह से बदलने जा रही है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह अपने फुटवियर बिजनेस को अलविदा कहकर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की दुनिया में उतरेगी। इस नए अवतार में कंपनी का नाम होगा न्यूबर्ड एआई। कंपनी 50 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग के जरिए हाई-परफॉर्मेंस जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदेगी। ऑलबड्र्स का लक्ष्य भविष्य में खुद को एक 'जीपीयू-एज़-ए-सर्विस' और 'एआई-नेटिव क्लाउड सॉल्यूशंस' प्रदाता के रूप में स्थापित करना है।

खबर संक्षेप

फ्लिपकार्ट, उबर ने ग्राहकों को लाभ देने की साझेदारी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और ऑनलाइन कैब बुकिंग की सुविधा देने वाले मंच उबर ने साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत फ्लिपकार्ट के 'सुपरकॉइन्स' रिवॉर्ड कार्यक्रम को उबर की वाहन सेवाओं में एकीकृत किया गया है। बुक प्रत्येक पात्र कैब यात्रा पर अपने किराये का चार प्रतिशत 'सुपरकॉइन्स' के रूप में प्राप्त कर सकते हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी

हांगकांग। चीन की अर्थव्यवस्था में 2026 की पहली तिमाही में तेजी आई और यह सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी। बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। जनवरी-मार्च 2026 के आंकड़े अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहे हैं और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दर्ज 4.5 प्रतिशत वृद्धि से भी अधिक हैं।

पोलारिस स्मार्ट ने बीआईआई से हासिल किया वित्त पोषण

नई दिल्ली। पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग ने कहा कि उसने अपनी इकाई हुगली स्मार्ट मीटरिंग के लिए ब्रिटेन के विकास वित्त संस्थान ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) से 710 करोड़ रुपये का वित्त पोषण हासिल किया है।

शुभ से स्मार्ट तक: अक्षय तृतीया पर रिलायंस ज्वेल्स में खास ऑफर

मुंबई। देश के प्रमुख आभूषण ब्रांड रिलायंस ज्वेल्स ने इस वर्ष अक्षय तृतीया के अवसर पर 'शुभ' परंपरा को 'स्मार्ट' खरीदारी से जोड़ते हुए एक नई पहल की है। ब्रांड ने मूल्य-आधारित ऑफर्स के साथ सोने और हीरे के आभूषणों को आम ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया है। कंपनी द्वारा पेश किए गए ऑफर्स के तहत सोने के गहनों पर मात्र 9 प्रतिशत मेकिंग चार्ज लिया जा रहा है, वहीं हीरे के गहनों में सोने के मूल्य पर 99 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह ऑफर 19 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा, जिससे त्योहार के दौरान ग्राहकों को आकर्षक खरीदारी का अवसर मिल रहा है। नए कलेक्शन में डेली वेयर से लेकर ब्राइडल ज्वेलरी तक की विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसमें बालियां, अंगूठियां, कंगन, चेन, झुमकी, चांदबाली और स्टेटमेंट नेकलेस जैसे पारंपरिक व आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं। यह विविधता ग्राहकों को स्टाइल और बजट के बीच संतुलन बनाने का विकल्प देती है।

विप्रो का मुनाफा 1.89% घटकर 3502 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी विप्रो का बीते वित्त वर्ष की चौथी (मार्च) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,501.8 करोड़ रुपये रहा है। 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,569.6 करोड़ रुपये था। 2025-26 की चौथी तिमाही में उसकी आमदनी 7.6 प्रतिशत बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपये हो गई। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की तुलना में मुनाफे और राजस्व में क्रमशः 12.2 प्रतिशत और 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 93.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम की उम्मीदों के बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 93.23 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने से घरेलू मुद्रा में तेजी आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.29 पर खुला और दिन के कारोबार में डॉलर के मुकाबले 93.16 के ऊपरी और 93.35 के निचले स्तर तक गया।

मजबूत वैश्विक संकेतों से चांदी 1,700 रुपए चढ़ी, सोना टूटा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसकी वजह लगातार मांग और मजबूत वैश्विक रुख था, जबकि निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रम और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर नजर रखे हुए थे।

एसपीएल ने आधी हिस्सेदारी टेक्नॉर एपेक्स को बेची

नई दिल्ली। डीसीएम श्रीराम ने कहा कि वह अपनी अनुषंगी कंपनी श्रीराम पॉलीटेक लिमिटेड (एसपीएल) में अपनी आधी हिस्सेदारी नीदरलैंड की कंपनी टेक्नॉर एपेक्स बी वी को 56 लाख डॉलर में बेचेगी। एक संयुक्त उद्यम में बदल जाएगी। डीसीएम श्रीराम के बोर्ड ने इस सौदे को मंजूरी दे दी है, जिसके 23 अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है।

कार्यालय प्रमुख अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, इन्द्रावती भवन, ब्लाक 4, तृतीय तल, नवा रायपुर, अटल नगर, छत्तीसगढ़
Tel: 0771-2221371, 2221656, E-mail: cg_encphedcg@nic-in

विज्ञापन

क्रमांक 1875 / त.शा.-2/F-116-2026-27/प्र.अ./ लो.स्वा.यां.वि./ 2026, अटल नगर, दिनांक 15/04/2026

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में शिक्षु प्रशिक्षण मण्डल, मुम्बई के निर्देशानुसार अप्रेंटिश एक्ट 1961 (यथा संशोधित) अंतर्गत तेरहवी बैच हेतु सिविल इंजीनियर डिग्री / डिप्लोमा मेकेनिकल इंजीनियर डिग्री / डिप्लोमा, मार्डन ऑफिस मेनेजमेन्ट, डिप्लोमा, बी.ए., बी.कॉम, बी.एस.सी (डिग्री) के लिये कुल 192 प्रशिक्षुओं के चयन बाबत आवेदको से 01 वर्षीय प्रशिक्षण हेतु निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। **ऑनलाईन आवेदन पत्र हेतु दिनांक 01.05.2026 (दोपहर 12:00 बजे) से 15.05.2026 (रात्रि 11:59 तक)** की समयावधि में भरे जा सकेगें। इच्छुक आवेदकों का https://nats.education.gov.in (nats 2.0) वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। विज्ञापन, आवेदन पत्र एवं नियम शर्ते का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://phed.cg.gov.in में देखा जा सकता हैं।

(के.के.मरकाम)
प्रमुख अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
छत्तीसगढ़ नवा रायपुर, अटल नगर

जी. 262700214/1

जिला पंचायत, राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक / 225/जि.प./ए.सु.के./2026-27 राजनांदगांव, दिनांक 15/04/2026

Expression of Interest for the allotment of Multi Utility Centre

Zila Panchayat Rajnandgaon, District Rajnandgaon, Chhattisgarh proposes to operate Multi utility Centre developed in Gram Panchayat Navagaon, Block Rajnandgaon in an outsourced manner. For the per-pose to provide maximum employment opportunities to the people specially women of the region. Hence "Expression of Interest" is here-by invited in the prescribed Performa from reputed, experienced and financially sound agencies, institutions, Farmer producer organiza-tions, firms, companies, individuals etc for the allotment of the Multi Utility Centre Gram Panchayat Navagaon. detailed information cum documents can be seen or downloaded from District Rajnandgaon website https://rajnandgaon.nic.in. or notice board of Zila Panchayat Rajnandgaon.

ZILA PANCHAYAT may, for any reason carry out amendment(s) to this EOI document at any time before or after submission of EOI .Interested parties are advised to visit web site regularly until Bids are opened. Last date for submission of EOI is 18-05-2026 Time: 02:00 PM. The Bids will be opened on 18-05-2026 Time: 3:00 PM.

Chief Executive Officer
Zila Panchayat
Rajnandgaon (CG)

S.- 47533

लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़
(प्रथम तल, सी खण्ड, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर)
(दूरभाष क्रमांक 0771.2331385 फैक्स क्रमांक 0771.2445215, ई-मेल- cg.dpi.dir@gmail.com)

क्रमांक / ESTB-101/207/2025/72 नवा रायपुर, दिनांक 16/04/2026

संक्षिप्त विज्ञापन

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य की ई एवं टी संवर्ग की शासकीय शालाओं में सहायक शिक्षक के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं:-

स.क्र.	नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी	पदनाम	संवर्ग	रिक्तियों की संख्या
1	संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी	सहायक शिक्षक	ई	795
			टी	1497
योग				2292

टीप:- 01. विज्ञापित पदों की आवश्यक शैक्षणिक अर्हतायें, आयु सीमा, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम, पदों का आरक्षण संबंधी विस्तृत विवरण एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ एवं https://eduportal.cg.nic.in पर विस्तृत विज्ञापन में देखे जा सकते हैं। 02. रिक्त पदों की संख्या परिवर्तनीय है। 03. ऑनलाईन आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट पर भरे जायेगें। 04. लिखित भर्ती परीक्षा की संभावित तिथि 11.10.2026 है। 05. उपरोक्त विज्ञापित पदों के लिए की जाने वाली चयन उपरांत नियुक्ति माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर एस.एल.पी. (सी) क्रमांक 019668/2022 में पारित होने वाले अंतिम आदेश / निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

जी. 252600215/2

संचालक लोक शिक्षण छत्तीसगढ़

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://cgeprocurement.gov.in
UADD Portal: http://uadd.cgeprocurement.gov.in

NIT NO: 7211 /RNNTL/City Bus /2026 **RAIPUR DATED: 16/04/2026**

Online bids are invited for the following works up to 15th May 2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work
1	189094	Bus Advertising Services on City Buses running in Raipur to Naya Raipur Chhattisgarh

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in in from **16th April 2026 17.30 Hours** (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. NIT Details and other document.

NOTE:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal., 2. Contractors can contact Help Desk for any clarifi-cation of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

Managing Director
Raipur Nagar Nigam Transport Limited

रेनो भारत को शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल करेगा: सीईओ

चेन्नई। फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो की भारत को अपने शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल करने की योजना है और इसके लिए वह 2030 तक देश में कई ऊर्जा विकल्पों वाले सात मॉडल पेश करेगी। कंपनी के वैश्विक समूह सीईओ फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रोवोस्ट ने यहां कहा कि रेनो भारत में अपने सबसे बड़े उत्पाद नवीनीकरण चरण में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा, /"हम नए वाहन पेश करेंगे और वर्ष 2030 तक अपने पोर्टफोलियो को सात मॉडल तक लेकर जाएंगे। हाल ही में अपने लोकप्रिय मॉडल डस्टर को दोबारा भारतीय बाजार में पेश करने वाली कंपनी ने निर्यात (कलपुर्जों समेत) से 2030 तक सालाना दो अरब यूरो राजस्व का लक्ष्य भी तय किया है।

भारत ने 2025-26 में निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 860 अरब डॉलर के कुल निर्यात के साथ माल एवं सेवाओं के निर्यात में नया रिकॉर्ड बना दिया है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत ने निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया। यह देश के लिए गर्व का विषय है कि भारत ने 2025-26 में निर्यात के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।' इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में कुल माल एवं सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर रहा था। गोयल ने कहा कि यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है, जो देश की आर्थिक मजबूती एवं वैश्विक व्यापार में बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

(TENDER- FIRST CALL)

क्रमांक/572/व.ले.लि./ग्रायांसेवा/2026-27
अम्बिकापुर, दिनांक 15.04.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन (Online) निविदा दिनांक 30.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (लाख में)
1	188946, 188951, 188952, 188953, 188954, 188955, 188956, 188957, 188958, 188959, 188960, 188961, 188962, 188963, 188964, 188965, 188966, 188967, 188969 & 188970	Electrification works Of under zonal tender upto Rs. 30.00 lakh at Janpad Panchayat area Ambikapur Zone No. 01 to 03, Lakhanpur Zone No. 01 to 03, Udaipur Zone No. 01 to 02, Sitapur Zone No. 01 to 02, Batouli Zone No. 01 to 02, Lundra, Zone No. 01 to 03, Mainpat Zone No. 01 to 02 & Municipal Corporation Area Zone No. 01 to 03	40.00 Lakh For Each Tender

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 15.04.2026 से डाउनलोड की जा सकती है।

(अविनाश मिंज)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर

जी. 262700210/5

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कोरबा, वनमण्डल - कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)
Kosabadi Rajgamar Road, Korba, Email:- dfo_korba@yahoo.co.in 7587012300

क्रमांक/राजस्व/2209 कोरबा, दिनांक 13/04/2026

// नीलाम सूचना //

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोरबा वनमंडल के अंतर्गत जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा में रखी गई निम्न विवरण अनुसार वनोपज जलाऊ लकड़ी का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा वन परिक्षेत्र कार्यालय, कुदमुरा उत्पादन से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी, नीलाम दिनांक - 22.04.2026, नीलाम प्रारंभ - प्रात: 09:00 बजे से

वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपो का नाम	प्रजाति	पुराना वनोपज	नया वनोपज	योग
जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	1381 चट्टा	1115 चट्टा	2496 चट्टा
	सागौन जलाऊ	-	4 चट्टा	4 चट्टा
	योग -	**1381 चट्टा**	**1119 चट्टा**	2500 चट्टा
उपभोक्ता डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	50 चट्टा	-	50 चट्टा
नगरीय डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	41 चट्टा	-	41 चट्टा
निस्तार डिपो नोनबिर्रा	सतकठा जलाऊ	-	112 चट्टा	112 चट्टा
	कुल योग-	**1472 चट्टा**	**1231 चट्टा**	**2703 चट्टा**

टीप :- 01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 03. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है। 04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
कोरबा वनमण्डल, कोरबा

जी. 262700206/6

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

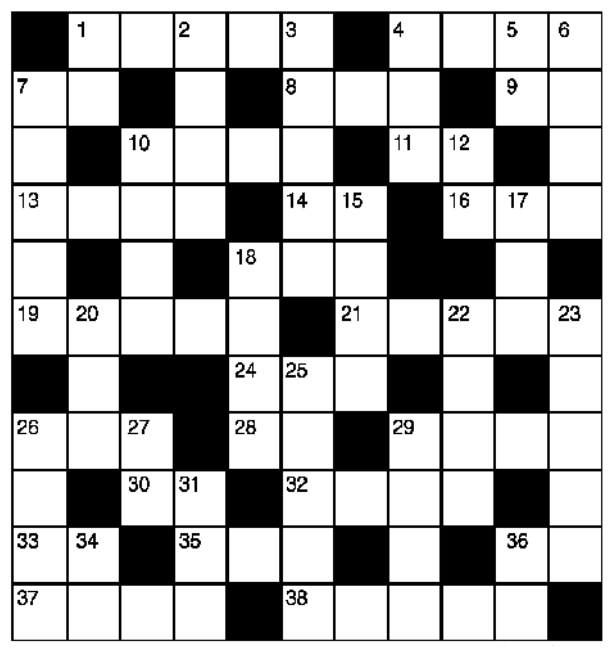

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

शब्द पहेली - 6198

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 6197 का हल

सूडोकु नवताल 6208

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6207 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

खबर संक्षेप

एमएड-बीएड विभागीय प्रशिक्षार्थियों का प्रवेश शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए एमएड और बीएड विभागीय प्रशिक्षण के लिए प्रवेश प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 से एससीईआरटी की वेबसाइट पर शुरू हो गई है। पात्र शिक्षक ऑनलाइन आवेदन इस लिंक के माध्यम से कर सकते हैं, जिसमें चयन वरिष्ठता के आधार पर होगा। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय शंकरनगर के प्राचार्य ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग संवर्ग के जिला शिक्षा अधिकारी, पंचायत विकास विभाग, नगरीय नियोजन विभाग से प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक, शिक्षक, प्रधानपाठक प्राथमिक शाला एवं अपने आवेदन को यथास्थिति संबंधित महाविद्यालय में 7 मई तक जमा करेंगे। तीनों विभाग के अभ्यर्थी एमएड, बीएड प्रशिक्षण के लिए एससीईआरटी की साइट से निर्धारित प्रारूप में प्राप्त कर आवेदन को हार्डकॉपी में आवश्यक दस्तावेजों को संलग्न कर अपने धावार्थ से अग्रेषित 15 से 30 अप्रैल तक तक ऑनलाइन भरेंगे। इस भरे हुए आवेदन का प्रिंटआउट कराकर 7 मई तक अपने संबंधित विद्यालय में जमा करेंगे।

23 गांव में नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन

रायपुर। सहकारिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रायपुर जिले में 23 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पीएसीएस) का पुनर्गठन किया गया है। इन नवीन समितियों का गठन कुकेरा, पथरी, मांढर, पवनी, परसतराई, मालीडीह, बोहारडीह, बनरसी, चरौदा, सेजा, बकतरा, हसदा, उमारपोटी, भरेंगा, अकोलीकला, अमेठी, तोडगांव, समोदा, भुरसुदा, भूमिया, मुनगी एवं तुलसी में हुआ है। नवीन गठित समितियों के माध्यम से किसानों को अब खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि ऋण एवं अन्य आवश्यक सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो सकेंगी, साथ ही किसान अपनी उपज का भंडारण एवं विपणन भी इन समितियों के माध्यम से कर सकेंगे। इससे उन्हें उचित कीमत मिलेगी।

जिलों में प्रभारी महामंत्री नहीं, कार्यालय प्रभारी बनाए जाएंगे

कांग्रेस जिला अध्यक्षों को कार्यकारिणी बनाने 21 अप्रैल तक की मोहलत

एआईसीसी से कार्यकारिणी के लिए 31 सदस्यों की मिली अनुमति, बड़े जिलों में 51 की मांग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत जिलों में अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के तीन माह के अंदर कार्यकारिणी तैयार करने के निर्देश जारी किए गए थे। प्रदेश के 41 संगठन जिलों में 35 ने अपनी कार्यकारिणी की सूची पीसीसी को सौंप दी थी। रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर के शहर व ग्रामीण जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी नहीं बन पाई थी। उन्हें 15 अप्रैल तक सूची जारी करने कहा गया था। अंतिम तारीख बीतने के बाद इनकी कार्यकारिणी नहीं बन पाई, अब उन्हें 21 अप्रैल तक कार्यकारिणी तैयार कर जमा करने कहा गया है। बताया गया है कि प्रदेश संगठन के तहत 80 प्रतिशत से अधिक काम हो गया है, आने वाले दो तीन दिनों में शेष कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

बताया जा रहा है कि जिला कार्यकारिणी के गठन में एआईसीसी के निर्देशानुसार केवल 31 ही सदस्यों की अनुमति मिली है, जिसके चलते ही कार्यकारिणी गठन में लेटलतीफी सामने आ रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और स्थानीय वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बड़े विधानसभा वाले जिलों में सिर्फ 31 सदस्यों की कार्यकारिणी गठन करना मुश्किल है। संगठन के नेताओं में इससे नाराजगी बढ़ेगी, इसलिए लगभग आधा दर्जन जिलों में कार्यकारिणी गठन को रोककर रखा गया है। चर्चा इस बात को लेकर भी है कि कई जिलों में कार्यकारिणी गठन का

पेंच स्थानीय वरिष्ठ नेताओं के खींचतान की वजह से भी फंसा हुआ है। एआईसीसी ने जिला कार्यकारिणी गठन की संख्या 51 से घटाकर 31 सदस्यों तक सीमित कर दी है।

पीसीसी के जिलों में प्रभारी महामंत्री के पद को कार्यालय प्रभारी पद किए जाने के निर्देश के बाद जिला अध्यक्षों में नाराजगी उभरकर सामने आई है। बताया गया कि कंग्रेस के अधिकांश जिलों में पदाधिकारियों की नियुक्ति पूरी हो चुकी है। परंपरागत रूप से जिलों में महामंत्रियों में से एक की प्रभारी महामंत्री बनाया जाता रहा है, ताकि अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संगठन का कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह ने सभी जिलों को पत्र जारी कर प्रभारी महामंत्री के स्थान पर कार्यालय प्रभारी बनाने के निर्देश दिए हैं।

इस निर्देश पर कई जिला अध्यक्षों ने आपत्ति जताई है और अलग-अलग स्तर पर विरोध भी दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि दुर्ग, और रायपुर संभाग के दो-तीन जिला अध्यक्षों ने इस सिलसिले में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व सीएम भूपेश बघेल से मिलकर शिकायत भी की है। ब्लॉक स्तर की नियुक्तियों को लेकर भी जिला अध्यक्षों में असंतोष बना हुआ है। बताया जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं और जब जल्द ही सचिन पायलट से मुलाकात कर कई मुद्दों पर सामूहिक रूप से बात रखी जा सकती है। मलकीत सिंह गेंदू ने कहा कि जिलों में प्रभारी महामंत्री का कोई अधिकृत पद नहीं होता, और गलत तरीके से प्रभार दिए जा रहे थे, इसे दुरुस्त करते हुए कार्यालय प्रभारी बनाने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर उन्हें कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

दफ्तरों में राहत के लिए न कूलर न ठंडा पानी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भीषण गर्मी के बाद भी नगर निगम मुख्यालय, तहसील कार्यालय, पंजीयन सहित विभिन्न सरकारी दफ्तरों में हर दिन लोगों की भीड़ लग रही है। इन दफ्तरों में लोग अपना-अपना काम कराने पहुंच रहे हैं। कई दफ्तरों में तो लोगों को अपना काम कराने में कई घंटे लग रहे हैं, जिसके कारण उन्हें दफ्तरों में या दफ्तर के बाहरी परिसर में इंतजार करना पड़ रहा है। इधर इस भीषण गर्मी से दफ्तरों में आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कूलर तक की व्यवस्था नहीं की गई है। कई दफ्तरों में तो ठंडा पानी का भी इंतजाम नहीं है, जिसके कारण गर्मी और प्यास की दोहरी मार झेलते हुए दफ्तरों में घंटों परेशान होना पड़ रहा है।

कलेक्टोरेट परिसर स्थित रजिस्ट्री दफ्तर के वेटिंग हॉल में आम लोगों के लिए पिछले वर्ष एक लग्जरी कूलर खरीदा गया था। इस कूलर को वेटिंग हॉल में अपनी रजिस्ट्री की बारी का इंतजार करने वाले लोगों के लिए पंजीयन विभाग ने खरीदा था। यह कूलर बिगड़ा पड़ा हुआ है, जिसके कारण यह बंद है। वेटिंग हॉल में बैठे लोग अब सिलिंग पंखे की गरम हवा के नीचे बैठना पड़ रहा हैं। यहां ठंडा पानी की व्यवस्था भी नहीं है, जिसके कारण लोगों को पैसे खर्च कर पानी खरीदना पड़ रहा है। कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में हर दिन लोग बड़ी संख्या में अपनी समस्या और शिकायत लेकर पहुंचते हैं। इस कक्ष में अधिकारी से लेकर कई कर्मचारी भी बैठते हैं। आम इस कक्ष में पहले एसी लगा हुआ था, जो पिछले सालभर से खराब है, वहीं एसी की जगह कूलर लगाया गया है। यह कूलर भी बिगड़ा हुआ है। इस तरह इस कक्ष में बगैर कूलर, एसी के अधिकारी-कर्मचारी सहित आम लोग भी गर्मी से परेशान हो रहे हैं।

नगर निगम मुख्यालय स्थित जन्म-मृत्यु एवं पेंशन शाखा के दफ्तर में भी हर दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इस दफ्तर में भी आम लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कूलर आदि की व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण लोगों को कई घंटे पसीना बहाकर अपना काम कराना पड़ रहा है।

तहसील दफ्तर में भी हर दिन बड़ी संख्या में आम लोगों के अलावा वकील पहुंचते हैं। तहसील दफ्तर में भी कहीं भी आम लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यहीं नहीं यहां ठंडा पानी की व्यवस्था भी नहीं है, जिसके कारण लोगों को पानी पीने के लिए दफ्तर से बाहर जाना पड़ता है। कलेक्टोरेट सहित अन्य लोकसेवा केंद्रों के अलावा जोन दफ्तरों में भी आम लोगों की हर दिन भीड़ लग रही है, लेकिन इन लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

प्रदेश के सिर्फ एक जिले से उठ पाया धान, अभी भी सवा चार लाख टन जमा है उपार्जन केंद्रों में, सूखत का खतरा बढ़ा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले साल नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के बाद से लेकर इस साल अप्रैल का आधा महीना गुजरने के बाद भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो पाया है। हालत ये है कि राज्य के 33 में से केवल एक जिले का ही पूरा धान उठ पाया है। इधर मौसम की तपिश बढ़कर 40 सेंटीग्रेड से उपर तक जा पहुंची है, जाहिर है भीषण गरमी से धान सूखने से वजन कम होगा और उसकी भरपाई सोसाइटी प्रबंधकों के जिम्मे होगी।

राज्य में पिछले साल 15 नवंबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हुई थी, जो जनवरी 2026 तक जारी रही। कायदे से खरीदी पूरी होने के बाद या उसके बाद के दिनों तक पूरा धान उपार्जन केंद्रों से उठा लिया जाना था, लेकिन सरकार और प्रशासन यह काम अब तक पूरा नहीं कर पाया है। सरकार ने 141 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था, लेकिन इस धान में से सवा चार लाख मीट्रिक टन धान अब भी राज्य के 32 जिलों के उपार्जन केंद्रों में जमा है। केवल कोरबा जिले से ही पूरा धान उठाया जा सका है।

इधर राज्य के उपार्जन केंद्रों में धान का हिसाब-किताब निकालने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। हरिभूमि को मिली जानकारी के अनुसार

राज्य के 32 जिलों की सोसाइटियों में जमा है धान, सैकड़ों सोसाइटियों में अभी हिसाब पूरा होना है बाकी

रायपुर जिले के अभनपुर और आरंग क्षेत्र की कई सोसाइटियों में धान की मात्रा में कमी की जानकारी सामने आई है। इसी क्रम में धमतरी जिले की सोसाइटियों में करीब 3 हजार क्विंटल धान का शार्टेज सामने आ चुका है। बताया गया है कि कई सोसाइटियां अभी भी कह रही हैं कि उनके यहां धान का स्टॉक है, इस पूरा धान का परिवहन होने के बाद हिसाब-किताब करना चाहिए। यह भी पता लगा है कि सरकार ने अतिशेष धान की नीलामी करनी है, इसलिए भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव फिलहाल रोक दिया गया है, नीलामी होने के बाद खरीदार खुद धान उठाकर ले जाएंगे।

सूखत का खतरा प्रबंधकों के सिर

इधर राज्य में सोसाइटियों के प्रबंधकों और धान खरीदी के प्रभारियों की चिंता इस बात को लेकर बढ़ती जा रही है कि धान में सूखत या शार्टेज की कीमत उनसे वसूली जाएगी। पिछले वर्ष भी यह देखा गया कि जिन सोसाइटियों में शार्टेज आया है, वहां डीएमओ ने निर्देश दिए कि प्रबंधक या खरीदी प्रभारी शार्टेज का बराबर धान जमा कराएं, या उसकी कीमत अदा करे, यह दोनों काम न करने वालों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर करवाई गई थी। कई सोसाइटियों के लोगों को फरार होने की नौबत भी आई, यह मामला फिलहाल बिलासपुर हाईकोर्ट में लंबित है। इसी प्रकार की नौबत एक बार फिर 2025-26 के खरीफ सीजन में बनती नजर आ रही है।

आईपीएस विकास कुमार एनआईए में बनाए गए एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर कमिश्नरेट में डीसीपी (ट्रैफिक-प्रोटोकॉल) के पद पर तैनात 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनआईए में पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

कार्यालय नगर पंचायत घरघोड़ा जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

Email ID-cmogharghoda@gmail.com Pin-496111

क्रमांक/63/न.पं./ लो.नि.वि./2025-26 **मैनुअल पद्धति प्रथम निविदा सूचना** घरघोड़ा, दिनांक 13/04/2026

नगर पंचायत, घरघोड़ा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु शासन मद/अधोसंरचना मद/जोनल कार्य अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रचलित रोड/बिल्डिंग SOR 2025/इलेक्ट्रीकल्स 2020/ दर पर नियम / शर्त अनुसार निम्नलिखित कार्य के लिये इच्छुक फर्म या अधिकृत विक्रेता/निर्माणकर्ताओं/प्रदायकर्ताओं को निम्नांकित वस्तुओं/ सेवाओं की आपूर्ति/कार्य हेतु मुहर बंद निविदाएं अ, ब, स में पंजीकृत अथवा स्पीट पोस्ट से आमंत्रित की जाती है :-

1. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय : 05/05/2026 अपरान्ह 4:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि एवं समय : 08/05/2026 अपरान्ह 4:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समय : 12/05/2026 अपरान्ह 4:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 13/05/2026 अपरान्ह 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. लाख	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.
1	वार्ड क्र. 01 में हीरा लाल घर से नाला मार्ग की ओर सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	5.01	5000	750
2	वार्ड क्र. 03 में रेशम घर से अघन घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	3.75	4000	750
3	वार्ड क्र. 04 व 05 में पिंटू बंसे घर से राजू साहू घर तक बी.टी. रोड़ निर्माण कार्य।	8.33	8500	750
4	वार्ड क्र. 08 में बिजली ऑफिस के पीछे से मेन रोड़ तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	9.94	10000	750
5	वार्ड क्र. 09 में मुक्तिधाम दाह स्थल तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	4.32	4500	750
6	वार्ड क्र. 09 में बस स्टैण्ड में शेड निर्माण कार्य।	5.85	6000	750
7	वार्ड क्र. 11 में डॉ. दिलीप गुप्ता घर से जुगनू चौक की ओर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	2.88	3000	750
8	वार्ड क्र. 13 में मुख्य मार्ग से बाबू ठाकुर घर तक पाथवे निर्माण कार्य।	5.72	6000	750
9	वार्ड क्र. 15 में किरोड़ी शर्मा होटल के पीछे से शंकर मंदिर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	6.25	6500	750
10	वार्ड क्र. 04 में अम्बेडकर चौक से ईश्वर लहरे घर तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	8.33	8500	750
11	वार्ड क्र. 07 में मेन रोड़ से कोल्टू घर तक पाथवे निर्माण कार्य।	1.95	2000	750
12	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जोनल कार्य वार्ड क्र. 01 से 07 तक रोड एस.ओ.आर एवं बिलडिंग एस.ओ.आर निर्माण कार्य।	9.50	9500	750
13	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जोनल कार्य वार्ड क्र. 08 से 15 तक रोड एस.ओ.आर एवं बिलडिंग एस.ओ.आर निर्माण कार्य।	9.50	9500	750

1. निविदा की अन्य नियम शर्ते कार्यालयीन दिवस व समय में कार्यालय से अवलोकन किया जा सकता है।
2. उक्त तिथियों में अवकाश होने की स्थिति में कार्यवाही आगामी कार्य दिवस पर किया जावेगा एवं आवेदन शुल्क 100/- रसीद के माध्यम से लिया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत घरघोड़ा

धधका रायपुर, 43 डिग्री का टार्चर

रायपुर। प्रदेश के मध्य क्षेत्र में आगामी तीन दिन भीषण गर्मी वाले रहेंगे। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार, मध्य क्षेत्र अर्थात रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में इस दौरान ग्रीष्म लहर चलने की आशंका है। गुरुवार को रायपुर का अधिकतम तापमाल 43 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक है। इसी तरह न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक 27.9 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश में सर्वाधिक गर्म राजनांदगांव रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। आने वाले तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की वृद्धि होगी। 20 अप्रैल से लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है। इस दौरान तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट आएगी। मौसम विभाग ने हीट वेव से बचने के लिए सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। बच्चे-बुजुर्गों को आवश्यकता ना होने पर घर से नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक / 159/वि.वि./न.पा.नि./ 2026 अम्बिकापुर, दिनांक... 10/4/2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-

वित्तीय वर्ष 2026-27 में निकाय क्षेत्रांतर्गत स्थित विभिन्न स्थानों एवं भवनों में आंतरिक / बाह्य विद्युतीकरण कार्य लागत राशि रूपये 50.00 लाख के कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा (System Tender No 188782) आमंत्रित की गई है। निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & विभाग के पोर्टल https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

सहायक शिक्षक के 2292 पदों के लिए विज्ञापन जारी

परीक्षा 11 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित, व्यापमं लेगा परीक्षा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। शासन द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में सहायक शिक्षक, शिक्षक व व्याख्याता के 5 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की गई थी। इनमें से सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करते हुए प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है, जबकि शिक्षक और व्याख्याता पदों के लिए अभी इंतजार करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उक्त रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं। इन पदों में से 795 पद ई-संवर्ग की शालाओं तथा 1497 पद टी-संवर्ग की शालाओं में भरे जाएंगे। उक्त पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा एवं अन्य शर्तें भी निर्धारित कर दी गई हैं।

> ■ 5 हजार शिक्षकीय पदों पर होनी है भर्ती, व्याख्याता के लिए अभी इंतजार

व्याख्याता एवं शिक्षक भर्ती के लिए पृथक विज्ञापन

लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक नारायण बंजारा ने बताया, विस्तृत विज्ञापन छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट एवं स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम भी व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इन पदों के लिए लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा किया जाएगा, जिसकी संभावित तिथि 11 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि संबंधी जानकारी व्यापम द्वारा पृथक से जारी की जाएगी। व्याख्याता एवं शिक्षक के पदों पर भर्ती के लिए पृथक से विज्ञापन भी जारी किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि वितरण केन्द्र लमगांव अंतर्गत विभिन्न वितरण केन्द्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु लमगांव एवं दरिमा, महामाया अम्बिकापुर उपकेन्द्र एवं 11 के.व्ही फीडरों में विद्युत लाईनों एवं उपकरणों का प्री मानसून हेतु आवश्यक अनुरक्षण एवं रखरखाव कार्य कराया जाना है, जिसके लिए लमगांव वितरण केन्द्र अधीनस्थ समस्त उपकेन्द्र एवं विभिन्न फीडरों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी जिसके लिए निम्नानुसार तिथि एवं समय निर्धारित है:-

क्र.	दिनांक	समय	उपकेन्द्र	11 के.व्ही. फीडर	विद्युत आपूर्ति हेतु प्रभावित क्षेत्र
01	18.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. लमगांव फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली 11 के.व्ही. लमगांव फीडर से संबंधित समस्त ग्राम।
02	19.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. चोरकीडीह फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली 11 के.व्ही. चोरकीडीह फीडर से संबंधित समस्त ग्राम।
03	20.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. बटवाही फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली 11 के.व्ही. बटवाही फीडर से संबंधित समस्त ग्राम।
04	21.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. सिलसिला प्लांट फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली 11 के.व्ही. सिलसिला फीडर से संबंधित समस्त
05	22.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	33/11 के.व्ही. रघुनाथपुर (ग्रामीण) फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. फीडर से संबंधित समस्त ग्राम।
06	23.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. रघुनाथपुर (टाउन) फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली 11 के.व्ही.
07	24.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव	11 के.व्ही. कोट-गंगापुर फीडर	33/11 केव्ही उपकेन्द्र लमगांव से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. कोट-गंगापुर फीडर से संबंधित समस्त ग्राम।
08	25.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही सबस्टेशन दरिमा	11 के.व्ही. करजी फीडर	33/11 के.व्ही उपकेन्द्र दरिमा से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. करजी फीडर से संबंधित समस्त ग्राम
09	26.04.2026	प्रातः 09.00 से दोपहर 03.00 बजे तक	33/11 केव्ही सबस्टेशन महामाया अम्बिकापुर	11 के.व्ही. फिल्टर प्लांट फीडर	33/11 के.व्ही उपकेन्द्र महामाया अम्बिकापुर से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. फिल्टर प्लांट फीडर से संबंधित समस्त ग्राम

नोट- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

- स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाएँ -
"विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है"

कार्यपालन यंत्री (सं/सं) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.अंबिकापुर

एनएमडीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उद्यम)
"खनिज भवन", 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद-500028
कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN) - L13100TG1958GO1001674

कार्य प्रभाग
अनुबंध विभाग

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक "नवरत्न" सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, एनएमडीसी लिमिटेड, निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी घरेलू बोलीदाताओं से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करती है। विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेजों की प्रासंगिक तिथियां भी नीचे दी गई हैं:

क्र. सं.	कार्य का नाम	टीई क्रमांक [एमएसटीसी संदर्भ क्रमांक]	बोली दस्तावेज देखने/डाउनलोड करने की तिथि (से-तक)	बोली-पूर्व बैठक की तारीखें
1.	बाचेली, छत्तीसगढ़, भारत में स्थित डिपॉजिट 5 की क्षमता विस्तार हेतु 10 मीट्रिक टन प्रति वर्ष अयस्क पेराई, स्क्रीनिंग, परिवहन और संबंधित सेवाओं एवं अवसंरचना सुविधाओं के लिए- **पैकेज बीई-1ए**	एचओ (अनुबंध) / बीई / पैकेज -01ए/ डिप. 5/2026/316 दिनांक 16.04.2026 **[एनएमडीसी/प्रधान कार्यालय/अनुबंध/3/26-27/ ईटी/49]**	**16-04-2026 से 15-05-2026 तक**	**27/04/2026 & 08/05/2026**
2.	बाचेली, छत्तीसगढ़, भारत में 5 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) भंडार-10 और 3 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) भंडार-11ए लौह अयस्क पेराई, स्क्रीनिंग, परिवहन और क्षमता विस्तार के लिए संबंधित सेवाएं और अवसंरचना सुविधाएं- **पैकेज बीई-1बी**	एचओ (अनुबंध)/बीई/पैकेज -01बी/ डिप. 10&11 ए/2026/319 दिनांक 16.04.2026 **[एनएमडीसी/प्रधान कार्यालय/अनुबंध/4/26-27/ईटी/50]**	**16-04-2026 से 15-05-2026 तक**	**27/04/2026 & 08/05/2026**
3.	बाचेली, छत्तीसगढ़, भारत में क्षमता विस्तार के लिए डाउनहिल कन्वर्जन सिस्टम, स्क्रीनिंग प्लांट, स्टॉकपाइल, यार्ड उपकरण, रैपिड वैगन लोडिंग सिस्टम और संबंधित सेवाएं- **पैकेज संख्या बीई-01सी**	एचओ (अनुबंध)/बीई/पैकेज-01सी /बीसीएच / 2026 / 320 दिनांक 16.04.2026 **[एनएमडीसी/प्रधान कार्यालय/अनुबंध/5/26-27/ईटी/51]**	**16-04-2026 से 15-05-2026 तक**	**27/04/2026 & 08/05/2026**

विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेज निम्नलिखित वेबसाइट लिंक से देखे और/या डाउनलोड किए जा सकते हैं:
1. एनएमडीसी वेबसाइट: http://www.nmdc.co.in
2. केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपी पोर्टल) http://www.eprocure.gov.in/epublish/app
3. एमएसटीसी पोर्टल-https://www.mstcecommerce.com/eprocn/

एमएसटीसी पोर्टल से बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए, बोलीदाता को एमएसटीसी वेबसाइट लिंक https://www.mstcecommerce.com/eprocn/and पर जाना होगा और **ऊपर दी गई तालिका** में उल्लिखित निविदा कार्यक्रम संख्या को खोजना होगा।

प्री-बिड मीटिंग एनएमडीसी के कार्यालय में बिड डेटा शीट (बीडीएस) के खंड 5 के अंतर्गत क्रमांक 15 में दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे एमएसटीसी लिमिटेड की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन अपनी बोलियां जमा करें। ऑनलाइन बोली जमा करने का विवरण एनआईटी में दिया गया है। बोलीदाताओं को भविष्य में किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र के लिए एनएमडीसी की वेबसाइट/सीपीपी पोर्टल/एमएसटीसी वेबसाइट पर नियमित रूप से जाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है:

1) श्री एमएसएसएन मूर्ति, वरिष्ठ महाप्रबंधक प्रभारी (एनएमडीसी विस्तार परियोजना), एमईकॉन लिमिटेड, रांची, दूरभाष संख्या: +91-9431708649, ईमेल: **murthy_mssn@meconlimited.co.in**
2) वरिष्ठ प्रबंधक (ई)/अनुबंध, एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद, दूरभाष संख्या: +91-040-23533536, ईमेल: **contracts@nmdc.co.in**

कृते-एनएमडीसी लिमिटेड
कार्यकारी निदेशक, (कार्य)

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोदी की गारंटी-...

संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जो भी इसका विरोध करेंगे उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। लोकसभा में बोलते हुए मोदी ने कहा कि हम सब भाग्यवान हैं कि ऐसे महत्वपूर्ण और देश की आधी आबादी को नीति निर्धारण प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाने का अवसर मिल रहा है। लोकसभा में चर्चा करने और पारित करने के लिए संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए।

लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप इसका विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि इसका मुझे राजनीतिक लाभ होगा लेकिन साथ चलेंगे तो किसी को भी नहीं होगा। इसलिए हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही यह पारित हो जाए मैं विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद करने के लिए तैयार हूं। क्रेडिट आप ले लीजिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के जीवन में कुछ महत्वपूर्ण पल आते हैं और उस समय समाज की मनःस्थिति और नेतृत्व क्षमता उस पल को कैप्चर करके एक राष्ट्र की अमानत और धरोहर बना देती है। संसदीय इतिहास में आज ऐसा ही एक पल है। नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन पर कहा कि हम किसी भ्रम में न रहें, हम किसी अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं। यह उसका हक है। हमने कई दशकों से उसे रोका है, आज उसका प्रायश्चित करके हमारे लिए उस पाप में से मुक्ति पाने का अवसर है। संसद की इस तीन दिवसीय बैठक के दौरान 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (महिला आरक्षण कानून) में संशोधन कर इसे 2029 तक लागू करने का प्रावधान किया जा रहा है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

महिलाओं की उम्मीदवारी कितनी

एडीआर की तरफ से लोकसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवारों का जो विश्लेषण किया गया था, उसके मुताबिक 2024 में कुल 8,360 उम्मीदवार चुनाव में खड़े हुए थे। इनमें से महज 800 महिलाएं थीं। यानी कुल 9.60 फीसदी। इतना ही नहीं 543 लोकसभा सीटों में से 152 यानी करीब 28 फीसदी सीटों पर एक भी महिला प्रत्याशी के तौर पर नहीं उतरी। राष्ट्रीय दलों में भाजपा ने 16 फीसदी महिलाओं को टिकट दिया। इसके बाद कांग्रेस और माकपा (13-13%) और बसपा आठ फीसदी का स्थान रहा। आम आदमी पार्टी ने एक भी महिला उम्मीदवार को मौका नहीं दिया था।

विधानसभाओं के आंकड़े

वर्तमान राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की विधानसभाओं में महिलाओं की उम्मीदवारी 10 फीसदी के करीब रही। इन राज्यों के कुल 43,348 उम्मीदवारों में से केवल 4,295 (10%) महिला उम्मीदवार थीं। देश भर के 4,123 विधानसभा क्षेत्रों में से 1,698 (41%) निर्वाचन क्षेत्रों में एक भी महिला उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा। किसी भी राज्य में महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत 15% से ज्यादा नहीं रहा। सबसे अधिक महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत दिल्ली (14%), ओडिशा (14%) और छत्तीसगढ़ (13%) में देखा गया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा में भी यह प्रतिशत क्रमशः 13% और 12% रहा। सबसे कम महिला उम्मीदवारों की हिस्सेदारी नगालैंड (2%), अरुणाचल प्रदेश (5%) और जम्मू-कश्मीर (5%) में रही।

क्या पहले नहीं हुई इसके लिए कोशिशें?

1996 में केंद्र की देवेगौड़ा सरकार ने पहली बार संसद में महिला आरक्षण बिल पेश किया था, लेकिन बिल पास नहीं हुआ था।

1998-2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने कई बार प्रयास किए , लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते बिल पास नहीं हो सका था।

2010 में मनमोहन सिंह की सरकार के समय महिला आरक्षण बिल राज्यसभा से पास हुआ, लेकिन लोकसभा में अटक गया था।

2023 में नरेंद्र मोदी सरकार ने नए संसद भवन में पारित कराया।

अब संसद में पेश क्यों हो रहा है?

केंद्र सरकार ने संशोधन विधेयक में परिसीमन को साल 2011 की जनगणना से जोड़कर और 2026 के बाद वाली जनगणना की अनिवार्य शर्त को हटाकर इसे फास्ट ट्रैक कर दिया है। इसके साथ ही सीटों की संख्या बढ़ाकर इसे राजनीतिक रूप से अधिक स्वीकार्य बनाया गया है ताकि पुरुष सांसदों की सीटें भी न छिनें।

कब से लागू होगा?

केंद्र सरकार का लक्ष्य महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरी तरह लागू करना है। आज संसद के विशेष सत्र में विधेयक पेश कर दिए गए हैं और कल यानी 17 अप्रैल को इन पर वोटिंग होगी।

महिलाओं का राजनीतिक ...

है कि लोकसभा में हो रही चर्चा महिला आरक्षण विधेयक पर ही नहीं है, बल्कि परिसीमन पर भी है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस 'राजनीति की बू' का जिक्र किया, वह इस विधेयक में पूरी तरह घुली हुई है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार यह विधेयक लाई है क्योंकि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भागीदारी नहीं देना चाहती है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर यह विधेयक पारित होता है तो समझ लीजिए कि देश में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर प्रधानमंत्री ने यह ऐतिहासिक कदम ईमानदारी से उठाया होता तो पूरा सदन इसका समर्थन करता। उन्होंने कहा, अगर आप (प्रधानमंत्री) महिलाओं का सम्मान करते हैं तो महिलाओं का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं करते तथा यह कदम आपके पद और गरिमा के अनुकूल नहीं है।

छत्तीसगढ़ में 28...

चाहिए। पिछड़े वर्ग की महिलाओं को प्रतिनिधित्व न मिलने पर उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया से वंचित रहने का खतरा बताया गया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और पंचायत-नगर निकायों में लागू आरक्षण का हवाला देते हुए यह मांग रखी गई थी कि उसी तर्ज पर संसद और विधानसभाओं में भी समावेशी आरक्षण लागू किया जाए।

बॉयलर विस्फोट, वेदांता...

झुलस गए, जिनमें से 20 लोगों की मौत हो गई। वहीं घटना में गंभीर रूप से घायल 16 श्रमिकों को खरसिया, रायगढ़, बिलासपुर और रायपुर के अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। इधर इस मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी कलेक्टर सक्ती ने दिए हैं। प्रारंभिक जांच के उपरांत उपलब्ध साक्ष्यों एवं तकनीकी रिपोर्टों के आधार पर घटना में लापरवाही परिलक्षित हुई है। उक्त परिस्थितियों के आधार पर पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देश पर वेदांता कंपनी के प्रबंधक देवेन्द्र पटेल सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रथम दृष्टया लापरवाही परिलक्षित होने पर थाना डभरा में अपराध क्रमांक 119/2026, धारा 106(1), 289, 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

तकनीकी विशेषज्ञों के साथ विस्तृत विवेचना

पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर कंपनी के निदेशक समेत 19 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा तकनीकी विशेषज्ञों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत विवेचना की जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उक्त प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के नेतृत्व में टीम गठित की है। टीम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुमित गुप्ता, फोरेंसिक अधिकारी सृष्टि सिंह एवं थाना प्रभारी डभरा राजेश पटेल होंगे।

कांग्रेस की जांच टीम ने प्लांट पहुंच कर लिया जायजा

हादसे में 20 मजदूरों की मौत के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जांच टीम बनाई गई है। कांग्रेस का जांच दल 16 अप्रैल को प्लांट पहुंचा। जांच दल के संयोजक पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के साथ ही नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज और कई विधायक प्लांट पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर टीम ने स्थिति का जायजा लिया। कांग्रेस जांच दल ने प्लांट और प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा कर घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

प्रारंभिक जांच में...

उपकरणों के रख-रखाव तथा संचालन संबंधी मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया। उपकरणों की देखरेख में लापरवाही एवं संचालन में उपेक्षा के कारण बायलर के दबाव में अचानक उतार–चढ़ाव आया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुर्घटना घटी। उपलब्ध साक्ष्यों एवं तकनीकी रिपोर्टों के आधार पर घटना में लापरवाही परिलक्षित हुई है।

61 नक्सलियों को...

डिफ्यूज करते हुए टीम पहाड़ के उपर चढ़ रही थी। सप्ताह भर ऊपर चढ़ने के बाद पहाड़ के ऊपर पहुंचे। इस दौरान नक्सलियों के साथ कई बार मुठभेड़ हुआ और टीम के साथ तीन नक्सलियों के शव के अलावा भारी मात्रा में विस्फोटक, लेथ मशीन, डीजल पेट्रोल के कंटेनर व अन्य सामान बरामद किए गए। 8 मई को ऑपरेशन पूरा करने के बाद टीम वापस करेंगुट्टा हिल्स से नीचे आ रही थी। पहाड़ से लगभग सौ मीटर उतरने के दौरान 9 मई को पत्थर के नीचे प्लांट किए गए आईईडी में विनोद का पैर पड़ गया और जोरदार विस्फोट के साथ वह लगभग 10 मीटर दूर जा गिरे। इस हादसे में उनका उनका दाहिना पैर 64 प्रतिशत क्षतिग्रस्त हो गया और उनके दाहिने कान का पर्दा भी फट गया। टीम के अन्य सदस्यों की मदद से उन्हें वापस करेंगुट्टा हिल्स के ऊपर ले जाया गया। इसी दौरान एक अन्य आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आए डीआरजी दंतेवाड़ा का जवान संतोष भी गंभीर रूप से घायल हो गया था।

भाई बनसिंग नाग को पुलिस में भर्ती कर अधूरे सपने को पूरा करना ध्येय- राजेन्द्र कुमार नाग ने बताया कि वे मूलतः छिंदगढ़ तहसील के बकुलाघाट ग्राम के रहने वाले हैं। 15 मार्च 2021 को वे सुकमा जिला बल में भर्ती हुए थे। इसके बाद राजनांदगांव में प्रशिक्षण लेने के बाद 2022 में डीआरजी का हिस्सा बने। इस दौरान वे कई मुठभेड़ में अपनी टीम के साथ शामिल रहे। नक्सलियों के साथ हुए पिड़िया मुठभेड़ में 12 नक्सली, भेज्जी मुठभेड़ में 10 नक्सली, बीजापुर के कोण्डापल्ली में 12 नक्सली, भण्डारपदर मुठभेड़ में 10 नक्सली तथा सुकमा के केरलापाल थाना क्षेत्र में हुए मुठभेड़ में 17 नक्सली ढेर हुए थे। विनोद ने कहा कि अब उनका पैर टूट चुका है जिससे वे अब ऑपरेशन में शामिल नहीं हो सकते और अपने इस अधूरे सपने को पूरा करने के लिए अपने छोटे भाई बनसिंग को भी पुलिस में भर्ती कराने का उनका सपना है। वर्तमान में गांव में माता पिता खेती किसानी करते हैं। वहीं बहन जयमती व राजमती नाग भाई बनसिंग के साथ काम में हाथ बंटाती हैं।

भीषण गर्मी ने...

तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। भीषण गर्मी बढ़ने के पूर्व ही विद्यालयों के समय में परिवर्तन कर दिया गया था। स्कूलों को आदेश दिए गए थे कि वे 11.30 के पश्चात कक्षाएं संचालित ना करें। बीते कुछ दिनों में तेजी से बढ़ी गर्मी के कारण सुबह 10 बजे भी गर्म हवा के थपेड़ों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। विशेषकर छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।इन हालातों को देखते हुए विद्यालयों में समय पूर्व ही अवकाश घोषित कर दिया गया है।

इजराइल और ...

पर जोर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल और लेबनान के नेताओं को 1983 के बाद पहली बार होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता के लिए व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में संघर्षविराम की घोषणा की और कहा कि यह लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई 'उत्कृष्ट' बातचीत के बाद हुआ है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य लोगों को इजराइल और लेबनान के साथ मिलकर 'स्थायी शांति स्थापित करने' का निर्देश दिया है।

मोदी और मैक्रों ने ...

की थी तथा पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपनी 'साझा चिंताओं' और संवाद तथा कूटनीति की ओर लौटने की आवश्यकता पर चर्चा की थी।

नितिन नबीन समेत...

दलों के तीन सदस्य शामिल हैं। शेष पांच सदस्य कांग्रेस से हैं। शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में असम से भाजपा के तेराश गोवाला और जोगेन मोहन, यूपीपी(एल) के प्रमोद बोरो, बिहार से राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के उपेंद्र कुशवाहा, भाजपा के शिवेश कुमार, छत्तीसगढ़ से भाजपा की लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस की फूलो देवी नेताम, हरियाणा से कांग्रेस के करमवीर सिंह बौद्ध और भाजपा के संजय भाटिया, हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस के अनुराग शर्मा, महाराष्ट्र से भाजपा के विनोद श्रीधर तावड़े, ओडिशा से भाजपा के सुजीत कुमार, तेलंगाना से कांग्रेस के डॉ अभिषेक मनु सिंघवी तथा वेम नरेन्द्र रेड्डी शामिल हैं। इन सभी के शपथ लेने पर सदस्यों ने मेजें थपथपा कर इनका स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में टॉप...

अंक प्राप्त कर राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है। डीपीएस दुर्ग के बेहतर परिणाम से पूरे स्कूल प्रबंधन में खुशी का माहौल है। स्कूल की प्रिंसिपल पुनीता नेहरू ने बताया कि 10वीं बोर्ड में उनके डीपीएस दुर्ग का परिणाण शतप्रतिशत रहा। विद्यालय से इस परीक्षा में कुल 234 विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें 184 छात्र प्रथम श्रेणी में पास हुए हैं। 45 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। 51 विद्यार्थियों ने 80-90 प्रतिशत के बीच अंक हासिल किए हैं। अथर्व ने 99.4 प्रतिशत और दिव्या ने 99.2 प्रतिशत अंक और जायडेन ने 98.2 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है।

इसके साथ ही 5 छात्रों ने संस्कृत विषय में, तीन ने जर्मन, 7 ने आर्टिफिशियल इंटेलजेंस, 7 ने गणित एसटीडी, 1 ने विज्ञान, 7 ने सामाजिक विज्ञान और दो छात्रों ने उर्दू विषय में शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। प्रिंसिपल पुनीता नेहरू ने दोनों टॉपर्स को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 6 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुंछ जाए तो पुनः लगा दे।
HMS शिव मस्सा नाशक

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलासपुर में अग्रवाल लॉज में मैनेजर/ऑलराउंडर सुपरवाइजर 1पद (25वर्ष से अधिक) काम करने योग्य (वेतन 12000) एवं अनुभवी बिजली मिस्त्री (वेतन योग्यता अनुसार) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898 (40522)

आवश्यकता है- अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक में महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से रात 8बजे तक, डॉक्टर अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक, सन्तोष लॉज के बगल में, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911052 (40575)

आवश्यकता है- अम्बिकापुर शंकरगढ़ एवं बिलासपुर में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु अनुभवी सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9827180841, 6268490010 (40570)

आवश्यकता है- अनुभवी सिविल इंजीनियर (BE Civil) की जो साईट पर काम करा सके, अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री गणेश कंस्ट्रक्शन राजीव प्लाजा बिलासपुर 93019 22223 (40572)

आवश्यकता है-शिवांगी ऑइल्स प्राइवेट लिमिटेड में बॉयलर ऑपरेटर, ऑफिस कार्य हेतु टेली, एमएस एक्सल अनुभवी डाटा एंट्री ऑपरेटर युवक/ युवती चाहिए वेतन योग्यता अनुसार अनुभव 5-7 वर्ष सम्पर्क समय 12बजे से शाम 6बजे तक 93037 90515, 9669365848 (40549)

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कम्पनी में नहर कार्य हेतु कटघोरा में सिविल इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर एवं जेसीबी ऑपरेटर, एजाक्स ऑपरेटर की तत्काल आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9926900549 (40528)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual/ Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 (40573)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए वेतन 11000 से 13000 (समय सुबह 8बजे से शाम 8बजे) पता- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 (40574)

आवश्यकता है- सीबीएसई स्कूल में PGT, TGT, PRT, Pre Primary (बीएड अनिवार्य) टीचर्स, हिन्दी टाइपिस्ट एवं आया दीदी की आवश्यकता है। सम्पर्क- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 9109139971, 9301275222 (40562)

आवश्यकता है- भवानी ट्रेडर्स चकरभाठा बिलासपुर (एशियन पेंट्स, एसीसी सीमेन्ट, गोयल टीएमटी अधिकृत डीलर) को 12 पद हेतु टैली ऑपरेटर, फ्लोर मैनेजर, कलेक्शन बॉय, सेल्स एग्जिक्यूटिव, स्टोर टीम, डिस्पैच सुपरवाइजर चाहिए। वेतन 5000 से 25000, रिज्यूम व्हाट्सएप करें- 94255 44397 (40564)

आवश्यकता है-बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट) प्लास्टर कॉन्ट्रैक्टर, शटरिंग लोहार, टाइल्स कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9589000659, 79992 45462, 7970010956, 7970010973 (40550)

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें-शॉप नम्बर FS16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (40560)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार (समय सुबह 10am-7pm, रात 10pm-6am) सम्पर्क- साइंस कॉलेज के पास, सरकंडा 90747 41377 (40578)

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़कों की। लड़को के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (10वी, 12वीं) सम्पर्क- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (40577)

आवश्यकता है-राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने ऑफिस विस्तार हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है जो शहर से बाहर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश मे रहकर काम कर सके वेतन 12000 रहना खाना नियुक्ति फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करे 9755577072, 7999114133 (401)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल थ्रीव्हीलर शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव 6 पोस्ट (युवक, युवतियां) एवं टेक्नीशियन 6 पोस्ट चाहिए वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- मालवा टीवीएस मेन रोड व्यापार विहार बिलासपुर 8827948333, 93400 93263 (40555)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर (40576)

आवश्यकता है-ड्राइवर की आवश्यकता है (घर एवं दुकान में गाड़ी चलाने हेतु एवं अन्य कार्य) वेतन 12000 से योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- शिवकुमार रमेश कुमार ज्वैलर्स सदर बाजार बिलासपुर 93012 88666, 9827932666 (40579)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है पता- गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक बुधवारी बाजार गेट नंबर 1, सम्पर्क करें- 9300635599 (40566)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी का कार्य करने के लिए (जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कर सके) की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40561)

आवश्यकता है-श्री गुरुतेग बहादुर उ.मा. शाला 27खोली, विकास नगर में हिन्दी/ अंग्रेजी माध्यम हेतु शिक्षकों एवं आफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर शिक्षक चाहिए। सम्पर्क करें- प्रातः 8 से 12बजे तक 982740 5850, 9039768650 (40543)

आवश्यकता है- दवाई दुकान (मेडिकल स्टोर) में Marg साफ्टवेयर से बिलिंग जानकार एवं दवाओं की सामान्य समझ के अनुभवी लड़के, लड़की की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- माँ मेडिसिन कॉर्नर बिलासपुर 7000036436, 78693 80124 (40568)

आवश्यकता है- बिजली दुकान में काम करने हेतु बिजली मिस्त्री, हेल्पर, कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए सम्पर्क करें- नरेन्द्र इलेक्ट्रीकल्स अण्डर फ्लाई ओवर ब्रिज राजीव गांधी चौक रोड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 6267353074, 7725823133 (40563)

आवश्यकता है-फैक्ट्री सुपरवाइजर- 3 पद, फैक्ट्री मैनेजर- 1 पद, सेल्स ऑफिसर (TMT/ हार्डवेयर आदि) एवं ड्राइवर- 1 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील तार फैक्ट्री सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (3183)

आवश्यकता है- Era Technologies CCTV कैमरा सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं ऑफिस स्टाफ (लड़के/ लड़कियां) की आवश्यकता हैं Fresher/ Experience दोनों आवेदन कर सकते हैं। सम्पर्क करें- 8878181720, 8889022217 (40567)

आवश्यकता है-पार्ट टाईम फील्ड कार्य के लिए 2 स्थानीय युवकों की आवश्यकता है योग्यता आठवी पास वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- थायरोकेयर (शेख असलम) देवकीनंदन स्कूल के सामने तिलक नगर बिलासपुर (40552)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कम्पनी में टेली कॉलिंग करने हेतु युवती एवं चाय पानी साफ सफाई करने के लिए युवक एवं युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बिलासपुर 9039190256 (40559)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन- 2 (बैटरी ऑटो में वायरिंग कार्य के अनुभवी ही सम्पर्क करें) हेल्पर- 4 थ्री व्हीलर ऑटो के कार्य के अनुभव ही सम्पर्क करें- 9303555032, 93030 55032 (40565)

आवश्यकता है-यश बिग बाजार में काम करने के लिए लड़कियों (सेल्सगर्ल) की आवश्यकता है आकर्षक वेतन ESIC सुविधा के साथ सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 9300329794, 9131876031 (40554)

आवश्यकता है- फार्मासिस्ट (मेले) बेसिक कम्प्यूटर नॉलेज, आया बाई (फीमेल) चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 2बजे तक उदय चिल्ड्रन हास्पीटल वेयर हाउस रोड बिलासपुर 9753434748 8085812980 (40553)

आवश्यकता है-साफ सफाई गार्डन में पानी डालने एवं अन्य सभी घरेलु कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है रहने, खाने की सुविधा दी जाएगी तनखा- 7500 महीना सम्पर्क करें- 7869399765 (40544)

आवश्यकता है- रावांभाटा (बिरगांव) स्थित अरवा मिल (कोढ़ा मिल) हेतू आवश्यकता 1. अनुभवी मिल ऑपरेटर (सैलरी 15,000 - 18,000) 2. मुंशी 3. लेबर (कुली, रेजा) रहने की व्यवस्था है । संपर्क : 79879-70711 (2602)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक (हमाल) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर (40503)

बेचना है

बेचना है-विद्या नगर में पाठक किराना के सामने स्थित रोड में 8फुट गली में 750 वर्गफुट में निर्मित लगभग 1300 वर्गफुट का स्वतंत्र छत सहित डबल स्टोरी 8 कमरों का मकान जिसका वर्तमान में 20000/- किराया आता है हॉस्टल, दो परिवार हेतु उपयुक्त मात्र 30लाख में बेचना है। नोट- 1माह में रजिस्ट्री कराने पर 5ग्राम सोने का सिक्का बिल्कुल फ्री, बैंक फाइनेन्स सुविधा सहित। सम्पर्क-9827116442 (40558)

बेचना है-तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया 18600 फीट प्लॉट, साइंस कॉलेज पास 3BHK फ्लैट फुलफर्निश्ड एसी लगा, वृन्दावन कॉम्प्लेक्स फर्स्ट फ्लोर 2 दुकान, मित्र विहार लिंक रोड 800 फीट प्लॉट, रामा मैग्नेटो मॉल पास 19 कमरे का नया होटल 4 मंजिल बेचना है। सम्पर्क- 9302855022 (40546)

बेचना है- कोरबा ऊरगा मुख्य मार्ग पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बरबसपुर में एक LIG फ्लैट मध्य तल का बेचना है। सम्पर्क करें- 9425283727, 94241 65378 (40569)

बेचना है-10×14 की दुकान छत नहीं नरेश बाजार के अन्दर मां शारदा कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, 10×14 दुकान मेन रोड पर (दीदी गारमेन्ट) गुरुनानक चश्मा के पास सदर बाजार में सम्पर्क -9827938236, 8770963388 (40556)

बेचना है-सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 (40424)

किराया

किराया- मंगला चौक पर सागर गोल्डन स्क्वेयर काम्प्लेक्स में प्रथम तल पर 12×17 की दो दुकानें किराए से देना है सम्पर्क करें- 93032 05444 (40571)

फाइनेंस

फाइनेन्स-आधार फाइनेन्स मुद्रा योजना अन्तर्गत पूरे छत्तीसगढ़ में लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25लाख तक 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल ग्रुप लोन सिविल खराब लोन पाएं सम्पर्क करें- 9311830460 (4373)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	5	4	1	8
राजस्थान	5	4	1	8
पंजाब	4	3	1	7
हैदराबाद	5	2	3	4
दिल्ली	4	2	2	4
गुजरात	4	2	2	4
लखनऊ	5	2	3	4
चेन्नई	5	2	3	4
मुंबई	4	1	3	2
कोलकाता	5	0	4	1

ऑरेंज कैप

विराट कोहली

228 रन

बेंगलुरु

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा

10 विकेट

गुजरात

खबर संक्षेप

अर्जुन व आदित्य ने यूएस ओपन में एक और स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। अर्जुन सिंह ने आदित्य सिंह की भारतीय जोड़ी ने फ्लोरिडा के नेपल्स में चल रही यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में जे मेओडे और डब्ल्यू लिन को 9-11, 11-2, 11-7 से हराकर पुरुष युगल 5.0 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही पंथ ठक्कर और अथर्व शेठ की जोड़ी ने 4.5 पुरुष युगल वर्ग में रजत पदक जीता। उन्हें फाइनल में कैयन एप्पल और माइकल वैन ड्यूसेन से 8-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन और आदित्य ने कहा, ''यूएस ओपन में एक और स्वर्ण पदक जीतना बेहद संतोषजनक है। हमने फिर से मिलकर यह खिताब जीता है जिससे यह और खास बन जाता है।

शुभंकर ने 64 का कार्ड खेला बोल्डर्स खिताब जीतने के करीब

हैदराबाद। शीर्ष पर चल रहे शुभंकर शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां एक करोड़ पुरस्कार राशि के शुरूआती बोल्डर्स क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में आठ अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलकर सात शॉट की विशाल बढ़त हासिल की। दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता 29 वर्षीय शुभंकर (66, 66, 64) का कुल स्कोर 20 अंडर 196 हो गया है। उन्होंने तीसरे दौर में नौ बर्डी लगाई और महज एक बोगी की। दिल्ली के राशिद खान, चंडीगढ़ के अंगद चीमा और विशेष शर्मा 13 अंडर 203 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं मिट्ठु लाल उपाध्याय उम्र 78 वर्ष पिता रामस्वरूप उपाध्याय जाति ब्राम्हण, निवासी ग्राम परसाही बाना तहसील अकलतरा, जिला जाँजगीर चाम्पा (छ.ग.), का निवासी हूँ जो निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :-
01. यह कि मैं उपरोक्त पते की निवासी हूँ।
02. यह कि मेरा वास्तविक नाम मिट्ठु लाल उपाध्याय पिता रामस्वरूप उपाध्याय है जो कि मेरे आधार कार्ड नं. 3320 3006 0379 में मेरा नाम मिट्ठु लाल उपाध्याय पिता रामस्वरूप उपाध्याय दर्ज है, किन्तु मेरे स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम परसाही बाना प.ह.नं. 08 रा.नि.मं. कोटगढ़ तहसील अकलतरा में अवस्थित बसरा नं. 425/1/ख कुल ख.नं. 17 कुल रकबा 1.6020 है. भूमि ऋण पुस्तिका क्र. पी-3269306 के राजस्व अभिलेख में एवं मेरे बैंक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बिलासपुर शाखा अकलतरा के खाता क्रं 105000446258 में भी मेरा नाम भयहरणलाल पिता रामस्वरूप दर्ज है जो त्रुटिपूर्ण है, जिसे परिवर्तित कर मेरे उपरोक्त भूमि के राजस्व अभिलेख तथा ऋण पुस्तिका क्रं. पी-3269306 एवं बैंक खाता क्रं.106000 446258 में मेरा वास्तविक नाम मिट्ठु लाल उपाध्याय पिता रामस्वरूप उपाध्याय जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम परसाही बाना तहसील अकलतरा जिला जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) को दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ-पत्र प्रस्तुत किया हूँ।
03. यह कि अब मेरा वास्तविक नाम मिट्ठु लाल उपाध्याय पिता रामस्वरूप उपाध्याय के नाम परिवर्तन किये जाने से किसी भी विपरीत परिस्थिति निर्मित नहीं होगी बल्की वास्तविक नाम अंकित होने पर किसी को किसी भी प्रकार से परेशानियों का सामना नहीं करना होगा। मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी सत्य व सही है अतः इस कथन की पुष्टि में यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। 04. यह कि

पुराना नाम- भयहरणलाल
पिता रामस्वरूप निवास- परसाही नाला, थाना अकलतरा तहसील अकलतरा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
नया नाम- मिटू लाल उपाध्याय, पिता रामस्वरूप निवास- परसाही नाला, थाना अकलतरा तहसील अकलतरा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
भवदीय
नाग - मिट्ठुलाल उपाध्याय पिता- रामस्वरूप निवास- परसाही बाना थाना अकलतरा तहसील अकलतरा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) मो. 8349205163

जडेजा 3,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ ही चटका चुके हैं 173 विकेट, दूसरे नंबर पर अक्षर पटेल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक चुनिंदा स्पिनरों ने 100 विकेट का आंकड़ा पार किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के क्रुणाल पांड्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में ये आंकड़ा छूआ। इसके साथ ही पांड्या उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जिन्होंने आईपीएल में 1,000 रन बनाने के साथ-साथ 100 विकेट भी लिए हैं।

रविंद्र जडेजा

रविंद्र जडेजा आईपीएल में 259 मैच की 201 पारियों में 28.27 की औसत और 130.00 की स्ट्राइक रेट से 3,336 रन बना चुके हैं। इसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 77* रन का रहा है। गेंदबाजी में उन्होंने 228 पारियों में 30.31 की औसत से 173 विकेट चटका लिए हैं। वह 1 बार 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/16 विकेट का रहा है। वह आईपीएल में कुल 4 टीमों से खेल चुके हैं।

अक्षर पटेल

अक्षर पटेल ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2014 में खेला था। उन्होंने अब तक 166 मुकाबले खेले हैं और इसकी 127 पारियों में 21.32 की औसत और 133.63 की स्ट्राइक रेट से 1,913 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 66 रन रहा है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 163 पारियों में 31.72 की औसत से 131 विकेट चटकाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/21 का रहा है।

क्रुणाल पांड्या

पांड्या ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2016 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 147 मुकाबले खेले हैं और इसकी 137 पारियों में 31.41 की औसत और 7.53 की इकॉनमी रेट से 100 विकेट लिए हैं। उन्होंने एक बार 4 विकेट हॉल लिया है और उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4/45 का रहा है। बल्लेबाजी में इस खिलाड़ी ने 119 पारियों में 21.96 की औसत और 131.90 की स्ट्राइक रेट से 1,757 रन बनाए हैं।

इन विदेशी खिलाड़ियों ने हासिल किया है ये मुकाम

विदेशी खिलाड़ियों में 1,000 रन के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो, सुनील नरेन और आंद्रे रसेल हैं। इनमें से आईपीएल 2026 में सिर्फ नरेन हिस्सा ले रहे हैं।

पंजाब किंग्स ने दर्ज की चौथी जीत, अंक तालिका में पहुंची टॉप पर

डिकॉक के शतक पर भारी प्रभसिमरन की पारी पंजाब किंग्स ने एमआई को सात विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| मुंबई

प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतक से सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के तेजतर्रार शतक पर पानी फेरते हुए पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां मुंबई इंडियन्स को सात विकेट से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई। पंजाब किंग्स की टीम मुंबई के 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन की 39 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी की और कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन, 35 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। इस जीत से टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम पंजाब किंग्स पांच मैच में नौ अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। मुंबई की टीम इतने ही मैच में दो अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

ऐसा रहा मैच का लेखा-जोखा

पीबीकेएस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। उनका ये फैसला सही साबित हुआ और 12 रन पर एमआई के 2 बल्लेबाज पवेलियन में थे। हालांकि, इसके बाद क्विंटन डिकॉक ने शानदार शतकीय पारी (112*) खेली। नमनधीर के बल्ले से 50 रन निकले। एमआई ने 195/6 का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर (66) और प्रभसिमरन सिंह (80) की शानदार पारियों के दम पर 16.3 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

डिकॉक ने जड़ा तीसरा आईपीएल शतक

डिकॉक ने मैच में 60 गेंदों का सामना किया और 112* रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके और 7 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 186.67 की रही। यह उनके आईपीएल करियर का कुल तीसरा शतक साबित हुआ, जिसे उन्होंने 53 गेंदों में पूरा किया। डिकॉक ने नमनधीर के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों के बीच 68 गेंदों में 122 रन की साझेदारी हुई। हार्दिक पांड्या के साथ इस खिलाड़ी ने 23 गेंदों में 41 रन जोड़े।

डिकॉक सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज

डिकॉक विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने एडम गिलक्रिस्ट, राहुल, ऋषभ पंत और सैमसन को पीछे छोड़ा है। इन खिलाड़ियों ने विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में 2-2 शतक लगाए थे। ब्रेडन मैकुलम, जॉनी बेयरस्टो, हेनरिक क्लासेन और रिद्धिमान साहा ने आईपीएल में विकेटकीपर के रूप में 1-1 शतक लगाया है। डिकॉक आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा रहे थे।

डिकॉक और नमन ने साझेदारी में बनाया ये रिकॉर्ड

डिकॉक और नमन के बीच 122 रन की साझेदारी ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह एमआई के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए की गई 5वीं 100 से ज्यादा रन की साझेदारी है। साथ ही तीसरे विकेट के लिए यह एमआई की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी भी रही, इससे पहले सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के 2023 में इस विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी निभाई थी।

एमआई की शतक वाली लिस्ट में शामिल हुए डिकॉक

डिकॉक एमआई के 7वें बल्लेबाज बने, जिन्होंने आईपीएल में शतक लगाया है। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या, रोहित शर्मा, लेंडल सिमंस, सूर्यकुमार ने 2-2 शतक लगाए थे। कैमरून ग्रीन ने एमआई के लिए एक शतक लगाया है। डिकॉक ने एमआई के लिए अब तक 44 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान 36.94 की औसत से 1,441 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 10 अर्धशतक भी निकले हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 134.42 की रही है।

अर्शदीप ने लिए पंजाब किंग्स के लिए 100 विकेट

अर्शदीप सिंह ने 22 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 100 विकेट पूरे कर लिए और ऐसा करने वाले पीबीकेएस के पहले गेंदबाज बने। अर्शदीप ने एमआई के रयान रिकेल्टन को आउट कर यह खास मुकाम हासिल किया। पंजाब के लिए इस खिलाड़ी ने 87 मुकाबले खेले हैं और इसकी 86 पारियों में 26.87 की औसत से 102 विकेट चटकाए हैं। अर्शदीप के बाद पीबीकेएस के लिए सबसे ज्यादा विकेट (87) पीयूष चावला ने लिए हैं।

क्रिकेट

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 36 वर्षीय रुबेल ने बुधवार को अपने फेसबुक अकांउट पर लिखा कि वह बांग्लादेश के लिए खेले गए 159 मैचों के अपने करियर को समाप्त कर रहे हैं। रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2021 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उसके बाद से चोटों के कारण उनकी भागीदारी सीमित होती गई। उन्होंने कहा हालांकि, मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता हूं।

डेब्यू पर 4 विकेट लेकर फैलाई थी सनसनी

रुबेल वनडे डेब्यू पर 4 विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज हैं। उन्होंने 2009 में श्रीलंका क्रिकेट के खिलाफ 33 रन देकर 4 विकेट चटकाते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसी तरह उन्होंने वनडे विश्व कप 2015 में इंग्लैंड के खिलाफ चार गेंदों के अंतराल में इयान बेल और कप्तान इयोन मॉर्गन को आउट करने के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन को पवेलियन भेजा था।उन्होंने 53/4 के आंकड़ों से टीम को जीत दिलाई थी।

ऐसा रहा है रुबेल का अंतरराष्ट्रीय करियर

रुबेल ने जनवरी 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। उन्होंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट मैचों में 76.77 के औसत से 36 विकेट लिए हैं। 5/166 उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह 104 वनडे में 34.31 की औसत से 129 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उन्होंने 7 बार 4 और एक बार 5 विकेट हॉल लिया है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/26 का रहा है। उन्होंने 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी 28 विकेट अपने नाम किए हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग

चोट से जूझ रहे खलील अहमद और डेविड पायने टूर्नामेंट से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स को बड़ा झटका लगा है और सनराजर्स को बड़ा झटका लगा है। दोनों के ही तेज गेंदबाज चोट के कारण बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद 14 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने हालिया मैच में जांघ की मांसपेसियों में चोट के कारण शेष टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके प्रबंधन ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। यह खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही सीएसके के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं एसआरएच के तेज गेंदबाज डेविड पायने भी चोट के कारण बचे हुए सीजन से बाहर हो गए हैं।

एसआरएच से पायने हुए बाहर

वहीं आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने अपना अगला मैच 18 अप्रैल को चेन्नई सुपरकिंग्स से खेलना है। इस मैच से पहले एसआरएच के लिए बुरी खबर है। एसआरएच के तेज गेंदबाज डेविड पायने बचे हुए सीजन से बाहर हो गए हैं। वह टखने में चोट लगने के कारण आगामी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। एसआरएच ने आधिकारिक तौर पर ये ऐलान किया है।

ऐसे लगी थी खलील को चोट

एमए चिदंबरम स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मैच में खलील ने शानदार गेंदबाजी की और सुनील नरेन का अहम विकेट लिया। हालांकि, अपने 4 ओवर के स्पेल की आखिरी गेंद फेंकने के लिए दौड़ते समय उन्हें दाहिनी जांघ में तकलीफ महसूस हुई। इसके बाद वह आखिरी गेंद भी नहीं फेंक सके। गुरजनप्रीत सिंह ने उनका ओवर पूरा किया। मेडिकल जांच में उनकी दाहिनी रेक्टस फेमोरिस टेंडन में खिंचाव के साथ गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। खलील की चोट सीएसके के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि वह टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा थे। इस सीजन में उन्होंने सभी 5 मैच खेले थे। उनकी अनुपस्थिति से टीम को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल 2026 में सिर्फ 2 मैच खेले पायने

बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज पायने ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया था। अपने पहले मैच में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। केकेआर के खिलाफ मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके थे। उस मैच में उन्होंने अपने 2 ओवर में 35 रन लुटाए थे। इसके बाद उन्हें चोट का सामना करना पड़ रहा है।

युद्ध के बावजूद ईरान फीफा विश्व कप में भाग लेगा

वाशिंगटन। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध के बावजूद ईरान विश्व कप में 'निश्चित रूप' भाग लेगा। इन्फेंटिनो ने सीएनबीसी के इन्वेस्ट इन अमेरिका फोरम में कहा कि ईरान का विश्व कप में भाग लेना महत्वपूर्ण है। अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान के इस प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।

महिला क्रिकेट : दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच टी20 सीरीज आज से

डरबन। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 विश्व कप से पहले सभी खिलाड़ियों को उचित मौका दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी है और शुक्रवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का पूरा फायदा उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। हरमनप्रीत ने यह भी कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। भारत ने हाल में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में जीत दर्ज की है।

विश्व कप की तैयारी के लिए अहम : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले इंग्लैंड एवं वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट से पहले उन्हें संयोजन को परखने और लय बनाने का मौका देंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निर्माण कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः **सी.ए.ओ./सी/बीएसपी/26-27-1, दिनांक : 07–04–2026** (खुली ई–निविदा) (टू पैकेट सिस्टम)
कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर संभाग के अंतर्गत शहडोल यार्ड में पानी जमा होने से रोकने के लिये यार्ड नालियों और अन्य नालियों की व्यवस्था।
निविदा मूल्यः 222318069.37/–
अमानत राशिः ₹ 4446400.00/–,
निविदा कागजात का मूल्यः शून्य। कार्य पूर्णता की अवधिः 06 (छः) माह स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **निविदा बंद होने का** समय एवं दिनांकः 30–04–2026 को 15.00 बजे, निविदा खोलने होने का समय एवं दिनांकः 30–04–2025 को 15.30 बजे।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर पिनः 495004 अथवा उप मुख्य अभियंता/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर पिन : 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबंधक /पश्चिम /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www. ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/FL/18
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

क्रमांक 261/न.पा.नि./लोनिवि/26–27 अम्बिकापुर दिनांक 16/04/2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना (प्रथम/द्वितीय) :-

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा अधोसंरचना मद अन्तर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु द्वितीय निविदा एवं विभिन्न वार्डो में आगंनबाड़ी भवन निर्माण तथा जोन क्रमांक 01 से 05 तक में सड़क डामरीकरण, नाली, पुलिया एवं भवन तथा सीसी रोड निर्माण/मरम्मत संधारण कार्यो (कुल 26 कार्य) हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

विस्तृत निविदा सूचना छ.ग. शासन के ई- प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & https://uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एम/एचबी/26/1030 दिनांक 09.04.2026

जांच कार्यवाही सूचना

प्रति,
श्री सुदर्शन सिंह आ. श्री हीरालाल
जनरल मजदूर, रिले ''ए''
एनईआईएस नं. 24908314
हल्दीबाड़ी भूमिगत खान

आपके विरुद्ध जारी आरोप पत्र क्रमांक एम/एचबी/सीएस/24/4112 दिनांक 14.06.2025 एवं जांच मेमो पत्र उ.क्षे.प्र./जेकेडी/2025/384 दिनांक 27.09.2025 के तहत विभागीय जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिसकी द्वितीय बैठक दिनांक 22.04.2026 को दोपहर 02 बजे खान प्रबंधक कार्यालय, हल्दीबाड़ी खान में रखी गई है। अतः आप अपने समस्त साक्ष्य एवं दस्तावेजों सहित उपरोक्त निर्धारित स्थान पर उक्त समय पर अनिवार्य रुप से उपस्थित होवें ताकि आपका विभागीय जांच कार्यवाही सुचारु रुप से किया जा सके। यदि आप जांच कार्यवाही में उपस्थित नहीं रहते है, तो प्रकरण की जांच आपके विरुद्ध कर जावेगी।

जांच अधिकारी
हल्दीबाड़ी भूमिगत खान, झगराखाण्ड उपक्षेत्र
एसईसीएल, हसदेव क्षेत्र

SECL/26-27/15

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

पर्यावरण स्वीकृति की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन, पर्यावरण, एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नयी दिल्ली द्वारा पत्र क्रमांक- J-11015/487/2007-IA-II(M) दिनांक 15.04.2026 के माध्यम से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के दीपका क्षेत्र अंतर्गत Dipka Opencast Coal Mine Project को 1999.386 हेक्टेयर के परियोजना क्षेत्र में कोयला उत्पादन हेतु क्षमता विस्तार 37.50 मिलियन टन प्रतिवर्ष से 40.00 मिलियन टन प्रतिवर्ष बाबत् पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। उपरोक्त पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति व वर्णित शर्तो की जानकारी निम्नलिखित कार्यालयों/वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। एसईसीएल दीपका क्षेत्र कार्यालय, जिला- कोरबा (छ.ग.), पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर मुख्यालय व कोरबा क्षेत्रीय कार्यालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाइट parivesh.nic.in, एसईसीएल की वेबसाइट www.secl-cil.in

SECL/26-27/14

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना

दिनांक 16/04/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर के ज़ोन क्र.08 अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 11.05.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	NIT	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि
1	46/1	189012	वार्ड क्र.64 अटल चौक से प्राइमरी स्कूल तक आर.सी.सी नाली निर्माण	12.26	10,000.00
2	46/2	189013	वार्ड क्र.64 नहर पुल से मरीमाता होते हुए मिसरी तालाब तक सी.सी. रोड निर्माण	20.34	15,500.00
3	46/3	189016	वार्डक्र.68 जीवन बंजारे के घर से कंचन विहार तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	12.26	10,000.00
4	46/4	189017	वार्ड क्र.68 ओम त्रिपाठी के घर से गोपीचंद एवं शारदा प्रताप के घर से प्रकाश मिरी के घर होते हुए जै जै आईटीआई तक आर.सी.सी. नाली निर्माण	12.26	10,000.00

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 15.04.2026 संध्या 05.30 बजे के पश्चात डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.08
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

16- APR- K&C- MAIN- Pg- 12 SARA SANSAR_Layout 1 4/17/2026 12:06 AM Page 1

24 हजार साल बाद 'नींद' से जागा पाषाण युग का यह रहस्यमयी जीव

जिंदा होते ही जो किया उसे देख वैज्ञानिक भी हैरान!

मास्को। जरा सोचिए कि कोई जीव तब गहरी नींद में सो गया हो जब इस धरती पर हिम युग रहा हो, धरती पर चारो तरफ बर्फ ही बर्फ हो और आज के आधुनिक युग में जब वह जागा, तो बिल्कुल वैसा ही था जैसा हजारों साल पहले था। रूस के साइबेरियाई इलाके में वैज्ञानिकों को कुछ ऐसा ही मिला है जिसे सुनकर प्रकृति के नियमों पर यकीन करना मुश्किल हो सकता है। वैज्ञानिकों ने परतों में 24,000 साल से दबे एक सूक्ष्म जीव को पुनर्जीवित कर लिया है, जीव होश में आते ही अपनी नई दुनिया भी बसानी शुरू कर दी। रूस के वैज्ञानिकों ने साइबेरिया की जमी हुई बर्फ से एक ऐसे छोटे जीव की खोज की है, जो बीते 24,000 सालों से बर्फ में जमा था, मानों कोमा वाली स्थिति में था। जैसे ही रूसी वैज्ञानिकों ने इसे गर्माहट देकर पिघलाया, तो वह न सिर्फ जिंदा हो गया, बल्कि इसने प्रजनन करना भी शुरू कर दिया।

क्या है यह जीव?

रूसी वैज्ञानिक ने जिस जीव को खोजा है उसका नाम रॉटिफर है। यह एक बहुकोशिकीय जीव है जो आमतौर पर मीठे पानी में मिलता है। रॉटिफर्स अपनी मजबूती के लिए जाने जाते हैं; ये कम ऑक्सीजन, भुखमरी और बहुत ही ज्यादा ठंड में भी जीवित रह सकते हैं। अब तक माना जाता था कि ये जीव जमने के बाद सिर्फ 10 साल तक जीवित रह सकते हैं, लेकिन इस नई खोज ने पुराने सभी रिकॉर्ड को तोड़ दिए हैं।

कैसे हुआ यह चमत्कार?

रूस के सॉयल क्रायोलॉजी लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने साइबेरिया की अलाजेया नदी के पास मिट्टी के नमूने लिए थे। इसके बाद रेडियोकार्बन डेटिंग हुआ जिसमें पता चला कि यह जीव करीब 24,000 साल पुराना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह जीव क्रिप्टोबायोसिस स्थिति में चला गया था। इस अवस्था में शरीर का मेटाबॉलिज्म करीब करीब पूरी तरह रुक जाता है, जिससे जीव हजारों सालों तक शांत अवस्था में बना रहता है।

मानव भविष्य के लिए क्यों है अहम?

रिसर्च के लेखक स्टैस मालविन का कहना है कि एक जटिल बहुकोशिकीय जीव जिसके पास दिमाग और पाचन तंत्र भी होता है, को इतने सालों बाद जीवित होना एक बड़ी उपलब्धि है। यह कई फिक्शन लेखकों के सपने जैसा है। लेकिन, इंसानों के लिए अभी यह संभव नहीं है, लेकिन फिर भी एक छोटे जीव का सिंगल सेल से निकलकर जटिल संरचना के साथ वापस लौटना विज्ञान के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

कैलिफोर्निया का यह पेड़ है जंगल का 'नेचुरल एसी'

2100 टन वजन, लेकिन जड़ें सिर्फ 6 फीट गहरी!

वॉशिंगटन। धरती पर जब भी सबसे वजनी जीव की बात होती है, तो ब्लू व्हेल का नाम सबसे ऊपर आता है, लेकिन कैलिफोर्निया का एक पेड़ इस दावे को भी छोटा कर दे रहा है। जनरल शर्मन नाम का एक पेड़ 14 ब्लू व्हेल्स से भी ज्यादा वजनी है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात इसकी बनावट है। इतना वजनी होने के बाद भी इसकी जड़ें मात्र 6 फीट गहरी हैं। यह पेड़ वनस्पति विज्ञान के सारे पैमानों को छोटा साबित कर देता है।

विशाल पेड़ का नाम है जनरल शर्मन

कैलिफोर्निया में स्थित सेक्वाइया नेशनल पार्क में मौजूद इस विशाल पेड़ का नाम जनरल शर्मन है। नेशनल पार्क सर्विस के डेटा के मुताबिक, जनरल शर्मन पेड़ के सिर्फ तने का ही आयतन ही 52,500 क्यूबिक फीट है। अगर इसकी टहनियों और जड़ों के वजन को भी शामिल कर लिया जाए, तो इसका कुल वजन करीब 2,100 टन तक पहुंच जाता है। एक औसत ब्लू व्हेल का वजन 150 से 190 टन होता है, इस लिहाज से यह अकेला पेड़ एक दर्जन से ज्यादा व्हेल्स से भारी है।

चलते-फिरते वाटर प्यूरीफायर

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार ये पेड़ सिर्फ शोपीस नहीं होते हैं, बल्कि चलते-फिरते वाटर प्यूरीफायर और एयर कंडीशनर का भी काम करते हैं। एक मैच्योर सेक्वाइया पेड़ अपनी पत्तियों और हाइड्रोलिक प्रेशर के जरिए हर दिन सैकड़ों गैलन पानी वाष्पित करता है। इससे न सिर्फ जल चक्र बना रहता है, बल्कि जंगल का तापमान भी नियंत्रित रहता है, जिससे हजारों दूसरे प्रजातियों को जीवन मिलता है।

क्यों नहीं रुक रही इसकी ग्रोथ?

ज्यादातर इस प्रजाति के पेड़ एक समय के बाद बढ़ना बंद कर देते हैं, लेकिन सेक्वाइया के साथ ऐसा नहीं हुआ है। यह अपनी पूरी जिंदगी जो करीब 3,000 साल तक हो सकती है, तक बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इसकी छाल में टैनिन नाम का केमिकल बहुत ज्यादा है। यह केमिकल इसे कीड़ों के हमले, सड़न और यहां तक कि आग से भी बचाता है। यही कारण है कि यह पेड़ सदियों तक जीवित रहकर भी भारी मात्रा में कार्बन सोखता रहता है।

कोई मेन जड़ यानी टैपरूट नहीं होती है

सबसे हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि इतने लाखों किलो वजनी इन पेड़ों की कोई मेन जड़ यानी टैपरूट नहीं होती है। इनकी जड़ें जमीन में मुश्किल से 6 से 12 फीट गहरी होती हैं।

- तो फिर इतने वजनी पेड़ कैसे टिके होते हैं?
- इनकी जड़ें गहराई के बजाय 100 से 150 फीट चौड़ाई में फैली हुई होती हैं।
- ये जड़ें आसपास के दूसरे सेक्वाइया पेड़ों की जड़ों के साथ गुंथ जाती हैं।
- यह एक अंडरग्राउंड नेटवर्क या चटाई जैसा स्ट्रक्चर बना लेती हैं जो 1,500 टन के इन पेड़ों को गिरने से बचाता है।

देवी की मूर्ति के नीचे दफन है अरबों की दौलत?

शिवपुरी। इतिहास की किताबों में राजा नल और दमयंती की कहानियां तो लगभग हर किसी ने सुनी होंगी, लेकिन मध्यप्रदेश के ग्वालियर के पास नरवल किले में इन दिनों कुछ अलग ही कहानी चल रही है। नरवल किले की एक ऐसी लोककथा, जिसमें अरबों के सोने और सदियों पुराने शाही खजाने का जिक्र है। कहा जाता है कि यहां की लेटी हुई देवी की प्रतिमा के नीचे राजा की दौलत दफन है। इस दावे को लेकर चौंकाने वाला खुलासा तक हुआ, जब एएसआई संरक्षित क्षेत्र में एक गहरी सुरंग सामने आई। सिक्कों की गूंज और धातु की आवाज ने खजाना चोरों को दावत दी, और

नरवर किले में ट्रेजर हंटर्स की इस गुस्ताखी से मचा हड़कंप

फिर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के पास शिवपुरी जिले में स्थित ऐतिहासिक नरवर किले में खजाने की खोज को लेकर हैरान कर देने वाला मामला आया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई द्वारा संरक्षित इस प्राचीन किले में संदिग्ध शिकारियों ने मां पसार देवी मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गहरी सुरंग खोद डाली है।

राजा नल और खजाने की लोककथा

चोरी से इस सुरंग की खुदाई के पीछे की प्रमुख वजह है इस किले के मंदिर को लेकर पुरानी लोककथा है। स्थानीय मान्यता है कि राजा नल ने अपना राज्य हारने के बाद अपने शाही खजाने की सुरक्षा के लिए मां पसार देवी की लेटी हुई मूर्ति को किले के द्वार पर स्थापित किया था। लोगों का मानना है कि इस मूर्ति के ठीक नीचे आज भी राजा का पूरा खजाना दबा हुआ है।

कैसे हुआ खुलासा?

स्थानीय लोगों के मुताबिक मंदिर के पीछे झाड़ियों से छिपाकर यह खुदाई हुई थी। इस मौके पर पहुंची पुलिस टीम को वहां से खुदाई के औजार, एरोसोल स्प्रे कैन और कंबल मिले हैं। इन सामानों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरोपी कई दिनों से वहां रात के समय में सुरंग खोज रहे थे और दिन में सुरंग को झाड़ियों से ढक दिया करते थे, जिससे किसी को शक हो ही ना। खजाने के इस दावे को और भी बल मिलता है देवी मूर्ति के पास एक ऐसी जगह है, जहां सिक्का डालने पर धातु से टकराने जैसी गूंज सुनाई देती है। इसी आवाज ने खजाना होने के संभावना को और बल दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com